राष्ट्रीय दैनिक

प्रात: किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 | आधुनिक तकनीक से मखाना की खेती होगी...

इंडी गठबंधन पर शिवराज... | 12

वर्ष : 14 | अंक : 172 | पटना, गुरुवार, 01 अक्टूबर, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

बाढ़ प्रभावित परिवारों को सभी आवश्यक सुविधाएं तत्काल उपलब्ध हो: सम्राट

- मुख्यमंत्री ने पश्चिम चंपारण के विभिन्न बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण कर स्थिति का लिया जायजा

प्रात : किरण

बेतिया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को पश्चिम चंपारण के विभिन्न बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बाढ़ प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश देते हुए कहा कि प्रभावित परिवारों को दशहरा से पहले सात हजार रुपये की अनुग्रह सहायता राशि उपलब्ध कराने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने सारण जिले के मकेर प्रखंड के हैजलपुर पंचायत क्षेत्र में टूटे तटबंध का भी हवाई सर्वेक्षण किया।

सीएम सम्राट चौधरी ने पश्चिम चंपारण के बगहा, बैरिया प्रखंड के बथना, योगापट्टी प्रखंड के मच्छरगांवा तथा नौतन प्रखंड के शिवराजपुर, बानकटवा और आसपास के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। पटना से पश्चिम चंपारण पहुंचने के दौरान उन्होंने विभिन्न नदियों के जलस्तर और बाढ़ प्रभावित इलाकों की स्थिति का भी जायजा लिया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने बैरिया प्रखंड के बथना स्थित पीएम श्री राजकीयकृत प्लस टू उच्च विद्यालय परिसर

में संचालित बाढ़ राहत शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने सामुदायिक रसोई, चिकित्सा शिविर, पेयजल, शौचालय, पशु राहत शिविर, पशु शेड और महिलाओं एवं पुरुषों के लिए की गई आवासन व्यवस्था की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने सामुदायिक रसोई में स्वयं बाढ़ प्रभावित लोगों को भोजन परोसा। उन्होंने राहत शिविर में संचालित अस्थायी आंगनबाड़ी बाल शिविर का भी निरीक्षण किया और बच्चों से बातचीत कर उनकी पढ़ाई तथा उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। चिकित्सा शिविर में दवाओं और उपचार की व्यवस्था का भी जायजा लिया। उन्होंने शिविर में रह रहे लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनके तत्काल समाधान का निर्देश दिया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने बथना स्थित जिला स्तरीय कंट्रोल रूम में बाढ़ राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की। पश्चिम चंपारण के जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने जिले के मानचित्र के माध्यम से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों, तटबंधों, राहत एवं चिकित्सा शिविरों तथा राहत-बचाव कार्यों की जानकारी दी। अधिकारियों ने प्रभावित आबादी, राहत सामग्री के वितरण और एनडीआरएफ तथा एसडीआरएफ की तैनाती से भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

बाढ़ प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध हो : समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि नेपाल की तराई से पानी आने के कारण बाढ़ की विकट स्थिति उत्पन्न हुई है। कोसी और महानंदा नदी का सर्वे कराया जा रहा है, ताकि बाढ़ की समस्या का समग्र अध्ययन कर स्थायी समाधान की दिशा में काम किया जा सके। उन्होंने कहा कि अगले दो-तीन दिनों में पानी निकलने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को पर्याप्त संख्या में सामुदायिक रसोई संचालित करने, जरूरत के अनुसार स्लुइस गेट खोलकर पानी की निकासी सुनिश्चित करने, नदियों के जलस्तर और तटबंधों की लगातार निगरानी करने तथा पर्याप्त संख्या में नावों की व्यवस्था रखने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रभावित लोगों तक सूखा राशन और अन्य राहत सामग्री पहुंचाने तथा पशुओं के लिए चारा और आश्रय की समुचित व्यवस्था करने को कहा। उन्होंने दशहरा से पहले बाढ़ पीड़ितों को 7 हजार रुपए की सहायता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

क्षतिग्रस्त संरचनाओं को किया जाएगा दुरुस्त

सीएम सम्राट ने कहा कि बाढ़ प्रभावित लोगों को एसओपी के अनुसार सभी आवश्यक सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराई जाएं। बाढ़ से हुए नुकसान की भरपाई और क्षतिग्रस्त संरचनाओं को दुरुस्त किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिया कि लोग जब तक अपने घरों को वापस नहीं लौट जाते और स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं हो जाती, तब तक जरूरत के अनुसार सामुदायिक रसोई संचालित रखी जाए। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की तैनाती बनाए रखते हुए राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी रखने का भी निर्देश दिया।

सीएम सम्राट की अध्यक्षता में राज्य कैबिनेट की हुई बैठक, 30 प्रस्तावों पर लगी मुहर

कैबिनेट का फैसला: बिहार पुलिस की बढ़ेगी ताकत

सरकार खरीदेगी 30 वाटर कैनन और 86 वज्र वाहन

- संसाधनों की खरीद पर कुल 62.52 करोड़ रुपये होंगे खर्च

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को राज्य कैबिनेट की बैठक हुई। बैठक में कुल 30 एजेंडों पर मुहर लगी। कैबिनेट ने बिहार ग्रीन हाइड्रोजन नीति 2026 के प्रारूप को मंजूरी देने के साथ कानून-व्यवस्था, बिजली, सड़क, पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि समेत कई क्षेत्रों से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति दी। राज्य में कानून-व्यवस्था को नियंत्रण एवं सुदृढ़ करने के लिए 30 वाटर कैनन की खरीद के लिए प्रति वाहन 88 लाख की दर से 26 करोड़ 40 लाख रुपये तथा 86 नए वज्र वाहन की खरीद के लिए 42 लाख रुपये की दर से 36 करोड़ 12 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। इनकी मदद से त्योहारों, मेलों, चुनावी रैलियों, छात्र आंदोलन समेत अन्य कई महत्वपूर्ण अवसरों पर विधि-व्यवस्था को बनाए रखने में काफी मदद मिलेगी। इस फैसले से पुलिस की भीड़ नियंत्रण और कानून-व्यवस्था से जुड़ी कार्रवाई की क्षमता बढ़ाने की योजना है।

ग्रीन हाइड्रोजन नीति को मंजूरी: राज्य सरकार हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में बड़ी पहल करने जा रही है। इसके अंतर्गत बिहार हरित हाइड्रोजन नीति, 2026 के प्रारूप की स्वीकृति प्रदान की गई। इसका मुख्य उदेश्य ऊर्जा की मौजूदा जरूरत को 50 फीसदी तक कम करते हुए इसे पारंपरिक स्रोत पर आश्रित बनाना है। साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने, प्राकृतिक गैस के आयात पर निर्भरता को कम करने और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाना है। मंत्रिमंडल में लिए गए सभी महत्वपूर्ण निर्णयों के बारे में मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने सूचना भवन के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए यह कवायद की गई है। हाइड्रोजन आधारित 2.5 गिगावाट ऊर्जा तैयार करने की तैयारी है। इसमें 16 हजार करोड़ रुपये का निवेश होगा और 12 हजार लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। सौर ऊर्जा से शेष 2554 कृषि फिडरों को सौर ऊर्जा से जोड़ने के लिए 2585 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना की जाएगी। इसके लिए 1 करोड़ 5 लाख रुपये प्रति मेगावाट की दर से अनुदान दी जाएगी, जिसके लिए 2 हजार 714 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। 946 विद्युत उप-केंद्रों में योजना के क्रियान्वयन पर ग्राम पंचायतों को प्रोत्साहन के लिए 47 करोड़ 30 लाख रुपये की राशि देने के लिए 2 हजार 761 करोड़ 55 लाख रुपये के अनुदान की स्वीकृति दी गई है।

पटना में आवासीय कॉलोनी होगी विकसित: कैबिनेट में नगर विकास एवं आवास विभाग से संबंधित एक अन्य अहम निर्णय के तहत पटना के बहादुरपुर सेक्टर-6 में मौजूद बिहार राज्य आवास बोर्ड की जर्जर आवासीय कॉलोनी के स्व-वित्तपोषित पुनर्विकास के लिए एनबीसीसी लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन करने पर सहमति बनी। इसके अतिरिक्त बहादुरपुर के सेक्टर-5 (टीवी टॉवर के निकट) आवास बोर्ड की 8.5 एकड़ भूखंड पर भी इसी योजना के तहत आवासीय संरचना का विकास किया जाएगा। बिहार विधिक माप विज्ञान (जीएटीसी) नियमावली, 2026 की स्वीकृति प्रदान की गई है।

आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों को पोषणयुक्त खाद्य मिलेगा: सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0 कार्यक्रम के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को पारंपरागत शुष्क राशन के स्थान पर रेसिपी आधारित सुदृढ़ीकृत एवं पोषणयुक्त खाद्य उत्पादन उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए कॉम्फेड को क्रियान्वयन एजेंसी नामित की गई है। गुणवत्ता एवं खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए त्रिस्तरीय गुणवत्ता परीक्षण प्रणाली लागू की जाएगी। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि पटना में मीठापुर महुली एलिवेटेड पथ से 2 लेन डॉउन रैम्प एवं परसा-संपतचक पथ में 2 लेन एट ग्रेड पथ का निर्माण कार्य कराने के लिए 82 करोड़ 25 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है।

पथ निर्माण विभाग से एनओसी लेना जरूरी

श्री चौधरी ने कहा कि पथ निर्माण विभाग के स्वामित्व वाली सड़कों और भूखंडों पर बिजली आपूर्ति, जलापूर्ति, टेलीफोन लाइन या केबुल या ऑप्टिकल फाइबर केबुल, सिवर लाइन, गैस पाइप लाइन बिछाने के लिए अनापत्ति प्रमाण-पत्र निर्गत करने के प्रस्ताव पर मंत्रिपरिषद के स्तर से स्वीकृति प्रदान की गई है। इन कार्यों के लिए दूरसंचार (मार्ग के अधिकार) नियम-2024 के नियमों के अंतर्गत निर्धारित दरों एवं शर्तों के अनुरूप दिया जाएगा। मंत्रिपरिषद ने सात निश्चय-3 के तहत निश्चय-1 के तहत दोगुना रोजगार-दोगुना आय के तहत कुशल युवा कार्यक्रम की स्वीकृति से वर्तमान में युवाओं को को कुशल युवा कार्यक्रम (डिजिटल मित्र) का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त रियायती हवाई अड्डों पर विमान ईंधन (एटीएफ) के लिए वैट की दर 1 प्रतिशत से घटाकर शून्य प्रतिशत कर दिया गया है। अन्य तरह के एयरपोर्ट के लिए वैट की दर जून 2025 में ही 29 प्रतिशत से घटाकर 4 प्रतिशत कर दी गई है।

कई स्थानों पर होगी बहाली

वैशाली स्थित बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय सह स्मृति स्तूप तथा संग्रहालय निदेशालय एवं राजकीय संग्रहालयों के सुचारू संचालन के लिए 35 पदों पर 11 महीने या नियमित नियुक्ति होने तक नियोजन करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई है। इसके अतिरिक्त भागलपुर में खुलने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं कंप्यूटर विज्ञान विश्वविद्यालय तथा मुजफ्फरपुर स्थित शहीद जुब्बा सहनी वास्तुकला एवं असैनिक अभियंत्रण विश्वविद्यालय में प्रशासनिक कार्यों के लिए 34-34 पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों के पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई।

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने एमएसपी में बढ़ोतरी को दी मंजूरी

रबी फसलों के लिए एमएसपी में बढ़ोतरी को केंद्र ने मंजूरी दी, किसानों की बढ़ेगी आय

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने बुधवार को विपणन सत्र 2027-28 के लिए सभी अनिवार्य रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी। एमएसपी में सबसे अधिक बढ़ोतरी कुसुम के लिए 675 रुपए प्रति क्विंटल की गई है। इसके बाद रेपसीड और सरसों के एमएसपी में 413 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। आधिकारिक बयान के अनुसार, मसूर की एमएसपी में 390 रुपए प्रति क्विंटल, जौ में 136 रुपए प्रति क्विंटल, चने में 83 रुपए प्रति क्विंटल और गेहूं में 25 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। सरकार ने रबी विपणन सत्र 2027-28 के लिए रबी फसलों के एमएसपी में बढ़ोतरी किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की है। बयान में कहा गया कि विपणन सत्र 2027-28 के लिए अनिवार्य रबी फसलों के एमएसपी में यह बढ़ोतरी केंद्रीय बजट 2018-19 में की गई घोषणा के अनुरूप है। इसके तहत एमएसपी को अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर तय किया जाता है। हाल के वर्षों में सरकार अनाज के अलावा दालों और तिलहनों जैसी फसलों की खेती को बढ़ावा दे रही है। इसके लिए इन फसलों पर अपेक्षाकृत अधिक एमएसपी की पेशकश की जा रही है। वर्ष 2014-15 से 2025-26 के दौरान गेहूं की खरीद बढ़कर 3,715 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) हो गई, जबकि 2004-05 से 2013-14 के दौरान यह 2,254 एलएमटी थी। वर्ष 2014-15 से 2025-26 के दौरान छह रबी फसलों की खरीद बढ़कर 3,921 एलएमटी हो गई, जबकि 2004-05 से 2013-14 के दौरान यह 2,302 एलएमटी थी।

ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-III योजना को मंजूरी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-III' (जीईसी-III) योजना को मंजूरी दे दी है। यह पहल भारत के इंट्रा-स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम (आईएनएसटीएस) को मजबूत करेगी, जिससे राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के बीच 135 गीगावाट तक की रिन्यूएबल एनर्जी को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाना संभव हो सकेगा। आधिकारिक बयान में कहा गया कि यह योजना ग्रिड की फ्लेक्सिबिलिटी सुनिश्चित करने, रुक-रुक कर होने वाली आपूर्ति, कंजेशन, पीक-आवर में कटौती जैसी समस्याओं से निपटने और सौर ऊर्जा उपलब्ध न होने के समय में मांग को पूरा करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा डेवलपर/उत्पादक स्तर या अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर 50 गीगावाट-घंटा के बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) की स्थापना का प्रावधान भी करती है। यह योजना भारत के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के भीतर ग्रिड इंटीग्रेशन और पावर इवैक्यूएशन को सुगम बनाएगी। बयान में आगे कहा कि इस योजना के वित्तीय वर्ष 2032-33 तक स्थापित किए जाने का लक्ष्य है, जिसकी कुल परियोजना लागत 1,86,405 करोड़ रुपए है। इसमें जीईसी-क्कक्के तहत इंट्रा-स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम (आईएनएसटीएस) के विकास के लिए 1,36,378 करोड़ रुपए और 50 गीगावाट-घंटा बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) के लिए 50,000 करोड़ रुपए शामिल हैं। इस योजना में कुल 54,082 करोड़ रुपए की केंद्रीय वित्तीय सहायता शामिल है। केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) से इंट्रा-स्टेट ट्रांसमिशन चार्ज को कम करने में मदद करेगी और बिजली की लागत को नियंत्रण में रखेगी। इस प्रकार, सरकार की यह मदद अंततः अंतिम उपभोक्ताओं यानी भारत के नागरिकों को लाभान्वित करेगी।

बिहार सरकार

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस

(1 अक्टूबर, 2026)

संदेश

आज अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर मैं राज्य के सभी सम्मानित बुजुर्गों एवं वरिष्ठ नागरिकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देती हूँ।

वरिष्ठजन हमारे समाज की नींव और अनुभवों के जीवंत विश्वकोष है। उनके द्वारा पीढ़ियों से संजोए संस्कार, मार्गदर्शन एवं जीवनमूल्य ही हमारे विकास की वास्तविक पूँजी हैं। एक सभ्य समाज के विभिन्न आयामों में विकास इस बात से भी निर्धारित होती है कि उस समाज में वरिष्ठजनों को कितना सम्मान एवं सुरक्षा प्राप्त है।

हमारी सरकार वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण, उनके उत्तम स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए निरंतर पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। प्रत्येक माह की 10वीं तारीख को सभी प्रकार के पेंशन योजना के लाभुकों के खाते में 1100/–रू0 प्रतिमाह भेजना सुनिश्चित किया जाना हमारे विभाग की संवेदनशीलता का ही परिचायक है।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस हमें याद दिलाता है कि हम सभी अपने वरिष्ठजनों के प्रति नैतिक एवं सामाजिक जिम्मेवारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन हेतु संकल्पित हों। मैं इस अवसर पर सभी वरिष्ठजनों के सुदीर्घ, स्वस्थ एवं गरिमापूर्ण जीवन की कामना करती हूँ। आशा है कि उनका आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन हमारे समाज को सही दिशा दिखाती रहेगी।

(डा0 श्वेता गुप्ता)
मंत्री,
समाज कल्याण विभाग, बिहार

PR No.- 012735 (SWD)D. 2026-27

बिहार सरकार

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस

(1 अक्टूबर, 2026)

संदेश

मुख्यमंत्री
बिहार

आज अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर मैं प्रदेश के सभी वरिष्ठ नागरिकों एवं बुजुर्गों के प्रति गहरी कृतज्ञता एवं आदर व्यक्त करता हूँ।

वरिष्ठजन हमारे समाज के अमूल्य धरोहर, मार्गदर्शक एवं परिवार के प्रकाश स्तंभ है। जीवन के लंबे अनुभवों से सिंचित उनका ज्ञान नई पीढ़ी के पथ प्रदर्शक का कार्य करती है। एक आदर्श और सभ्य समाज की पहचान उस समाज में बुजुर्गों के सम्मान, सुरक्षा एवं उनको दिये जाने वाले स्नेह से तय होती है।

हमारी सरकार वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं गरिमापूर्ण जीवन देने के लिए प्रतिबद्ध है। बुजुर्गों के लिए विभिन्न पेंशन योजनाएँ, स्वास्थ्य सुविधाएँ एवं विभिन्न सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम, संवेदनशीलता के साथ संचालित किये जा रहे हैं। इसी उद्देश्य से प्रत्येक माह की 10वीं तरीख को पेंशन की राशि 1100/– रू0 प्रतिमाह भेजी जा रही है ताकि उन्हें किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

मैं अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर समाज के सभी नागरिकों, विशेषकर युवा पीढ़ी से अपील करता हूँ कि वे अपने परिवार और समाज के वृद्धजनों की सेवा, सम्मान और उनकी देख–भाल को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बनाएँ। साथ ही सभी वरिष्ठ नागरिकों के उत्तम स्वास्थ्य, लंबी उम्र एवं सुखद जीवन की कामना करता हूँ।

(सम्राट चौधरी)

PR No.- 012737 (SWD) D. 2026-27

महिला और नवजात स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बिहार में बनेगा मजबूत नेटवर्क ऑफ केयर

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। कोई भी महिला स्वास्थ्य सेवाओं की कमी या समन्वय के अभाव के कारण पीछे न छूटेह्न इसी उद्देश्य के साथ एम्स पटना ने मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए मंगलवार को एक उच्चस्तरीय राउंडटेबल का आयोजन किया। ह्नवुमन फॉल्स थ्रू द गैपः बिल्डिंग ए नेटवर्क ऑफ केयर फ्रॉम प्री-प्रेग्नेंसी टू पोस्टनेटल पीरियडह्न विषय पर आयोजित इस संवाद में नीति-निमार्ताओं, चिकित्सकों, जनस्वास्थ्य विशेषज्ञों, स्वास्थ्यकर्मियों, पेशेवर संगठनों, सामुदायिक प्रतिनिधियों और विकास साझेदारों ने भाग लिया।

स्त्री रोग और प्रसूति में अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा के लिए जॉन्स हॉपकिंस कार्यक्रम यानी जापाइगो के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं को गर्भधारण से पहले की देखभाल से लेकर गर्भावस्था, प्रसव और प्रसव के बाद तक लगातार एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने पर चर्चा हुई। प्रतिभागियों ने उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की समय पर पहचान, सम्मानजनक मातृ देखभाल,

प्रसव के बाद फॉलो अप तथा रेफरल व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया।

भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अपर आयुक्त, मातृ स्वास्थ्य एवं टीकाकरण, डॉ. पवन कुमार ने स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतरता को महत्वपूर्ण बताते हुए उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की जल्द पहचान और प्रसव के बाद बेहतर निगरानी की आवश्यकता पर बल दिया।

बिहार सरकार के स्वास्थ्य विभाग के विशेष सचिव डॉ. त्यागराजन एस. एम ने दरभंगा में संचालित ह्नवंडरह्न यानी महिलाओं में प्रसूति एवं नवजात मृत्यु की समीक्षा और कमी पहल के अनुभव साझा किए। उन्होंने डिजिटल ट्रैकिंग, जोखिम की शुरूआती पहचान और समय पर रेफरल को मातृ स्वास्थ्य सेवाओं में देरी कम करने के लिए महत्वपूर्ण बताया।

कार्यक्रम में एम्स पटना और जापाइगो के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किया गया। इसके तहत मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य, शोध, क्षमता निर्माण, मिडवाइफरी और स्वास्थ्य क्षेत्र में नवाचार के लिए दोनों संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। समझौते पर एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल और जापाइगो इंडिया के कंट्री डायरेक्टर डॉ. अमित शाह ने हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल ने कहा कि ह्नकिसी भी महिला की जान इलाज में देरी, स्वास्थ्य सेवाओं के बीच समन्वय की कमी या स्वास्थ्य व्यवस्था में किसी अवसर के छूट जाने के कारण नहीं जानी चाहिए। हर महिला को सही समय पर, सही स्थान पर और सही स्वास्थ्य सेवा मिलनी चाहिए।ह्न

चर्चा में आशा, एएनएम, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों, आंगनवाड़ी कार्यकताओं, प्रसव सहायिकाओं और जीविका के सामुदायिक नेटवर्क की भूमिका पर भी जोर दिया गया। प्रतिभागियों ने प्रसव सहायिका आधारित प्रसव देखभाल इकाइयां और प्रसूति एवं मातृ देखभाल में प्रशिक्षित नर्स प्रैक्टिशनर्स को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी चर्चा की।

केरल के अनुभव साझा करते हुए डॉ. वी.पी. पायली, वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, केएफओजी ने मातृ मृत्यु की समीक्षा के लिए अपनाए जा रहे ह्ननो नेम, नो ब्लेमह्न दृष्टिकोण का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ऐसी समीक्षा का उद्देश्य दोष तय करना नहीं बल्कि कमियों से सीख लेकर स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करना होना चाहिए।

नीति विशेषज्ञ एवं पूर्व आईएएस अधिकारी डॉ. मनोहर अग्नानी ने प्रभावी रेफरल व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि महिला के साथ उसकी चिकित्सा संबंधी जानकारी, उपचार की जिम्मेदारी और फॉलो-अप की व्यवस्था भी आगे बढ़नी चाहिए। वहीं पीओजीएस की अध्यक्ष डॉ. प्रज्ञा मिश्रा चौधरी ने मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए सरकारी और निजी क्षेत्र के बीच मजबूत सहयोग की आवश्यकता बताई।राउंडटेबल से प्राप्त सुझावों को ह्नपटना डिक्लेरेशनह्न में शामिल किया जाएगा। इसका उद्देश्य बिहार में ऐसा नेटवर्क ऑफ केयर विकसित करना है जिसमें जोखिम की समय पर पहचान, गुणवत्तापूर्ण एवं सम्मानजनक देखभाल, बेहतर रेफरल और निरंतर फॉलो अप सुनिश्चित हो।कार्यक्रम के अंत में एम्स पटना, जापाइगो, जीविका, पिरामल फाउंडेशन, सरकारी संस्थानों और पेशेवर संगठनों ने मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक समन्वित, प्रभावी और महिला केंद्रित बनाने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

शिक्षिका आशा राय का विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

फतुहा। बुधवार को हाई स्कूल की शिक्षिका श्रीमती आशा राय का विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में विद्यालय परिवार के शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों ने उन्हें सम्मानित करते हुए उनके कार्यकाल के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए योगदान को याद किया।

इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य धर्मेंद्र कुमार ने श्रीमती आशा राय को फोटोयुक्त स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि श्रीमती आशा राय का विद्यालय के प्रति समर्पण, अनुशासन और विद्यार्थियों के प्रति उनका स्नेह हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन किया। उनके अनुभव और योगदान से विद्यालय परिवार को हमेशा प्रेरणा मिलती रहेगी। उपस्थित शिक्षकों एवं विद्यालय कर्मियों ने भी श्रीमती आशा राय को उपहार भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके स्वस्थ, सुखमय एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान शिक्षकों ने उनके साथ बिताए अनुभवों को साझा किया और विद्यालय के प्रति उनके योगदान की सराहना की। कार्यक्रम का मंच संचालन वरीय शिक्षक विद्याभूषण द्विवेदी ने किया। समारोह में बबीता गुप्ता, दयानंद यादव, अरविंद कुमार सिंह, साहिल सर, अली सर, लिपिक ठाकुर दिनेश कुमार सिंह, शिक्षक अजित कुमार एवं लिपिक गौरव राज सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। विदाई समारोह के दौरान विद्यालय का माहौल भावुक हो गया।

संक्षिप्त खबरें

नदी थाना पुलिस ने चोरी के लोहे और ट्रक पार्ट्स के साथ विधि-विरुद्ध बालक को किया निरुद्ध

फतुहा। नदी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए ट्रक-हाइवा को काटकर चोरी किए गए लोहे एवं ट्रक के पार्ट्स को टेम्पू में ले जाते हुए एक विधि-विरुद्ध बालक को निरुद्ध किया है। पुलिस ने मौके से टेम्पू रजिस्ट्रेशन नंबर को भी जब्त कर लिया। तलाशी के दौरान टेम्पू से चोरी का लोहा एवं ट्रक के विभिन्न पार्ट्स बरामद किए गए। पुलिस ने बरामद सामान और टेम्पू को जब्त कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में चोरी के सामान के स्रोत और इस घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है।

नदी थाना पुलिस ने उत्पाद कांड के प्राथमिकी अभियुक्त को किया गिरफ्तार

फतुहा। नदी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नदी थाना कांड संख्या 392/2026 (उत्पाद) के प्राथमिकी अभियुक्त मोनू कुमार सिंह (31 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त सुरेश सिंह का पुत्र है और ग्राम सबलपुर बंगाली टोला, थाना सोनपुर, छपरा का निवासी बताया गया है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

राजभाषा पखवाड़ा-2026 का हुआ समापन

दानापुर। खगौल रेल मंडल रेल प्रबंधक विनोद कुमार द्वारा 14 सितंबर 2026 को दीप प्रज्ज्वलित कर हिन्दी दिवस का शुभारंभ किया गया था।इसी क्रम में आज अधिकारियों के लिए क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक अभिनव सिद्धार्थ प्रथम, सुनील कुमार झा, सहायक सामग्री प्रबंधक, द्वितीय एवं विराज सिंह, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक को तृतीय पुरस्कार मिला।जिन्हें मंडल रेल प्रबंधक विनोद कुमार द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया इस विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं के अलावे मंडल रेल प्रबंधक विनोद कुमार की अध्यक्षता में मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया बैठक के दौरान अपने अध्यक्षीय संबोधन में समिति के अध्यक्ष एवं मंडल रेल प्रबंधक ने समिति के सदस्यों को निर्देशित किया की, वे अपने दैनिक काम-काज में सरल हिन्दी के शब्दों का प्रयोग करें तथा अंग्रेजी के प्रचलित शब्दों को देवनागरी हिन्दी लिपि मे लिखें लेकिन उस हिन्दी का अर्थ अपने मूल उद्देश्य से अलग न हो जाए । उन्होंने सदस्यों को निर्देशित किया कि आप अपने कार्यालयों में ई-ऑफिस में हिन्दी का प्रयोग अधिकाधिक करें।

बैठक को संबोधित करते हुए अपर मंडल रेल प्रबंधक इंफ्रा सह अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी राजीव कुमार ने विस्तार से पखवाड़े के दौरान हुए विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन की जानकारी दी।

राजभाषा प्रदर्शनी में हिन्दी में काम-काज के लिए रेल सुरक्षा बल को प्रथम, भंडार विभाग को द्वितीय एवं संरक्षा विभाग को तृतीय पुरस्कार से नवाजा गया।इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक इंफ्रा सह अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी राजीव कुमार एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक ओपी वीरेंद्र कुमार सहित सभी शाखा अधिकारी एवं रेलकर्मी मौजूद हुए।

कार्यक्रम का संचालन शेखर नाथ झा,राजभाषा अधिकारी ने किया।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर अन्नप्राशन एवं गोदभराई कार्यक्रम आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

फतुहा। प्रधानमंत्री जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा संकल्प अभियान (आंगन मिलन कार्यक्रम) के तहत बुधवार को फतुहा नगर परिषद क्षेत्र के मिजार्पुर नोहटा सूर्या मिल वार्ड संख्या-25 में सेविका मीनू कुमारी एवं वार्ड संख्या-26 में सेविका अंजनी सिन्हा के नेतृत्व में आंगनबाड़ी केंद्रों पर अन्नप्राशन एवं गोदभराई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं, वार्ड संख्या-15 की सेविका प्रियंका सिन्हा, वार्ड संख्या-23 की सेविका गीता देवी एवं पुष्पा कुमारी तथा वार्ड संख्या-24 की सेविका आशा देवी एवं सुजाता कुमारी को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष श्याम सुंदर केशरी, नगर महामंत्री ई. सुरजीत कुमार, भाजपा नेता अरविंद यादव, भाजपा नेत्री पूनम केसरी, पूनम यादव, पिंकी साहू, नगर उपाध्यक्ष सुनील वर्मा, नगर उपाध्यक्ष रंजना पटवा, ओबीसी महामंत्री कविंद्र तांती सहित कई लोग मौजूद रहे।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत फतुहा में सफाई कर्मियों के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

फतुहा। स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान के अंतर्गत 30 सितंबर 2026 को नगर परिषद फतुहा क्षेत्र में कार्यरत सफाई कर्मियों, स्वच्छता साथियों, सफाई पर्यवेक्षकों एवं जीविका से जुड़ी कार्यरत महिलाओं के लिए विशेष स्वास्थ्य एवं स्वच्छता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान सफाई कर्मियों एवं पर्यवेक्षकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। वहीं, नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले कर्मियों के उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए वार्ड पार्षद, स्वच्छता पदाधिकारी एवं सिटी मैनेजर द्वारा उन्हें प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। सफाई कर्मियों की कार्यस्थल पर सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी कर्मियों के बीच सुरक्षा किट का भी वितरण किया गया, ताकि वे आवश्यक सुरक्षा उपायों का पालन करते हुए सुरक्षित तरीके से अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें। इस अवसर पर नगर परिषद फतुहा की ओर से कहा गया कि शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में सफाई कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनके स्वास्थ्य, सम्मान और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से उनका उत्साहवर्धन किया जा रहा है।

गंगा प्रसाद और संजीव चौरसिया को राष्ट्रीय सूढ़ी महासभा का निमंत्रण

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। सिक्किम के पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद और दीघा विधायक संजीव चौरसिया को 2 अक्टूबर को आयोजित होने वाले राज्यस्तरीय सम्मान समारोह में शामिल होने का निमंत्रण दिया गया है।राष्ट्रीय सूढ़ी महासभा के कार्यक्रम संयोजक प्रह्लाद पूर्वे, कोषाध्यक्ष अजय महतो और राजेश कुमार ने पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद से मुलाकात कर उन्हें इस कार्यक्रम का औपचारिक निमंत्रण सौंपा। इसके साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने दीघा विधायक संजीव चौरसिया को भी आगामी 2 अक्टूबर को आयोजित होने वाले समारोह में बतौर अतिथि शामिल होने का न्योता दिया।

पटना में बाढ़ और बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत का कार्य मिशन मोड में, जिलाधिकारी ने दिए सख्त निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

पटना, 30 सितंबर 2026ः पटना जिले में बाढ़ एवं अत्यधिक वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त हुई सड़कों को दुरुस्त करने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। जिलाधिकारी कुंदन कुमार ने ग्रामीण कार्य, पथ निर्माण, एनएच, पुल निर्माण निगम और नगर निकायों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर सभी क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत मिशन मोड में करने के निर्देश दिए हैं।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि अगले एक सप्ताह तक जिले में सड़क मरम्मति और अनुरक्षण कार्य पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक क्षतिग्रस्त सड़कों की सूची बनाकर प्राथमिकता के आधार पर कार्य शुरू किया जाएगा।

बैठक के मुख्य बिंदुः

त्वरित मैकेनिज्मः सड़क क्षति की तत्काल सूचना, निरीक्षण और मरम्मति के लिए एक प्रभावी और जवाबदेह मैकेनिज्म तैयार करने का निर्देश दिया गया।अनुरक्षण और रोड एम्बुलेंसः गारंटी अवधि वाली सड़कों की मरम्मत संबंधित संवेदकों (ठेकेदारों) से कराने और पर्याप्त संख्या में ह्यरोड एम्बुलेंस तैनात करने का आदेश मिला।मेट्रो व गैस पाइपलाइन कार्यः खुदाई के बाद एजेंसियों को सड़कों की तत्काल और गुणवत्तापूर्ण मरम्मत करनी होगी। पटना मेट्रो को विशेष रूप से राजेंद्र नगर टर्मिनस के पास सड़क शीघ्र ठीक करने का निर्देश दिया गया।

सुरक्षा और सुविधाः पैदल यात्रियों के लिए फुट ओवर ब्रिज (ऋङइ) निर्माण हेतु स्थल चिन्हित करने और खराब एस्केलेटरों को तुरंत दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए।

अतिक्रमण और अवैध क्रॉसिंग पर कार्रवाईः एसपी ट्रैफिक श्री सागर कुमार ने हादसों को रोकने के लिए अनधिकृत क्रॉसिंग बंद करने, फुटपाथों को अतिक्रमणमुक्त कराने और सड़क पर वाहन या पेड़ गिरने से बाधित यातायात को तुरंत बहाल करने का निर्देश दिया।जिलाधिकारी ने अनुमंडल अधिकारियों को कार्यों का नियमित अनुश्रवण करने का निर्देश देते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण कार्य और सुगम आवागमन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में उप विकास आयुक्त श्री शुभम कुमार समेत सभी संबंधित विभागों के कार्यपालक अभियंता मौजूद रहे।

परिवार नियोजन सामग्रियों के लोजिस्टिक मैनेजमेंट पर एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का हुआ आयोजन

- प्रतिभागी मास्टर ट्रेनर के रूप में किए गए प्रशिक्षित
- प्रथम बैच में राज्य के 20 जिलों के अधिकारी एवं कर्मियों का हुआ उन्मुखीकरण
- राज्य स्वास्थ्य समिति एवं पीएसआई इंडिया के तत्वावधान में कार्यशाला का हुआ आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

पटना- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 27 अप्रैल 2026 से फॅमिली प्लानिंग लोजिस्टिक्स मैनेजमेंट इनफार्मेशन सिस्टम को केंद्रीय डीवीडीएमएस के साथ एकीकृत कर दिया गया है और निदेर्शानुसार राज्य में भी इसके लिए स्वास्थ्य अधिकारीयों एवं कर्मियों का उन्मुखीकरण प्रस्तावित है. इसी क्रम में बुधवार को पटना के शेखपुरा स्थित राजकीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में राज्य स्वास्थ्य समिति एवं पीएसआई इंडिया के तत्वावधान में एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया. यह कार्यक्रम जिलों को दो बैच में विभाजित कर किया जा रहा है. आज 20 जिलों के जिला अनुश्रवण एवं मुल्यांकन पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम समन्वयक एवं जिला औषधि भंडार के इंचार्ज ने उन्मुखीकरण कार्यशाला में शिरकत की. जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, परिवार नियोजन कार्यक्रम, डॉ. सरिता ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण के बाद उपस्थित प्रतिभागी मास्टर ट्रेनर के रूप में अपने-अपने जिलों के कर्मियों को प्रशिक्षित करेंगे. उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य परिवार नियोजन सामग्रियों का वैज्ञानिक तरीके से जिलों में रख रखाव एवं उपलब्धता सुनिश्चित करने में आसानी होगी. यह प्रशिक्षण केंद्रीय टीम द्वारा दिया गया. टीम की अगुआई डॉ. इंदु ग्रेवाल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की सहायक आयुक्त (असिस्टेंट कमिश्नर) ने की. टीम द्वारा प्रतिभागियों को पोर्टल पर काम करने की तकनीकी जानकारी और आवश्यक सुझाव दिए.

प्रथम बैच में शामिल जिलों में यथा गया, अरवल, औरंगाबाद, जहानाबाद, नवादा, जमुई, खगड़िया, मुंगेर, लखीसराय, शेखपुरा, बेगुसराय, पटना, कैमूर, रोहतास, नालंदा, भोजपुर, बक्सर, सारण, गोपालगंज और सिवान शामिल रहे.

15वीं संयुक्त राष्ट्र कांग्रेस में भारत ने न्याय सुधारों और वैश्विक विधिक साझेदारियों को प्रमुखता से प्रस्तुत किया

प्रातः किरण संवाददाता

पटना/नई दिल्ली।अबू धाबी में आयोजित अपराध निवारण और आपराधिक न्याय पर 15वीं संयुक्त राष्ट्र कांग्रेस में भारत ने आधुनिक, नागरिक-केंद्रित, प्रौद्योगिकी-सक्षम और वैश्विक रूप से जुड़ी न्याय प्रणाली का खाका पेश किया। केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने संयुक्त अरब अमीरात के न्याय मंत्री अब्दुल्ला सुल्तान बिन अवद अल नुआइमी के साथ बैठक में भारत की प्रौद्योगिकी-आधारित न्याय व्यवस्था, नए आपराधिक कानूनों और वैश्विक विधिक सहयोग पर चर्चा की।

सत्र को संबोधित करते हुए अर्जुन राम मेघवाल ने भारत के नए आपराधिक कानूनों–भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम–के साथ त्वरित न्याय, फोरेंसिक जांच और डिजिटल प्रक्रियाओं पर उनके ध्यान को रेखांकित किया। उन्होंने साइबर अपराध से निपटने के लिए भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (क्4उ) और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से धोखाधड़ी रोकने तथा त्वरित रिपोर्टिंग में भारत की डिजिटल प्रगति को सामने रखा।

आतंकवाद के प्रति शून्य-सहिष्णुता की नीति दोहराते हुए भारत ने मादक पदार्थों की तस्करी, अंतरराष्ट्रीय वन्यजीव अपराध, अवैध लकड़ी कटाई और संगठित अपराधों के खिलाफ वैश्विक सहयोग पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान वठडऊ की कार्यकारी निदेशक मोनिका जुमा के साथ भी बैठक हुई, जिसमें न्यायिक साझेदारी और संगठित अपराधों के खिलाफ रणनीतियों पर बातचीत की गई।

सम्मेलन में भारत-यूएई विधिक साझेदारी के तहत अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इंडिया इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन सेंटर (क्कअउ) और दुबई इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन सेंटर (उक्रअउ) के बीच यह सहयोग ज्ञान के आदान-प्रदान, प्रशिक्षण और डिजिटल विवाद समाधान तंत्र को मजबूत कर रहा है।

यह सहभागिता दशार्ती है कि भारत-यूएई रणनीतिक साझेदारी अब व्यापार, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और रक्षा के साथ-साथ कानून, न्याय और सुशासन के क्षेत्रों में भी विस्तृत हो गई है। आधुनिक डिजिटल दुनिया में प्रभावी न्याय के लिए तकनीक, मजबूत संस्थानों और सार्थक अंतरराष्ट्रीय सहयोग के प्रति भारत की प्रतिबद्धता पूरी तरह स्पष्ट होती है।

विद्युत भवन, पटना में टीडीएस व टीसीएस प्रावधानों एवं अनुपालन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

पटनाः आयकर विभाग द्वारा विद्युत भवन, पटना में टीडीएस/टीसीएस विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड के महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) अरविंद कुमार ने की।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य टीडीएस/टीसीएस से संबंधित कर प्रावधानों की बेहतर समझ विकसित करना, कर अनुपालन को सुदृढ़ करना तथा वित्तीय कार्यप्रणाली को अधिक सरल, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाना था।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आयकर आयुक्त, के.एल. कनक ने टीडीएस/टीसीएस से जुड़े महत्वपूर्ण एवं व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। इससे दैनिक कार्यालयी कार्य में कर अनुपालन एवं वित्तीय कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने टीडीएस/टीसीएस की आवश्यकता एवं महत्त्व, कर अनुपालन की प्रक्रिया, पारदर्शिता तथा वित्तीय प्रक्रियाओं से संबंधित विभिन्न प्रावधानों एवं व्यावहारिक विषयों पर प्रतिभागियों को मार्गदर्शन प्रदान किया।प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को टीडीएस/टीसीएस प्रावधानों के सही अनुपालन, वित्तीय लेन-देन में आवश्यक सावधानियों तथा कर संबंधी प्रक्रियाओं को व्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से संपादित करने से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी गई।कार्यक्रम में बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड एवं उसकी अनुषंगी कंपनियों की अकाउंट्स और फाइनेंस प्रशाखाओं के साथ क्षेत्रीय कार्यालय के कर्मियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया।

सहकारिता ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़, किसानों की समृद्धि का मजबूत आधार : डॉ. प्रेम कुमार

पटना। अपने अध्ययन दौरे के क्रम में मालदीव पहुंचे बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने बिस्कोमान बिहार-झारखंड की वार्षिक आमसभा को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि सहकारिता केवल आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि किसानों और ग्रामीण समाज को संगठित एवं आत्मनिर्भर बनाने का प्रभावी माध्यम है।उन्होंने कहा कि बिस्कोमान बिहार और झारखंड में कार्यरत प्रमुख बहुराज्यीय सहकारी संस्थाओं में से एक है। कृषि आदानों की उपलब्धता, उर्वरक वितरण, किसान सेवा केंद्रों, गोदामों एवं कोल्ड स्टोरेज के माध्यम से संस्था किसानों की आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने सहकारिता को नई गति देने के लिए अलग सहकारिता मंत्रालय बनाया है।

सहकार से समृद्धि के लक्ष्य के तहत पैक्स के कंप्यूटरीकरण, बहुउद्देशीय पैक्स, सहकारी भंडारण, कृषि विपणन और सहकारी संस्थाओं के आधुनिकीकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है।उन्होंने कहा कि बिहार में भी सहकारिता को प्राथमिकता दी जा रही है। हजारों पैक्स को डिजिटल एवं बहुउद्देशीय गतिविधियों से जोड़ा गया है। पैक्स के माध्यम से सीएससी, उर्वरक वितरण, पीएम किसान समृद्धि केंद्र, बैंकिंग सेवाएं और भंडारण जैसी गतिविधियों का विस्तार हो रहा है।

पूर्व मध्य रेल

निविदा सूचना

सं. डी.एन.आर./एस.एण्ड.टी./टेली/2026/9 दानापुर, दि. 26.09.2026

भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक (सिगनल एवं दूर संचार) पूर्व मध्य रेलवे, दानापुर मंडल, निम्नलिखित कार्य हेतु रेलवे के वेबसाइट पर निविदाएं आमंत्रित करते हैं :–

1. कार्य का नाम एवं स्थान : दानापुर डिवीजन के तहत कई स्टेशनों पर FOIS कनेक्टिविटी देने से जुड़े S&T के कार्य और पटना व दानापुर स्टेशनों पर 12 मीटर चौड़े FOBs बनाने से जुड़े टेलीकॉम के कार्य।, **2. अनुमानित लागत :** रूपये 23274668.08, **3. बयाना राशिः** रूपये 465500.00, **4. निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय :** दिनांक 21.10.2026 को 15:00 बजे तक। **5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :** दिनांक 21.10.2026 को 15:00 बजे। **6. वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in, 7. कार्यालय का पता, जहाँ से निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है :** वरीय मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियंता कार्यालय, दानापुर।

नोट : विवाद की स्थिति में अंग्रेजी नोटिस मान्य होगा। यदि जरूरत हुई तो शुद्धि पत्र उपरोक्त वेब साईट पर 14 दिन पहले अपलोड कर दिया जाएगा।

मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियंता
पूर्व मध्य रेल, दानापुर

पीआर/1033/डीएनआर/एसएण्डटी/टी/26–27/40

राज्यपाल ने 'नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन क्लाइमेट चेंज क्रॉसरोड्स' के उद्घाटन समारोह को किया संबोधित

जलवायु आपदाओं से निपटने में वैज्ञानिक तकनीक और जन-जागरूकता जरूरी : राज्यपाल

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों के बीच प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली जनहानि को कम करने के लिए वैज्ञानिक तकनीक, सटीक पूर्व चेतावनी और जन-जागरूकता को मजबूत करना जरूरी है। मौसम संबंधी चेतावनी तभी प्रभावी होगी, जब वह समय रहते समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और लोग उसके अनुरूप सुरक्षित व्यवहार अपनाएं। बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन ने ये बातें बुधवार को पटना के दशरथ मांझी श्रम एवं नियोजन संस्थान में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की ओर से आयोजित दो दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन क्लाइमेट चेंज क्रॉसरोड्स के उद्घाटन समारोह में कही। इस दो दिवसीय (30 सितंबर एवं 1 अक्टूबर) राष्ट्रीय सम्मेलन में पहले दिन जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों, चरम मौसमी घटनाओं, आपदा प्रबंधन, कृषि, जैव विविधता तथा मानव एवं पशु स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर देशभर से आए वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने मंथन किया।

राज्यपाल ने कहा कि बिहार की भौगोलिक परिस्थितियां उसे बाढ़, वज्रपात और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के प्रति संवेदनशील बनाती हैं। नेपाल से आने वाली नदियां और गंगा के मैदानी क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति राज्य के सामने अलग तरह की चुनौतियां खड़ी करती हैं।

भौगोलिक परिस्थितियों को बदला नहीं जा सकता, लेकिन वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक तकनीक, मजबूत पूर्व चेतावनी प्रणाली और जन-जागरूकता के माध्यम से आपदाओं के प्रभाव को काफी कम किया जा सकता है।

चेतावनी को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सबसे बड़ी चुनौती: वज्रपात को बिहार सहित पूर्वी भारत के कई राज्यों के लिए गंभीर चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि मौसम विभाग की ओर से अब काफी पहले बिजली गिरने की चेतावनी उपलब्ध कराई जा रही है, लेकिन इसे अंतिम व्यक्ति तक समय पर पहुंचाना सबसे बड़ी चुनौती है। लोगों को मौसम संबंधी चेतावनियों को गंभीरता से लेने और उसके अनुरूप सुरक्षित व्यवहार अपनाने के लिए लगातार जागरूक करना भी जरूरी है।

अन्य वक्ताओं ने भी सामूहिक प्रयास पर दिया जोर

भारत मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण कम समय में अत्यधिक बारिश जैसी चरम मौसमी घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने बताया कि ह्यमौसम मिशनह्ल के तहत वर्ष 2030 तक पूवार्नुमान की सटीकता में 10-15 प्रतिशत सुधार का लक्ष्य है तथा देश में मौसम रडार और स्वचालित मौसम केंद्रों का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने पूर्व चेतावनी तंत्र को और मजबूत करने की जरूरत बताई। केंद्रीय विश्वविद्यालय दक्षिण बिहार बोधगया के कुलपति डॉ. कामेश्वर नाथ सिंह ने जलवायु संकट से निपटने के लिए वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, नीति-निमार्ताओं और समाज के सभी वर्गों के सामूहिक प्रयास पर जोर दिया। इस सम्मेलन में युवा वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों की भागीदारी को भी विशेष महत्व दिया गया। डीपीएस की कक्षा 12 के विद्यार्थियों न्यासा, पार्थ और शांभवी ने जलवायु अनुसंधान पर अपनी प्रस्तुति राज्यपाल और विशेषज्ञों के समक्ष दी। सम्मेलन की शोध-सार पुस्तिका का अनावरण राज्यपाल एवं अन्य अतिथियों ने किया। सम्मेलन में प्रोफेसर एवं आईएमएस पटना चैप्टर के अध्यक्ष प्रधान पार्थ सारथी, मौसम विज्ञान केंद्र पटना के प्रमुख वैज्ञानिक आशीष कुमार सहित देशभर से आए वैज्ञानिक, शोधकर्ता और विशेषज्ञ शामिल हुए।

एनडीए के सभी घटक दल संयुक्त रूप से चलाएं अभियान : नीतीश

- नीतीश कुमार ने विधान परिषद् की आठ सीटों पर हो रहे स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र चुनाव का पार्टी नेताओं से लिया जायजा दिए जरूरी निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को 7, सर्कुलर रोड स्थित अपने आवासीय कार्यालय में पार्टी नेताओं से विधान परिषद् की आठ सीटों पर हो रहे स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र चुनाव का जायजा लिया और उन्हें जरूरी निर्देश दिए। इस दौरान जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चैधरी, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, मंत्री एवं विधायक दल के नेता श्रवण कुमार, विधान परिषद् में सत्तारूढ़. दल के उपनेता ललन सर्राफ, मुख्य सचेतक संजय गांधी, मंत्री अशोक चैधरी, मंत्री जमां खां, मंत्री श्वेता गुप्ता, विधायक दुलाल चंद्र गोस्वामी, विधायक ललित नारायण मंडल आदि उपस्थित रहे।

नीतीश कुमार ने पार्टी नेताओं से कहा कि सभी आठ सीटों पर एनडीए की जीत सुनिश्चित करने के लिए सभी घटक दल एक साथ चुनाव अभियान चलाएं। उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों ने पिछले दो दशकों में बिहार को बदलते देखा है।

हमलोगों का काम ही हमारी पूंजी है। लोगों के बीच पूरे विश्वास के साथ जाएं और उनके सुख-दुख के साथी बनें। इस दौरान उन्होंने एनडीए के सभी उम्मीदवारों को शुभकामनाएं भी दीं।

विधान परिषद् की सभी सीटों पर एनडीए की जीत सुनिश्चित : जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने कहा कि विधान परिषद् की सभी आठ सीटों पर एनडीए की जीत सुनिश्चित है। इस चुनाव में सभी मतदाता बौद्धिक वर्ग से आते हैं। वे अच्छी तरह समझ सकते हैं कि शिक्षा के क्षेत्र में एनडीए सरकार ने कितने कार्य किए हैं। हमारे नेता नीतीश कुमार ने शिक्षा को हमेशा अपनी प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर रखा है।

राज्य के बजट का सबसे बड़ा हिस्सा शिक्षा के लिए : उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चैधरी ने कहा कि बिहार सरकार के बजट का सबसे बड़ा हिस्सा शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत संरचनाओं के विकास और विभिन्न छात्रवृत्ति और प्रोत्साहन योजनाओं के लिए दिया जाता है।

हमलोगों ने एक ओर शिक्षकों की हर जरूरतों का ध्यान रखा है तो दूसरी स्नातकों के लिए राज्य में ही कई तरह के अवसर पैदा किए हैं।

दोनों कार्यक्रमों में अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित कर ऐतिहासिक रूप से सफल बनाएं : उमेश

जीविका के 20 साल बेमिसाल एवं फरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद कार्यक्रम को लेकर जदयू की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। आगामी 2 अक्टूबर को जदयू प्रदेश कार्यालय स्थित कर्पूरी सभागार में आयोजित होने वाले नीतीश संवाद-जीविका के 20 साल बेमिसाल तथा आगामी 9 अक्टूबर को आयोजित होने वाले फरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद कार्यक्रम की तैयारियों के निमित्त जदयू पटना महानगर की तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक में दोनों कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर पटना महानगर के नवनियुक्त पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र भी प्रदान किए गए। बैठक को संबोधित करते हुए उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि नीतीश संवाद-जीविका के बीस साल बेमिसालह्ल और फरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद पार्टी के महत्वपूर्ण कार्यक्रम हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने 20 वर्ष पूर्व जीविका कार्यक्रम की शुरूआत की थी और आज यह महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित हो चुका है 2 अक्टूबर को जीविका के 20 वर्ष पूरे हो रहे हैं और पार्टी की ओर से सभी जिलों में इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पटना महानगर द्वारा इस कार्यक्रम में अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित कर इसे सफल बानाया जाए तथा उत्सव के रूप में आयोजित नीतीश कुमार के प्रति आभार व्यक्त किया जाए। श्री कुशवाहा ने कहा कि फरक्का जल संधि के समय तत्कालीन यूपीए सरकार द्वारा बिहार के हितों की अनदेखी की गई। उन्होंने कहा कि चूंकि यह संधि दिसंबर में समाप्त हो रही है, इसलिए पार्टी की ओर से गंगा बेसिन से जुड़े. जिलों में फरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 9 अक्टूबर को पटना में यह कार्यक्रम आयोजित होगा।

विधान परिषद में सत्तारूढ़. दल के उपनेता ललन सर्राफ ने कहा कि नीतीश कुमार के कार्यों और उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाएं। बैठक में जदयू के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सह विधायक श्याम रजक, विधायक अरुण मांझी, प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी अरुण वर्मा, अंजुम आरा, प्रदेश महासचिव विनोद कुमार सिंह, ई रामचरित्र प्रसाद, युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष नीतीश पटेल एवं शोभा देवी उपस्थित रहीं। बैठक की अध्यक्षता राधेश्याम कुशवाहा ने की।

आधुनिक तकनीक से मखाना की खेती होगी आसान और अधिक लाभकारी : विजय

- पूर्णिया से पहली बार ग्रीस पहुँचा जीआई टैग प्राप्त मिथिला मखाना, बिहार के कृषि निर्यात को मिली नई उड़ान

प्रात : किरण संवाददाता

पटना/पूर्णिया। बिहार के कृषि इतिहास में आज एक गौरवशाली अध्याय जुड़ गया, जब कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अधीन कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण के सहयोग से जीआई टैग प्राप्त मिथिला मखाना की पहली व्यावसायिक खेप को माननीय कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने ऑनलाइन माध्यम से पूर्णिया से ग्रीस (यूरोप) के लिए रवाना किया। मिथिला मखाना की यह पहली व्यावसायिक खेप बिहार के मखाना किसानों, एफपीओ, निर्यातकों तथा राज्य के कृषि क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस अवसर पर कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि मखाना बिहार की सांस्कृतिक धरोहर के साथ-साथ हमारे किसानों की मेहनत और सामर्थ्य की पहचान है।

आज बिहार के खेतों और तालाबों से निकलकर मिथिला मखाना यूरोप के बाजार तक पहुँच रहा है। यह बिहार के कृषि उत्पादों की बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण है। इस कार्यक्रम में बिहार कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ दुनिया राम सिंह भी उपस्थित थे। कृषि मंत्री ने कुलपति को निदेश दिया कि मखाना की खेती को आधुनिक, आसान और अधिक लाभकारी बनाने के लिए कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विशेष रूप से शोध एवं अनुसंधान को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने कहा कि मखाना की खेती में किसानों की मेहनत और लागत को कम करने, उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने तथा आधुनिक तकनीकों और यंत्रीकरण को अपनाने की संभावनाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। मखाना किसानों को वैज्ञानिक तकनीक से जोड़कर खेती को अधिक सुविधाजनक और लाभकारी बनाना सरकार की प्राथमिकताओं है।

जदयू की नीतियों से प्रेरित होकर लोग पार्टी से जुड़ रहे हैं: श्रवण

- जदयू में शामिल हुए विनोद कुमार एवं दीपक कुमार

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। ग्रामीण विकास विभाग, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री सह जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार की उपस्थिति में समाजसेवी विनोद कुमार एवं दीपक कुमार ने मंगलवार को जदयू की सदस्यता ग्रहण की। दोनों नेताओं ने सर्वमान्य नेता एवं विकास पुरुष नीतीश कुमार की नीतियों और सिद्धांतों से प्रभावित होकर जदयू में शामिल होने का निर्णय लिया है। मौके पर मंत्री श्री कुमार ने दोनों का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि जदयू की विचारधारा, सुशासन, विकास और सामाजिक न्याय की नीतियों से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में लोग पार्टी से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि नए साथियों के जुड़ने से संगठन को और मजबूती मिलेगी तथा जनसेवा के कार्यों को नई ऊर्जा प्राप्त होगी। श्री श्रवण कुमार ने दोनों नवागंतुकों का स्वागत करते हुए उन्हें पार्टी की विचारधारा के अनुरूप जनता के बीच सक्रिय रहकर सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विधान परिषद के मुख्य सचेतक संजय सिंह उर्फ गांधीजी, प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी अंजुम आरा, प्रदेश महासचिव अनिल कुमार, बासुदेव कुशवाहा जी तथा पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में एनडीए घटक दलों के प्रदेश अध्यक्षों की बैठक, विधान परिषद चुनाव की तैयारियों पर हुआ मंथन

विधान परिषद की सभी आठ सीटों पर एकजुट होकर चुनाव लड़ेगा गठबंधन : सरावगी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार में विधान परिषद की आठ सीटों पर होने वाले आगामी चुनाव को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने अपनी तैयारियों को तेज कर दिया है। इसी क्रम में बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय, पटना में एनडीए के घटक दलों के प्रदेश अध्यक्षों एवं वरिष्ठ नेताओं की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में विधान परिषद चुनाव की तैयारियों, संगठनात्मक समन्वय, चुनावी रणनीति और घटक दलों के बीच बेहतर तालमेल को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, लोजपा (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार, राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के प्रदेश अध्यक्ष आलोक कुमार सिंह, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रो. डीएन सिन्हा, सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजीव चौरसिया तथा संजय गांधी सहित एनडीए के प्रमुख नेता मौजूद रहे। बैठक के दौरान आगामी विधान परिषद चुनाव को लेकर सभी घटक दलों की तैयारियों की समीक्षा की गई। नेताओं ने चुनाव में एनडीए की साझा रणनीति को प्रभावी ढंग से लागू करने, घटक दलों के संगठन के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने और कार्यकताओं के स्तर तक समन्वय को मजबूत करने को लेकर चर्चा की। साथ ही सरकार के विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यों को जनता तक पहुंचाने की रणनीति पर भी विचार किया गया। बैठक के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि एनडीए पूरी एकजुटता और मजबूती के साथ विधान परिषद चुनाव के मैदान में उतरने जा रहा है। घटक दलों के बीच बेहतर समन्वय, मजबूत संगठनात्मक तालमेल और साझा रणनीति के साथ चुनाव की तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए के सभी घटक दल मिलकर चुनाव लड़ेंगे और सभी उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत से काम करेंगे।सभी दलों के नेता और कार्यकर्ता साझा रणनीति के तहत चुनावी तैयारियों में जुटे हुए हैं।

इंडी एलायंस की बैठक हारे हुए नेताओं का मिलन समारोह : ऋतुराज

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। भाजपा के राष्ट्रीय संकुल प्रकोष्ठ के सह-संयोजक ऋतुराज सिन्हा ने इंडी एलायंस की बैठक पर तीखा तंज कसा है। उन्होंने इस बैठक को जनता से नकारे और हारे हुए नेताओं का मिलन समारोह करार दिया है। सिन्हा ने विपक्ष के इस गठबंधन को बिना किसी नीति और विजन का कुनबा बताया। ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि इस बैठक का देश या लोक-नीति से कोई सरोकार नहीं है। यह सिर्फ कांग्रेस के डूबते जहाज को सहारा देने और राहुल गांधी के विफल नेतृत्व को राजनीतिक ऑक्सीजन देने की एक और हताश कोशिश है। उन्होंने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि जब भी चुनाव नजदीक आते हैं, यह गठबंधन जनता के बीच जाने के बजाय अपनी नाकामी छुपाने का बहाना ढूंढने लगता है। विपक्ष चुनाव आयोग की संवैधानिक 'विशेष गहन संशोधन' प्रक्रिया और ईवीएम पर रोना रोने की अग्रिम बुकिंग कर लेता है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा मान्य लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को बदनाम करना अब विपक्ष का स्थायी एजेंडा बन चुका है। भानुमति के इस कुनबे में राजद के तेजस्वी यादव भी अपनी बची-खुची सियासी जमीन तलाश रहे हैं। सिन्हा ने कहा कि जिनके पास अपने राज्य के विकास के लिए कोई विजन नहीं बचा, वे अब दिल्ली में बैठकर देश सुधारने का ढोंग कर रहे हैं। तेजस्वी यादव की राजनीति केवल तुष्टिकरण के भरोसे टिकी है और यह बैठक बिहार में उनकी खिसकती साख को बचाने का आखिरी मौका मात्र है। उन्होंने अंत में कहा कि न तो कांग्रेस के पास कोई स्पष्ट नीति है और ना ही इंडी अलायंस में शामिल राजद जैसी क्षेत्रीय पार्टियों के पास कोई सही नीयत।

दुजरा चक आंगनबाड़ी केंद्र पर आँगन मिलन कार्यक्रम सम्पन्न

पटना। भाजपा द्वारा आहूत सेवा संकल्प अभियान के तहत आज पटना के गौतम बुद्ध मंडल अंतर्गत दुजरा चक आंगनबाड़ी केंद्र पर आँगन मिलन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिसमे राजयसभा सांसद डॉ भीम सिंह ने अपनी ओर से बच्चों के बीच स्कूली बैग, कॉपी, पेंसिल, चॉकोलेट, बिस्कुट आदि का वितरण किया। इस अवसर पर अन्नप्राशन स्वरुप डॉ भीम सिंह ने एक बच्चे अर्नब को एक चम्मच खीर खिलायी और खुशबु कुमारी नामक एक गर्भवती महिला की गोद भराई में साथ दिया डॉ सिंह ने केंद्र की सेविका शोभा देवी और सहायिका मंजू देवी को अंगवस्त्र तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में डॉ भीम सिंह के अलावे मण्डल अध्यक्ष अखिलेश कुमार लूलन, अजित शर्मा, मुन्ना जी, राजेश कुमार, रतन यादव, सोनी सुन्दरका, अमृता वर्मा आदि ने भाग लिया। बाद में एक वक्तव्य जारी कर डॉ भीम सिंह ने कहा कि बच्चे भारत रूपी बगिया के फूल हैं जो बड़े होकर अपने कर्तव्य तथा उपलब्धियों की खुशबू से दिग दिगंत सुवासित करेंगे।

भ्रम फैलाकर लोगों का भरोसा नहीं जीत सकता इंडी गठबंधन : राजीव

पटना। जदयू राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने जारी बयान में कहा कि इंडी गंठबंधन एसआईआर मुद्दे पर भ्रम फैलाकर देश की जनता का भरोसा जीतने में कामयाब नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि हकीकत ये है कि इंडी गठबंधन में एकजुटता नहीं है और इसमें शामिल दलों की अलग-अलग विषयों पर अपनी-अपनी राय है। बैठक से समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव एवं डीएमके और आम आदमी पार्टी के गायब रहने पर उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ह्यइस दिल के टुकडे.हजार हुए कोई यहां गिरा कोई वहां गिरा। इंडी गठबंधन की बैठक पर तीखा हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि इस गठबंधन में शामिल दलों के दोहरे राजनीतिक चरित्र को देश की जनता गंभीरता से देख रही है। जहां ये दल चुनाव जीतने में कामयाब होते हैं वहां चुनाव आयोग की प्रशंसा करने लगते हैं और जहां ये चुनाव हार जाते हैं वहां ये लोग चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने लगते हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में आंदोलन करने का सबको अधिकार है लेकिन जिन मुद्दों को उठाकर वो आंदोलन करना चाहते हैं उन मुद्दों पर उन्हें लोगों का समर्थन हासिल होना मुश्किल दिखाई देता है।

देश भर के जिलों में 2 अक्टूबर से आयोजित किया जाएगा सेव डेमोक्रेसी कार्यक्रम : एजाज

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के के नेता एजाज अहमद ने कहा कि इंडिया महागठबंधन की बैठक में चुनाव आयोग के खिलाफ आंदोलन और संघर्ष की जो रूपरेखा बनाई गई है। उसे लोकतंत्र और लोकतांत्रिक व्यवस्था को बचाने के लिए महात्मा गांधी के जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक सेव डेमोक्रेसी कार्यक्रम चलाया जाएगा। जो देश भर के सभी जिलों में आयोजित किया जाएगा। आगे बताया कि 6 अक्टूबर 2026 को लोकसभा और राज्यसभा के सांसद चुनाव आयोग के समक्ष सेव डेमोक्रेसी मार्च करेंगे। अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में महामहिम राष्ट्रपति से विपक्षी दलों के नेताओं के मिलने का कार्यक्रम तय किया गया है।

यूआईडीएआई ने आधार प्रमाणीकरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बिहार को 'स्टेट प्रगति अवार्ड'

- आधार प्रमाणीकरण में बिहार की धमक : नीतीश

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। सूचना प्रावैधिकी विभाग के मंत्री नीतीश मिश्रा ने बताया कि कोलकाता में 29 सितंबर को आयोजित 5वें आधार संवाद के अवसर पर भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा बिहार सरकार के सूचना प्रावैधिकी विभाग को आधार प्रमाणीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रतिष्ठित स्टेट प्रगति अवार्ड झ्र बेस्ट ऑथेन्टिकेशन टर्नअराउंड से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर यूआईडीएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सौरभ विजय, द्वारा बिहार के प्रदर्शन की विशेष सराहना की गई तथा बिहार को देशभर में बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट के रूप में मान्यता दी गई। यह सम्मान बिहार के लिए गौरव का विषय होने के साथ-साथ राज्य में डिजिटल सेवाओं के प्रभावी एवं सुगम क्रियान्वयन की दिशा में बिहार की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। श्री मिश्रा ने बताया कि बिहार में प्रतिदिन 5 लाख से अधिक आधार प्रमाणीकरण किए जा रहे हैं। इतने बड़े पैमाने पर आधार प्रमाणीकरण का प्रभावी एवं समयबद्ध निष्पादन राज्य में डिजिटल सेवाओं की पहुंच को सुदृढ़ करने के साथ-साथ नागरिकों के डिजिटल सेवा तंत्र के प्रति विश्वास को और भी मजबूत करता है।

यह सम्मान बिहार सरकार की नागरिक-केंद्रित, सुरक्षित, पारदर्शी एवं प्रभावी डिजिटल व्यवस्था के निर्माण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

बहादुरपुर को मिलेगा नया आवासीय स्वरूप, दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मिली मंजूरी

बहादुरपुर में विकास की नई इबारत, पुनर्विकास से होगा कायाकल्प : मंत्री

पटना। नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री नीतीश मिश्रा ने बताया कि बिहार राज्य आवास बोर्ड की बहादुरपुर, सेक्टर-6, पटना स्थित जर्जर आवासीय कॉलोनी के स्व-वित्तपोषित पुनर्विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिए एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन करने तथा योजना से संबंधित आवश्यक निर्णय लेने हेतु बिहार राज्य आवास बोर्ड को प्राधिकृत करने की स्वीकृति मंत्रिपरिषद द्वारा प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार बहादुरपुर, सेक्टर-5 में टीवी टावर के निकट बिहार राज्य आवास बोर्ड की लगभग 8.5 एकड़ भूमि पर स्व-वित्तपोषित परियोजना के विकास का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है। इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिए एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन करने तथा योजना से संबंधित आवश्यक निर्णय लेने हेतु बिहार राज्य आवास बोर्ड को प्राधिकृत करने की स्वीकृति मंत्रिपरिषद द्वारा दी गई है।

बुडको ने 03 करोड़ रुपए का चेक मुख्यमंत्री राहत कोष के लिये मुख्यमंत्री को सौंपा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार में आई बाढ़ के मद्देनजर प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड (बुडको) ने 03 करोड़ रुपए का चेक मुख्यमंत्री राहत कोष के लिये मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार में सौंपा। मुख्यमंत्री ने इस सहयोग के लिये बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड (बुडको) का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह राशि राज्य में आपदा एवं कठिन परिस्थितियों के समय जरूरतमंद लोगों की मदद में काम आएगी।

इस अवसर पर नगर विकास एवं आवास मंत्री नीतीश मिश्रा, विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह तथा बुडको के प्रबंध निदेशक अनिमेष कुमार परासर उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

सेवा ज्योति कलश यात्रा को ऐतिहासिक बनाने का सांसद ने किया आह्वान

दरभंगा। सेवा संकल्प महाअभियान के तहत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा सेतु अभियान एवं 7 अक्टूबर को आयोजित होने वाली सेवा ज्योति कलश यात्रा की तैयारी को लेकर भाजपा दरभंगा पश्चिमी की बैठक स्थानीय परिसदन में हुई। अध्यक्षता पार्टी के वरीय उपाध्यक्ष अभयानंद झा ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री सुजीत मल्लिक ने किया। बैठक में दोनों कार्यक्रमों की मंडलवार तैयारियों की समीक्षा की गई।सेवा ज्योति कलश यात्रा के संयोजक मुकेश महासेठ और सेवा सेतु अभियान के संयोजक कुमार गौरव ने तैयारियों की जानकारी दी। बैठक को संबोधित करते हुए सांसद सह लोकसभा में भाजपा के सचेतक डॉ. गोपाल जी ठाकुर ने कहा कि सेवा संकल्प महाअभियान के तहत 7 अक्टूबर को विभिन्न गांवों एवं क्षेत्रों में यात्रा निकालकर जनसेवा के 25 वर्षों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जाएगी। उन्होंने यात्रा को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा सेतु अभियान के तहत प्रत्येक विधानसभा एवं प्रखंड स्तर पर एक सप्ताह तक शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों के माध्यम से नागरिकों को केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का प्रयास होगा। बैठक में संतोष पोद्दार, राहुल पासवान, प्रेम कुमार मिश्र सहित जिला पदाधिकारी एवं मंडल अध्यक्ष मौजूद थे।

लूट, जानलेवा हमला व अपहरण के आरोपियों की जमानत खारिज

दरभंगा। दरभंगा न्यायालय की विभिन्न अदालतों ने लूट, जानलेवा हमला, नाबालिग के अपहरण एवं हत्या समेत अन्य मामलों में आरोपित कई अभियुक्तों की जमानत एवं अग्रिम जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं। लोक अभियोजक अमरेंद्र नारायण झा ने बताया कि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय कुमार शर्मा की अदालत ने सदर थाना कांड संख्या 290/26 में काराधीन आरोपी राजेश कुमार एवं रवि उर्फ रवि कुमार की जमानत अर्जी खारिज कर दी। दोनों पर बाजार समिति से खेसारी व मसूर बेचकर पिकअप से लौट रहे चालक व मजदूर के साथ धरमपुर मुक्तिधाम के निकट मारपीट कर लूटपाट करने का आरोप है।इसी अदालत ने सोनकी थाना कांड संख्या 109/26 में महिला पर जानलेवा हमला करने के नामजद आरोपी टिकापट्टी निवासी अजीत लालदेव, रंजन कुमार एवं उषा देवी की अग्रिम जमानत याचिका भी खारिज कर दी।प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश नीरज कुमार की अदालत ने विशनपुर थाना कांड संख्या 72/26 में नाबालिग लड़की के अपहरण के आरोपी जीतेंद्र कुमार उर्फ जीतेंद्र दास तथा बहेड़ी थाना कांड संख्या 121/25 के आरोपी सोनू मंडल की जमानत याचिका खारिज की।द्वितीय एडीजे संतोष कुमार पाण्डेय ने बहेड़ी थाना कांड संख्या 371/26 के आरोपी गणेश यादव, कमलेश्वरी देवी एवं सुमित्रा देवी की जमानत अर्जी खारिज की। वहीं एडीजे भूपेंद्र सिंह ने बहेड़ी थाना कांड संख्या 116/26 की आरोपी पिंकी देवी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी।

गांजा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, एक गिरफ्तार

मधुबनी। मादक पदार्थ के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मधुबनी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 102 किलोग्राम गांजा के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार बरामद गांजा की अनुमानित कीमत करीब 51 लाख रुपये है। कार्रवाई के दौरान गांजा परिवहन में प्रयुक्त एक कार और मोबाइल फोन भी बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान बासोपट्टी थाना क्षेत्र के मेहतरपट्टी निवासी बिनोद कुमार यादव, पिता स्व. लट्ठा यादव के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार 29 सितंबर की रात मधवापुर थाना की गश्ती टीम को सूचना मिली थी कि ब्रह्मपुरी गांव से एक कार के जरिए गांजा ले जाया जा रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने ब्रह्मपुरी गांव के समीप एनएच पर वाहन जांच शुरू की। इसी दौरान सामने से तेज गति से आ रही एक कार पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगी।

पुलिस बल की मदद से कार को रोककर चालक को पकड़ लिया गया। कार की तलाशी लेने पर डिक्की और सीट में छिपाकर रखे प्लास्टिक में सील किए गए आठ पैकेट बरामद हुए।

जांच के दौरान इन पैकेटों में कुल 102 किलोग्राम गांजा पाया गया। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में गिरफ्तार आरोपित ने गांजा नेपाल के धनुषा जिला निवासी कमलेश कुमार यादव से मिलने की बात बताई है।

अनुवाद से वैश्विक ज्ञान परंपरा को मिलती है नई दिशा

सीएम साइंस कॉलेज में वैश्विक एवं सांस्कृतिक सामर्थ्य विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

दरभंगा.सीएम साइंस कॉलेज के मानवीकी विभाग की ओर से बुधवार को अंतरराष्ट्रीय अनुवाद दिवस के अवसर पर ह्यसरहदों के पार : वैश्विक एवं सांस्कृतिक सामर्थ्यह्व विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। अध्यक्षता प्रधानाचार्य प्रो. संजीव कुमार मिश्र ने की। उन्होंने कहा कि अनुवाद के लिए स्रोत और लक्ष्य भाषा के मर्म के साथ उनकी संवेदना, सामाजिक संरचना और सांस्कृतिक सरोकारों को समझना आवश्यक है। अनुवाद के माध्यम से वैज्ञानिक एवं साहित्यिक उपलब्धियों को वैश्विक मंच तक पहुंचाया जा सकता है।

मुख्य अतिथि लंगट सिंह कॉलेज, मुजफ्फरपुर के हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. राजीव कुमार झा ने अनुवाद और ट्रांसलेशन के अर्थगत अंतर को स्पष्ट करते हुए भारतीय एवं वैश्विक ज्ञान परंपरा में अनुवाद की भूमिका पर प्रकाश डाला।मुख्य वक्ता मैथिली विभागाध्यक्ष डॉ. सत्येन्द्र कुमार झा ने विभिन्न विद्वानों की अनुवाद संबंधी अवधारणाओं की व्यावहारिक व्याख्या की तथा अनुवाद की राह में आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान पर चर्चा की।

स्वागत भाषण एवं विषय प्रवेश करते हुए संयोजक डॉ. युगेश्वर साह ने कहा कि अनुवाद भारतीय ज्ञान-परंपरा को संरक्षित कर पीढ़ी-दर-पीढ़ी पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। अनुवादक भाषायी एवं सांस्कृतिक सेतु का निर्माण करते हैं, जिससे वैश्विक शांति, पारस्परिक समझ और संवाद को बढ़ावा मिलता है।

कार्यक्रम का सम्यक संचालन अंग्रेजी विभाग की प्राध्यापिका डॉ ऋचा कुमारी ने बखूबी किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ युगेश्वर साह ने किया। मौके पर डॉ यू. के. दास, डॉ सुजीत कुमार चौधरी, डॉ संतोष कुमार, डॉ बी. डी. त्रिपाठी, डॉ शाकिर अहमद, डॉ अनित कुमार, डॉ ए. हरिनाथ, डॉ पूजा अग्रहरि, डॉ वरुण कुमार प्रभात, डॉ खालिद अनवर, डॉ अभय सिंह, डॉ अवध बिहारी यादव, डॉ अभिषेक शेखर, डॉ पंकज कुमार चौधरी, डॉ ओसेद आलम, डॉ अंशु सिन्हा, डॉ निधि झा, डॉ सुषमा रानी, डॉ विनीता सिंह, डॉ पांशु प्रतीक, डॉ गौतम साह, डॉ रश्मि रेखा आदि शिक्षकों ने जहाँ अपनी सहभागिता से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ायी। वहीं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों में डॉ प्रवीण कुमार झा, चेतकर झा, जय नारायण यादव, विकास कुमार, सुमित शर्मा, जरीना खातून, बलराम आदि ने सहयोग दिया.

नीतीश संवाद की तैयारियों का विधायक ईश्वर मंडल ने लिया जायजा

प्रातः किरण संवाददाता

दरभंगा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर आगामी 2 अक्टूबर को जदयू की ओर से आयोजित ह्यनीतीश संवाद : जीविका के 20 साल बेमिसाल कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं।

दरभंगा टाउन हॉल में होने वाले जिलास्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने जदयू जिलाध्यक्ष सह विधायक राजेश मंडल उर्फ ईश्वर मंडल बुधवार को कार्यक्रम स्थल पहुंचे। उन्होंने बैठने की व्यवस्था, मंच सज्जा, साउंड सिस्टम, चलंत शौचालय, पेयजल और सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण कर पदाधिकारियों व कार्यकताओं को आवश्यक निर्देश दिए।विधायक ईश्वर मंडल ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में जीविका ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था और महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके 20 वर्षों के सफर में बिहार की बड़ी संख्या में महिलाएं आत्मनिर्भर बनी हैं और परिवार एवं समाज के विकास में योगदान दे रही हैं।

उन्होंने कहा कि 2 अक्टूबर का कार्यक्रम व्यापक भागीदारी वाला होगा, जिसमें जीविका दीदियों, कार्यकताओं और आम नागरिकों की सहभागिता रहेगी।निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ नेता मदन प्रसाद राय, कमरे आलम, महानगर अध्यक्ष माधव झा सहित पार्टी के कई पदाधिकारी, प्रखंड अध्यक्ष तथा युवा व महिला प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता मौजूद थे।

2 अक्टूबर को पटना में जुटेगा सुड़ी समाज दरभंगा से बड़ी भागीदारी की तैयारी

प्रातः किरण संवाददाता

दरभंगा। आगामी 2 अक्टूबर को पटना के विद्यापति भवन में आयोजित होने वाले ह्यसुड़ी सम्मान समारोह 2026ह्व में दरभंगा से बड़ी संख्या में समाज के लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर बैठक आयोजित की गई। जिला संयोजक राकेश नायक की अध्यक्षता में हुई बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा की गई। दरभंगा सम्मान समारोह के संयोजक प्रहलाद पूर्वे ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

राकेश नायक ने कहा कि राष्ट्रीय सुड़ी महासभा के तत्वावधान में आयोजित समारोह में दरभंगा जिले से बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे। उन्होंने समाज के लोगों से 2 अक्टूबर को पटना पहुंचकर कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की।

प्रमंडलीय सह संयोजक अशोक नायक ने कहा कि समारोह के माध्यम से सुड़ी समाज को अति पिछड़ा वर्ग में शामिल करने की मांग सरकार के समक्ष उठाई जाएगी। उन्होंने कहा कि समाज शैक्षणिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से पिछड़ा है तथा आरक्षण एवं अधिकार की मांग को लेकर एकजुटता जरूरी है।

पार्षद सोनी पूर्वे ने कहा कि महिला, युवा और बुद्धिजीवी वर्ग भी बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल होंगे। वरिष्ठ समाजसेवी अरुण महतो ने ह्यपटना चलोह्व के आह्वान के साथ समाज से एकजुट होने की अपील की। बैठक में जवाहर पूर्वे, प्रदीप प्रधान, विजय कुमार, अरविन्द नायक, गणेश महथा, बबलू पंजियार, अमन महासेठ, विशाल महासेठ, रोहन पूर्वे सहित अन्य मौजूद थे।

मोटरसाइकिल की डिक्की से चोरी पांच लाख रुपये बरामद, आरोपी के घर से मिली रकम

प्रातः किरण संवाददाता

मनीगाछी (दरभंगा)। नेहरा थाना क्षेत्र में राजमिस्त्री की मोटरसाइकिल की डिक्की से चोरी किए गए पांच लाख रुपये का पुलिस ने चार दिनों के भीतर उद्भेदन करते हुए बरामद कर लिया। बुधवार को एसडीपीओ बेनीपुर वासुकी नाथ झा ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि वरीय अधिकारियों के निर्देश पर नेहरा थानाध्यक्ष मोती कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई थी। टीम में पुअनि अरुण कुमार एवं बीएचजी-301550 सबिरुल हसन खान शामिल थे।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के साथ तकनीकी एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों तथा मानवीय सूचना के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। जांच के दौरान घटना में कटिहार जिले के कोढ़ा थाना क्षेत्र के जुरावगंज निवासी प्रभु यादव के पुत्र रितिक कुमार की संलिप्तता सामने आई।

पुलिस टीम ने स्थानीय थाना के सहयोग से उसके घर पर छापेमारी की। हालांकि रितिक कुमार घर से फरार मिला। तलाशी के दौरान उसके बक्से से चोरी की पांच लाख रुपये की राशि बरामद हुई। पुलिस ने राशि को जब्त कर लिया है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई जारी है।

बताया गया कि 25 सितंबर को नमती गांव निवासी राजमिस्त्री सुबोध दास सकरी चीनी मिल स्थित एसबीआई शाखा से पांच लाख रुपये निकालकर घर लौट रहे थे। नेहरा लुल्हवा चौक पर मोटरसाइकिल खड़ी कर पेशाब करने के दौरान पीछे लगे चोरों ने डिक्की से रुपये निकाल लिए और फरार हो गए थे।

गीता भारतीय ज्ञान परंपरा का बीज-कोश : डॉ. रुद्रकांत अमर

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में ह्यश्रीमद्भगवद्गीता में भारतीय ज्ञान परंपरा के बीज तत्त्वह्व विषय पर एकल व्याख्यान आयोजित किया गया। अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. शिखर वासिनी ने की। मुख्य वक्ता पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. रुद्रकांत अमर तथा सम्मानित अतिथि पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. शिवानंद झा रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मातरम्, राष्ट्रगान एवं कुलगीत के गायन तथा दीप प्रज्वलन से हुआ। अतिथियों का पाग-चादर से अभिनंदन किया गया और स्मृति स्वरूप पौधा भेंट किया गया। स्वागत भाषण डॉ. प्रियंका राय ने दिया।

डॉ. शिवानंद झा ने कहा कि ज्ञान परंपरा केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि जीवन जीने की दृष्टि है। मुख्य वक्ता डॉ. रुद्रकांत अमर ने आत्मा की नित्यता, स्थितप्रज्ञता, निष्काम कर्म, ज्ञान-कर्म-भक्ति के समन्वय एवं समत्व-योग पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गीता किसी एक दर्शन की पुस्तक नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा का बीज-कोश है। इसमें उपनिषदों की आत्मविद्या, सांख्य का तत्त्वविवेक, योग की समत्व-दृष्टि और कर्म की लोकोपयोगिता का समन्वय है।

अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. शिखर वासिनी ने कहा कि दर्शन का उद्देश्य विचार को जीवन में उतारना है। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. संजीव कुमार साह ने किया। मंच संचालन ईशान कुमार ने किया। कार्यक्रम में शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रधान जिला जज ने किया उपकारा बेनीपुर का औचक निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

बेनीपुर (दरभंगा)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार अजय कुमार शर्मा ने बुधवार को उपकारा बेनीपुर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने काराधीन बंदियों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता एवं साप्ताहिक भोजन तालिका के अनुरूप भोजन मिलने की जानकारी ली। साथ ही बंदियों से उनकी समस्याओं और कारा व्यवस्था में सुधार के संबंध में भी पूछताछ की।

बंदियों ने पानी की उपलब्धता में सुधार की आवश्यकता बताई। इस पर प्रधान जिला जज ने काराधीक्षक को आवश्यक निर्देश दिए। बंदियों ने परिजनों से बातचीत के लिए टेलीफोन सुविधा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। उन्होंने काराधीक्षक को नियमानुसार इस दिशा में कार्रवाई करने का निर्देश दिया। प्रधान जिला जज ने कहा कि कानूनन बंदियों को परिजनों से मुलाकात एवं बातचीत का अधिकार है। इसके लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

उन्होंने महिला वार्ड, चिकित्सालय एवं विधिक सहायता केंद्र का भी निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही निःशुल्क विधिक सेवाओं की प्रगति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कारा में 262 पुरुष एवं 16 महिला बंदी संसिमित पाए गए।

मौके पर जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम ऋषि गुप्ता, एसीजेएम रौशन कुमार छापोलिया, उपकारा अधीक्षक वीरेंद्र कुमार राय, उपाधीक्षक विनोद कुमार एवं सहायक उपाधीक्षक अमितेश कुमार मौजूद थे।

नूरसराय में सूढ़ी समाज की बैठक आयोजित

राज्य स्तरीय सम्मेलन का मिला निमंत्रण

साहित्यकार नीरज सम्मानित

प्रातः किरण संवाददाता

नूरसराय (नालंदा)ः नूरसराय स्थित सन सिटी मैरिज उत्सव हॉल में सूढ़ी समाज की कार्यकारिणी बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नालंदा जिला अध्यक्ष सुदीश कुमार ने की।

बैठक में आगामी 2 अक्टूबर 2026 को पटना के विद्यापति मार्ग स्थित विद्यापति भवन में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय सूढ़ी सम्मान समारोह को सफल बनाने पर चर्चा की गई। राष्ट्रीय सूढ़ी महासभा के प्रतिनिधिमंडल में शामिल पूर्व विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) सुमन कुमार महासेठ, कार्यक्रम संयोजक प्रहलाद पूर्वे, कोषाध्यक्ष अजय महतो, जिला संयोजक रमेश गामी और ओम राज ने नालंदा जिला सूढ़ी समाज को इस कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

बैठक में 2 अक्टूबर के कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। नेताओं ने सूढ़ी समाज को बिहार सरकार द्वारा अति पिछड़ा वर्ग (एनेक्सचर-1) में शामिल करने की मांग पर जोर दिया। पूर्व एमएलसी सुमन कुमार महासेठ ने समाज को अति पिछड़ा वर्ग में शामिल किए जाने के लाभ और इसके सामाजिक-राजनीतिक महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

साहित्यकार का सम्मान

हिंदी दिवस के अवसर पर दिल्ली में हिंदी रत्न पुरस्कार से सम्मानित नालंदा के नीरज कुमार सिन्हा को समारोह में विशेष रूप से सम्मानित किया गया। पूर्व एमएलसी सुमन कुमार महासेठ ने उन्हें पाग और दुपट्टा भेंट किया, जबकि जिला अध्यक्ष सुदीश कुमार ने माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया।

सुदीश कुमार ने कहा कि यह उपलब्धि केवल एक व्यक्तिगत साहित्यिक सफलता नहीं है, बल्कि नालंदा जिला और पूरे बिहार के सूढ़ी समाज के लिए गर्व की बात है।

सम्मेलन की तैयारी

2 अक्टूबर को पटना में आयोजित कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए गिरियक, अस्थावां, राहुई, हरनौत, चंडी, माधोपुर, नगरनौसा, थरथरी, नूरसराय, सिलाव और खुदागंज समेत विभिन्न प्रखंडों से कार्यकारिणी सदस्य और ग्रामीण भाग लेंगे।

बैठक में शिवशंकर प्रसाद उर्फ टुन्नू, संदीप कुमार, मनीष कुमार, अरुण कुमार, मनोज कुमार, कलेशर साव, नीरज कुमार सिन्हा, धर्मजीत कुमार, अमित कुमार (भारतीय जीवन बीमा निगम), रजनीकांत, दिलीप कुमार, मुन्ना कुमार समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जिला स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। जिला स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता 2026-27 के दूसरे दिन बुधवार को हैंडबॉल, वॉलीबॉल, रग्बी, कबड्डी एवं योग सहित विभिन्न खेलों के मुकाबले हुए। खेल विभाग बिहार, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय प्रतियोगिता में सरकारी एवं निजी विद्यालयों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जिला खेल पदाधिकारी चंदन कुमार ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि प्रतियोगिता में जिले के खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। नियमित अभ्यास और बेहतर खेल भावना के साथ खिलाड़ी प्रमंडल स्तरीय प्रतियोगिता में भी बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।हैंडबॉल के अंडर-14 बालक वर्ग में नारायणा इंटरनेशनल स्कूल विजेता तथा श्री कृष्णा आइडियल पब्लिक स्कूल उपविजेता रहा। अंडर-17 में प्लस टू राजकीय जीएस हाई स्कूल कसरौर प्रथम और सेंटोबा इंटरनेशनल स्कूल द्वितीय रहा। अंडर-19 में पश्चिम कमला बांध स्कूल प्रथम और पुनहद की टीम द्वितीय रही। अंडर-14 बालिका वर्ग में प्लस टू यूएचएस धनौली विजेता और आर. मेमोरियल एकेडमी उपविजेता रही।

स्वच्छता ही सेवा 2026 अंतर्गत सफाई मित्र सुरक्षा एवं सम्मान शिविर का किया गया आयोजन

मनीगाछी(दरभंगा) । स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान के तहत बुधवार को प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार भवन में सफाई मित्र सुरक्षा एवं सम्मान शिविर का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। जिसमें लोगों की जांच के बाद दवाइयां भी उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने अपने-अपने पंचायत स्थल परिसर की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया।इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी संदीप कुमार पाण्डेय, प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी थे।

पूर्व मध्य रेल

(संकेत एवं दूरसंचार निर्माण)

ई–निविदा संख्या

एस एण्ड टी–सी–155

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मुख्य संकेत एवं दूर संचार अभियंता/निर्माण/पूर्व मध्य रेल/ महेंद्रूघाट/ पटना निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन ई–निविदा के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

ई–निविदा संख्या: एस एण्ड टी–सी–155

कार्य का नाम: पूर्व मध्य रेलवे के समस्तीपुर मंडल में सीतामढ़ी, रिगा, रक्सौल और नरकटियागंज स्टेशनों पर वितरित इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम (इनडोर और आउटडोर) (एक सेंट्रलाइज्ड+दो एंड केबिन) का डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग, सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग, साथ ही टेलीकॉम का काम।, **अनुमानित लागत:** रूपया 82,28,85,040.01, **अमानत राशि:** रूपया 1,64,57,700.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** शून्य, **कार्य निस्पादित करने का समय:** 36 महीना, **ई निविदा ऑनलाइन जमा करने का अंतिम दिन एवं समय:** 21.10.2026 को 13.00 बजे तक, विस्तृत निविदा सूचना एवं दस्तावेज भारतीय रेल की वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर देखने के लिए उपलब्ध है।

उप मुख्य संकेत एवं दूर संचार अभियंता/निर्माण/उत्तर महेन्द्रूघाट

पीआर/1030/सीएन/एन/एमएचएक्स/एसएण्डटी/टी/26–27/36

पूर्व मध्य रेल

(संकेत एवं दूरसंचार निर्माण)

ई–निविदा संख्या

ECR-S&T-CON-EPC-01-26-27

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मुख्य संकेत एवं दूर संचार अभियंता/निर्माण/पूर्व मध्य रेल/ महेंद्रूघाट/ पटना निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन ई–निविदा के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

ई–निविदा संख्या: ECR-S&T-CON-EPC-01-26-27

कार्य का नाम: पूर्व मध्य रेलवे के समस्तीपुर मंडल में नरकटियागंज–रक्सौल–सीतामढ़ी–दरभंगा और सीतामढ़ी–मुजफ्फरपुर सेक्शन (कुल लगभग 247 किमी) के दोहरीकरण (Doubling) के काम के सिलसिले में 23 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम (इनडोर और आउटडोर) और टेलीकॉम के काम के लिए इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (EPC)– जिसमें सिग्नलिंग और टेलीकॉम का डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग, सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग शामिल है।, **अनुमानित लागत:** रूपया 441,56,62,065.63, **अमानत राशि:** रूपया 8,83,13,300.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** शून्य, **कार्य निस्पादित करने का समय:** 36 महीना, **ई निविदा ऑनलाइन जमा करने का अंतिम दिन एवं समय:** 22.01.2027 को 11.00 बजे तक, **विस्तृत निविदा सूचना एवं दस्तावेज भारतीय रेल की वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर देखने के लिए उपलब्ध है।**

उप मुख्य संकेत एवं दूर संचार अभियंता/निर्माण/उत्तर महेन्द्रूघाट

पीआर/1031/सीएन/एन/एमएचएक्स/एसएण्डटी/टी/26–27/40

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

गंडक नदी में बढ़ते जलस्तर को लेकर जिला प्रशासन चौकस, अधिकारी लगातार कर रहे कैम्प

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर नेपाल में गंडक नदी के जलग्रहण क्षेत्रों में विगत दिनों में अतिवृष्टि के कारण गंडक नदी में अत्यधिक जलस्राव के मद्देनजर ज़िलाधिकारी, कुमार गौरव क्षेत्रों में पुलिस अधीक्षक, नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन एवं अन्य अधिकारियों के साथ लगातार कैम्प कर रहे हैं तथा राहत एवं बचाव कार्यों का अनुश्रवण कर रहे हैं। उनके निदेश पर अनुमंडल पदाधिकारी; अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी; कार्यपालक अभियंता, जल संसाधन विभाग, अंचल अधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अन्य अधिकारी भी क्षेत्रों में लगातार सक्रिय हैं तथा एसओपी के अनुसार आवश्यक कार्य कर रहे हैं। जिलाधिकारी ने अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन को एनडीआरएफ, एसडीआरएफ टीम को सक्रिय रखने, आवश्यकतानुसार प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने, अंचल अधिकारियों के माध्यम से निर्धारित मापदंडों के अनुरूप कम्युनिटी किचन चलाने, पॉलीथिन शीट्स का वितरण सहित राहत एवं बचाव से संबंधित सभी कार्यों को बेहतर एवं त्रुटिहीन तरीके से संचालित कराने का निर्देश दिया है। ज़िलाधिकारी ने आज सबसे पहले साहेबगंज प्रखंड में तिरहुत बाँध का निरीक्षण किया तथा तटबंध की सुरक्षा का जायजा लिया। उन्होंने हुस्सेपुर में स्थानीय लोगों एवं जन प्रतिनिधियों से भी संवाद स्थापित किया तथा उनका सुझाव एवं फीडबैक लिया। जिलाधिकारी ने अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन को यहाँ के प्रभावित लोगों के बीच शीघ्र पॉलीथिन शीट्स का वितरण एवं कम्युनिटी किचन संचालित कराने का निर्देश दिया। ज़िलाधिकारी द्वारा पारू में राहत एवं बचाव कार्यों का

निरीक्षण किया गया। उनके निदेश पर जयमल डुमरी में लोगों की सहायता हेतु एनडीआरएफ की टीम को तुरंत भेजा गया। ज़िलाधिकारी ने अधिकारियों को मौके पर रहकर राहत एवं बचाव कार्य चलाने का निर्देश दिया।जिलाधिकारी ने कहा कि नेपाल के तराई क्षेत्र में गंडक नदी के जलग्रहण क्षेत्र में भारी वर्षा के कारण अभी नदियों में जल स्तर अधिकतम है। इसके आलोक में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। किसी भी स्थिति से निपटने हेतु जिला प्रशासन पूर्णतः तैयार है। लोग पैनिक न हों लेकिन सजग एवं सतर्क रहें। संपूर्ण आपदा प्रबंधन तंत्र आपकी सहायता हेतु तत्पर है। आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार सभी व्यवस्था की गई है। एनडीआरएफ/एसडीआरएफ की टीम अलर्ट है। तटबंधों की लगातार निगरानी की जा रही है। आवश्यकतानुसार मरम्मती एवं सुदृढ़ीकरण कार्य किया जा रहा है। कार्यपालक अभियंता, जल संसाधन विभाग को सजग एवं सक्रिय होकर स्थिति के अनुरूप कार्य करने का निर्देश दिया गया है। क्षेत्रीय अधिकारियों को आम जनता से नियमित संवाद स्थापित करने एवं फीडबैक लेने तथा स्थिति के अनुसार तुरंत रिस्पॉन्ड करने का निदेश दिया गया है। ज़िलाधिकारी द्वारा सीमावर्ती जिलों के ज़िलाधिकारियों से भी लगातार सम्पर्क एवं समन्वय स्थापित किया जा रहा है ताकि आवश्यकतानुसार लोगों को नजदीकतम सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया जाए।जिलाधिकारी ने कहा कि नदियों में जल-स्तर अभी पीक पर है। इसमें जल्द ही कमी आएगी।अधिकारियों को निदेश दिया गया है कि नदियों के जल-स्तर, मौसम विभाग द्वारा दी जा रही सूचनाओं तथा वर्षापात के आंकड़ों पर लगातार नजर रखें। एसओपी के अनुसार क्षेत्रीय पदाधिकारी यथा अंचलाधिकारी, थाना प्रभारी, अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी तुरंत रिस्पॉन्ड करेंगे। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सम्पूर्ण प्रशासनिक तंत्र सजग, सक्रिय एवं तत्पर रहे।जिलाधिकारी ने कहा कि विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों को आपस में समन्वय स्थापित कर मिशन मोड में काम करने का निदेश दिया गया है। उन्होंने कहा कि बाढ़ आने की स्थिति में प्रभावितों के जान-माल की सुरक्षा एवं ससमय राहत पहुँचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जल संसाधन विभाग, स्वास्थ्य, कृषि, पशुपालन, पी. एच.ई.डी., पंचायती राज विभाग, ग्रामीण विकास विभाग सहित संबंधित सभी विभागों के पदाधिकारी आपस में सुदृढ़ समन्वय तथा सार्थक संवाद स्थापित रखें एवं परिस्थिति के अनुसार त्वरित गति से कार्य करें। जिलाधिकारी ने लोगों से आह्वान करते हुए कहा है कि किसी भी प्रकार के अफवाह पर ध्यान न दें। अपुष्ट, अप्रामाणिक एवं भ्रामक सूचनाओं को प्रसारित न करें।

चक्रवाती तूफान से प्रभावित परिवार को मुआवजा देने की मांग

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का जांच दल कुढनी प्रखंड के खरौना डीह में बीते 26 सितम्बर को चक्रवाती तूफान से सेमल तथा कटहल का पेड़ गिरने से ध्वस्त मकान तथा गंभीर रूप से जख्मी नरेश पासवान, पत्नी सावित्री देवी तथा पुत्र सत्यम कुमार से मुलाकात करने एसकेएमसीएच, मुजफ्फरपुर तथा खरौना डीह गाँव में जाकर स्थिति का जायजा लिया। चक्रवाती तूफान के कारण घर पर बड़ा पेड़ गिरने से नरेश पासवान का दो घर पूरी तरह ध्वस्त हो गया तथा घर में मौजूद नरेश पासवान, सावित्री देवी तथा सत्यम कुमार बुरी तरह जख्मी हो गया। जांच दल ने प्रशासन से आपदा पीड़ित परिवार को प्रधानमंत्री आवास योजना से घर बनाने तथा घायलों को चिकित्सा उपलब्ध कराने की मांग की है। जांच दल में पार्टी के जिला सचिव रामकिशोर झा, अंचल सचिव अजित कुमार तथा नवीन कुमार झा शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत डोर-टू-डोर अभियान तेज

मुजफ्फरपुर। पूर्वी विद्युत प्रमंडल द्वारा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं अधिकाधिक उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर से जोड़ने हेतु विशेष डोर टू डोर अभियान चलाया जा रहा है।इस अभियान के तहत प्रखंड, शाखा, सेक्शन एवं सब-डिवीजन स्तर के सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को प्रतिदिन उपभोक्ताओं के घर जाकर योजना की जानकारी देने हेतु प्रशिक्षित एवं निर्देशित किया गया है।

तीन रात बंद रहेगी रामदयालु गुमटी, रात 10 से सुबह 6 बजे तक वाहनों का आवागमन रहेगा बंद

मुजफ्फरपुर। शहर के रामदयालुनगर रेलखंड स्थित समपार संख्या-07 स्पेशल यानी रामदयालु गुमटी पर रेलपथ मरम्मत कार्य के चलते तीन रात सड़क यातायात पूरी तरह बंद रहेगा। रेल प्रशासन द्वारा स्लीपर बदलने, रेलपथ की मरम्मत और ओवरहालिंग का कार्य कराया जाएगा। जानकारी के अनुसार 30 सितंबर/1 अक्टूबर, 1/2 अक्टूबर और 2/3 अक्टूबर की रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक रामदयालु गुमटी से वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। इस दौरान रामदयालु की ओर से शहर आने-जाने वाले वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्ग का इस्तेमाल करना होगा। गुमटी बंद रहने के दौरान वाहन चालक खबड़ा रेल फाटक, मझौलिया रेल फाटक और गोबरसही रेल फाटक के रास्ते आवागमन कर सकेंगे। इन वैकल्पिक मार्गों के इस्तेमाल से रामदयालु गुमटी पहुंचकर रास्ता बंद मिलने की परेशानी से बचा जा सकेगा। हालांकि, रात के समय इन मार्गों पर वाहनों का दबाव बढ़ने की संभावना है। रेल प्रशासन के अनुसार समपार संख्या-07 पर सुरक्षा के दृष्टिकोण से स्लीपर बदलने और रेलपथ की मरम्मत का कार्य आवश्यक है। जरूरत पड़ने पर समपार संख्या-06 स्पेशल को भी वैकल्पिक मार्ग के रूप में तैयार रखा जाएगा।गुमटी बंद रहने के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दंडाधिकारी और सशस्त्र पुलिस बल की तैनाती का अनुरोध किया गया है।प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि रात में यात्रा से पहले वैकल्पिक मार्ग की योजना बना लें।

बेनीबाद थाना परिसर में घुसा बाढ़ का पानी

मुजफ्फरपुर।बागमती नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण बेनीबाद थाना परिसर में भी बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है।थाना परिसर में पानी जमा होने से पुलिसकर्मियों के साथ-साथ वहां रखे जब्त वाहनों की परेशानी बढ़ गई है। कई जब्त गाड़ियां पानी में डूबी नजर आ रही हैं। लगातार बढ़ रहे जलस्तर के कारण परेशानी हुआ है।पुलिसकर्मियों को आवश्यक कार्यों के लिए मुश्किलो का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, जब्त वाहनों के पानी में डूबने से उनके क्षतिग्रस्त होने की आशंका भी बनी हुई है। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए थाना परिसर और आसपास के इलाकों में प्रशासन की निगरानी बढ़ा दी गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार बागमती का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे क्षेत्र में बाढ़ का संकट गहराता जा रहा है।

एसकेएमसीएच ओपी क्षेत्र में बाइक चोरी का उद्भेदन, दो गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। एसकेएमसीएच ओपी क्षेत्र में हुई मोटरसाइकिल चोरी के मामले का पुलिस ने सफल उद्भेदन करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपितों के कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिलें बरामद की हैं।पुलिस के अनुसार, 29 सितंबर 2026 को एसकेएमसीएच ओपी क्षेत्र में मोटरसाइकिल चोरी करते हुए मोतीपुर थाना क्षेत्र निवासी निरंजन सहनी को गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में एसकेएमसीएच ओपी में कांड दर्ज किया गया। पूछताछ में निरंजन ने पुलिस को बताया कि चोरी की मोटरसाइकिलों की खरीद-बिक्री कबाड़ की दुकानों के माध्यम से की जाती है। इस सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने संबंधित कबाड़ दुकान पर छापेमारी की। वहां से मोतीपुर थाना क्षेत्र निवासी नितेश कुमार को एक अन्य चोरी की मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया।पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार निरंजन सहनी का पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ अहियापुर थाना, एसकेएमसीएच ओपी में मोटरसाइकिल और टोटो चोरी के3 मामले दर्ज हैं।

नाबालिग के अपहरण मामले में आरोपी दोषी करार,14 अक्टूबर को सजा पर फैसला

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले की विशेष पॉक्सो कोर्ट-1 ने कटरा थाना क्षेत्र की नाबालिग लड़की के अपहरण मामले में आरोपी मो. सैफ अली उर्फ बउवाजी को दोषी करार दिया है। विशेष न्यायाधीश धीरेंद्र मिश्रा की अदालत ने मामले की सुनवाई पूरी करने के बाद यह फैसला सुनाया। दोषी युवक हथौड़ी थाना क्षेत्र के खानपुर गांव का निवासी है। अदालत ने सजा की अवधि निर्धारित करने के लिए 14 अक्टूबर की तिथि तय की है। मामला कटरा थाना क्षेत्र का है। नाबालिग छह मई को

किसी काम से घर से निकली थी, जिसके बाद वह लापता हो गई। काफी खोजबीन के बाद भी सुराग नहीं मिलने पर उसकी मां ने नौ मई को कटरा थाने में आरोपी के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई। बरामदगी के बाद पीड़िता ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि आरोपी उसे शादी का झांसा देकर ट्रेन से दिल्ली ले गया था। प्राथमिकी दर्ज होने और पुलिस के दबाव के बाद आरोपी उसे वापस लाकर छोड़ गया था। मामले की सुनवाई के दौरान विशेष लोक अभियोजक पॉक्सो नरेंद्र कुमार ने अभियोजन पक्ष की ओर से दलीलें पेश कीं। अभियोजन ने अदालत में पांच गवाह प्रस्तुत किए। अनुसंधान के बाद पुलिस ने 28 जुलाई को आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और अपहरण से संबंधित धाराओं में आरोप पत्र दाखिल किया था। गवाहों के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों के परीक्षण के बाद अदालत ने आरोपी को दोषी करार दिया।

स्कूल-कॉलेजों के आसपास पुलिस दीदी की गश्त शुरू

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। छात्राओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस की ओर से स्कूल, कॉलेज एवं कोचिंग संस्थानों के आसपास लगातार निगरानी और गश्त की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस दीदी द्वारा शैक्षणिक संस्थानों के आसपास असामाजिक तत्वों और संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा रही है। गश्त के दौरान पुलिस दीदी छात्राओं से संवाद कर उनकी समस्याओं और सुझावों की जानकारी ले रही हैं। साथ ही छात्राओं को सुरक्षा से जुड़े आवश्यक उपायों और सतर्कता के बारे में जागरूक किया जा रहा है। पुलिस की इस पहल का उद्देश्य छात्राओं के लिए सुरक्षित एवं भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, छात्राओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए शैक्षणिक संस्थानों के आसपास निगरानी और संवाद की गतिविधियां लगातार जारी रहेंगी। सुरक्षित वातावरण और सशक्त बेटियां के उद्देश्य से पुलिस दीदी की यह पहल छात्राओं में सुरक्षा की भावना मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मुशहरी में बिहार-झारखंड की बच्चियों के क्रिकेट मैच का हुआ उद्घाटन

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मुशहरी प्रखंड में बुधवार को ईटीसी स्पोर्ट्स क्लब के तत्वावधान में बिहार और झारखंड की बच्चियों के बीच क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। मैच का उद्घाटन उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। इस दौरान खिलाड़ियों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। उद्घाटन कार्यक्रम में मुशहरी थानाध्यक्ष सुबोध कुमार मेहता, रोहुआ पैक्स अध्यक्ष ब्रजेन्द्र शर्मा, वार्ड संख्या-49 की पार्षद पिंकी शाह सहित आदर्श, अजीत और अखिलेश मौजूद रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उनका उत्साहवर्धन किया। अतिथियों ने कहा कि बेटियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर मिलना जरूरी है। ऐसे आयोजनों से ग्रामीण क्षेत्र की बच्चियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच मिलता है और उनमें आत्मविश्वास भी बढ़ता है। आयोजकों ने बताया कि ईटीसी स्पोर्ट्स क्लब की ओर से इस तरह के आयोजनों का उद्देश्य बच्चियों को खेल के प्रति प्रोत्साहित करना और उनकी प्रतिभा को आगे लाना है। बिहार और झारखंड की खिलाड़ियों के बीच हुए इस मुकाबले को लेकर खेलप्रेमियों में भी उत्साह रहा।

नाबालिग के अपहरण मामले में आरोपी दोषी करार,14 अक्टूबर को सजा पर फैसला

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले की विशेष पॉक्सो कोर्ट-1 ने कटरा थाना क्षेत्र की नाबालिग लड़की के अपहरण मामले में आरोपी मो. सैफ अली उर्फ बउवाजी को दोषी करार दिया है। विशेष न्यायाधीश धीरेंद्र मिश्रा की अदालत ने मामले की सुनवाई पूरी करने के बाद यह फैसला सुनाया। दोषी युवक हथौड़ी थाना क्षेत्र के खानपुर गांव का निवासी है। अदालत ने सजा की अवधि निर्धारित करने के लिए 14 अक्टूबर की तिथि तय की है। मामला कटरा थाना क्षेत्र का है। नाबालिग छह मई को किसी काम से घर से निकली थी, जिसके बाद वह लापता हो गई। काफी खोजबीन के बाद भी सुराग नहीं मिलने पर उसकी मां ने नौ मई को कटरा थाने में आरोपी के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई। बरामदगी के बाद पीड़िता ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि आरोपी उसे शादी का झांसा देकर ट्रेन से दिल्ली ले गया था। प्राथमिकी दर्ज होने और पुलिस के दबाव के बाद आरोपी उसे वापस लाकर छोड़ गया था। मामले की सुनवाई के दौरान विशेष लोक अभियोजक पॉक्सो नरेंद्र कुमार ने अभियोजन पक्ष की ओर से दलीलें पेश कीं। अभियोजन ने अदालत में पांच गवाह प्रस्तुत किए। अनुसंधान के बाद पुलिस ने 28 जुलाई को आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और अपहरण से संबंधित धाराओं में आरोप पत्र दाखिल किया था। गवाहों के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों के परीक्षण के बाद अदालत ने आरोपी को दोषी करार दिया।

कृषि विश्वविद्यालय में हिन्दी चेतना माह का हुआ समापन, कार्यालय के कार्यों में हिन्दी के अधिकाधिक प्रयोग का संकल्प

मुजफ्फरपुर। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय में हिन्दी चेतना माह-2026 का समापन समारोह बुधवार को विद्यापति सभागार में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। विकसित भारत अभियान के दृष्टिकोण को समाहित करते हुए आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुई। कार्यक्रम में वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा के पूर्व कुलपति डॉ. धर्मेंद्र तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. पी. एस. पाण्डेय ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. धर्मेंद्र तिवारी ने कहा कि हिन्दी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक एकता और राष्ट्रीय स्वाभिमान की पहचान है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम ज्ञान, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में हिन्दी का अधिक से अधिक उपयोग करें। कृषि जैसे विषय को जब हम हिन्दी में किसानों तक पहुंचाते हैं, तो वह अधिक प्रभावी होता है। विश्वविद्यालयों को राजभाषा के प्रचार-प्रसार में अग्रणी भूमिका निभानी होगी।उन्होंने कहा कि हिन्दी ने स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आज तक देश को जोड़ने का कार्य किया है और विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए हिन्दी को सशक्त करना जरूरी है। अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति डॉ. पी. एस. पाण्डेय ने कहा कि हिन्दी हमारे स्वाभिमान की भाषा है। यह जन-जन की भाषा है। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों और छात्रों से आह्वान किया कि वे अपने दैनिक कार्यों, टिप्पण, प्रारूपण, पत्राचार एवं फाइलों में अधिक से अधिक हिन्दी का प्रयोग करें। इससे न केवल राजभाषा सशक्त होगी, बल्कि हमारे कार्य किसानों के और करीब पहुंचेंगे।कुलपति ने प्रतियोगिताओं के विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में हिन्दी के प्रति गौरव की भावना पैदा करते हैं। निदेशक शिक्षा डा उमाकांत बेहरा ने बताया कि वे गैर हिंदी भाषी होते हुए भी हिंदी के प्रयोग को लेकर हमेशा सचेत रहते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शोध प्रबंध मे भी शोध सारांश हिंदी में किया जाना अनिवार्य कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने राज्य में और राज्य के बाहर भी विश्वविद्यालय को की पुरस्कार और प्रमाण पत्र मिला है। इससे पूर्व राजभाषा पदाधिकारी डॉ शंकर झा ने माह भर आयोजित निबंध, वाद-विवाद, कविता पाठ एवं टिप्पण प्रतियोगिताओं की रिपोर्ट प्रस्तुत की। निदेशक शिक्षा ने राजभाषा में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस दौरान तीनों महाविद्यालयों के अधिष्ठाताओं ने भी विचार रखे तथा राजभाषा अनुभाग द्वारा तैयार विशेष स्मारिका का विमोचन किया गया। इसके बाद विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के दौरान डीन टीसीए ढोली डॉ पी पी सिंह, डीन बेसिक साइंस डॉ अमरेश चंद्रा, डीन पंडित दीनदयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय डॉ कुंदन किशोर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण-पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। अंत में सहायक प्राध्यापक श्री ईश प्रकाश ने धन्यवाद ज्ञापन किया तथा राष्ट्रगान के साथ समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान निदेशक पीजीसीए डॉ मयंक राय, निदेशक छात्र कल्याण डॉ रमन त्रिवेदी निदेशक प्रसार शिक्षा डा रत्नेश झा, निदेशक एग्री बिजनेस डॉ रामदत्त, डॉ कुमार राज्यवर्धन समेत विभिन्न शिक्षक वैज्ञानिक एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बीच सड़क पर पति-पत्नी के विवाद में सड़क पर हंगामा

मुजफ्फरपुर। कच्ची-पक्की ओपी क्षेत्र के शेरपुर रोड पर बुधवार को पति-पत्नी के बीच विवाद को लेकर काफी देर तक हंगामा हुआ। पति को दूसरी महिला के साथ बाइक पर जाते देख पत्नी ने बीच सड़क पर उसे रोक लिया। इसके बाद दोनों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। हंगामा बढ़ता देख मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। बताया गया कि पति एक निजी फाइनेंस कंपनी में मैनेजर है। पति-पत्नी के बीच करीब एक वर्ष से विवाद चल रहा है। विवाद के चलते पत्नी शेरपुर स्थित अपने मायके में रह रही है, जबकि पति गोबरसही में किराये के मकान में रहता है। बुधवार को पत्नी ने पति को एक अन्य महिला के साथ बाइक पर जाते देखा। इसके बाद उसने बाइक रोककर पति से सवाल-जवाब शुरू कर दिया। देखते ही देखते दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। हंगामे की जानकारी मिलने पर पत्नी के मायके के लोग भी मौके पर पहुंच गए। इसी दौरान बाइक पर पीछे बैठी महिला वहां से चली गई। पति ने सफाई देते हुए महिला को अपनी सहकर्मी बताया और खुद को निर्दोष बताया। हालांकि, पत्नी उसकी बातों से संतुष्ट नहीं हुई। उसने पति के खिलाफ महिला थाने में शिकायत करने की बात कही। बाद में मायके के लोगों ने समझा-बुझाकर पत्नी को शांत कराया और उसे अपने साथ घर ले गए। इसके बाद शेरपुर रोड पर चल रहा हंगामा समाप्त हुआ।

स्टार्टअप आइडिया बूटकैंप में विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए नवाचार के विचार

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।एलएनएमसीबीएम के स्टार्टअप सेल एवं एमआईटी के स्टार्टअप सेल के संयुक्त तत्वावधान में स्टार्टअप आइडिया बूटकैंप का आयोजन किया गया। बूटकैंप में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपने अभिनव एवं रचनात्मक स्टार्टअप आइडिया प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को स्टार्टअप बिहार नीति के विभिन्न लाभों एवं उद्यम शुरू करने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। मुजफ्फरपुर जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक विजय शंकर प्रसाद ने विद्यार्थियों को अपने अभिनव विचारों को व्यवसाय में बदलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवा अपने कौशल और नवाचार के माध्यम से स्वरोजगार के साथ-साथ रोजगार सृजन की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।एल एन मिश्र कॉलेज के निदेशक डॉ. मनीष कुमार ने विद्यार्थियों को अपना उद्यम शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने स्टार्टअप बिहार के माध्यम से वित्तीय सहायता प्राप्त कर सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहे स्टार्टअप्स के उदाहरणों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों से अपने विचारों को व्यावहारिक रूप देने का आह्वान किया।प्रोजेक्ट मैनेजर आशुतोष कुमार झा ने विद्यार्थियों को बूटकैंप के उद्देश्य, गतिविधियों एवं स्टार्टअप की विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वहीं, फैकल्टी इंचार्ज ने विद्यार्थियों को बाजार तक पहुंच, उत्पाद विकास एवं ग्राहकों की आवश्यकताओं को समझने से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव दिए।एलएन मिश्रा कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के स्टार्टअप सेल के फैकल्टी इंचार्ज डॉ. किशोर पार्थ ने विद्यार्थियों के लिए मार्केट एक्सेस एवं प्रोडक्ट डेवलपमेंट पर विशेष सत्र लिया। उन्होंने विद्यार्थियों को बाजार की जरूरतों को समझने, सही ग्राहक वर्ग की पहचान करने, उत्पाद को ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने तथा उसे बाजार तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। जिला स्टार्टअप कोऑर्डिनेटर श्री कुणाल सिंह ने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत स्टार्टअप आइडिया का मूल्यांकन किया। उन्होंने विभिन्न विचारों की व्यावसायिक संभावनाओं, विस्तार क्षमता एवं विश्वसनीयता पर चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को अपने आइडिया को और बेहतर बनाने के लिए मार्गदर्शन दिया।कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में उद्यमिता, नवाचार एवं स्वरोजगार की भावना को बढ़ावा देना तथा उन्हें स्टार्टअप के लिए उपलब्ध सरकारी सहायता एवं अवसरों से परिचित कराना रहा।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति से जनप्रतिनिधियों ने सीओ को कराया अवगत

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। गायघाट प्रखंड क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति लगातार गंभीर बनी हुई है। कई पंचायतों में बाढ़ का पानी फैलने से ग्रामीणों को आवागमन, पेयजल, भोजन और सुरक्षित आश्रय समेत कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बाढ़ प्रभावित इलाकों की स्थिति को लेकर जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों ने अंचलाधिकारी पुष्प राज से मुलाकात कर उन्हें समस्याओं से अवगत कराया। जनप्रतिनिधियों ने बताया कि कई गांवों में बाढ़ का पानी फैलने से लोगों की दैनिक गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। प्रभावित परिवारों के समक्ष भोजन, शुद्ध पेयजल और आवागमन की गंभीर समस्या बनी हुई है। उन्होंने प्रशासन से राहत सामग्री, त्रिपाल, पन्नी, पेयजल एवं भोजन उपलब्ध कराने की मांग की। साथ ही बाढ़ प्रभावित इलाकों में सामुदायिक किचन शुरू कराने, जलजमाव वाले क्षेत्रों में आवश्यक राहत पहुंचाने तथा क्षतिग्रस्त सड़कों और संपर्क मार्गों को दुरुस्त कराने की मांग की गई। पशुपालकों की परेशानी को देखते हुए पशुओं के लिए चारा एवं अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने की भी मांग रखी गई। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि जलस्तर बढ़ने की स्थिति को देखते हुए प्रशासन को पहले से तैयारी रखने की जरूरत है, ताकि प्रभावित लोगों तक समय पर सरकारी सहायता पहुंचाई जा सके। अंचलाधिकारी पुष्प राज ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित स्तर पर आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

कटरा की महिलाओं की मार्मिक पुकार,बाढ़ से बचाव हेतु गंगा मैया से लगा रही गुहार

मुजफ्फरपुर। जिले के कटरा प्रखण्ड क्षेत्र में कभी जिन गांवों में शहनाई, मुंडन और उत्सवों के मौके पर मंगलगीत गूंजते थे, आज वही इलाके बागमती के मटमैले और तेज पानी की चपेट में हैं। बाढ़ ने कई घरों और परिवारों की खुशियां छीन ली हैं। ऐसे संकट के बीच कटरा की ग्रामीण महिलाओं का एक मार्मिक दृश्य सामने आया है, जहां वे बाढ़ के पानी में खड़ी होकर पारंपरिक लोकगीतों के जरिए मां गंगा से आपदा से मुक्ति की प्रार्थना करती नजर आईं। बाढ़ के पानी में खड़ी महिलाओं की आंखों में अपने घर-परिवार और गांव को लेकर चिंता साफ दिखाई दे रही थी। वे रुंधे गले से पारंपरिक गीत गा रही थीं—टीका जो सोहे, मांगो गंगा माई के... राजा विराज हैं, गंगा मैया... ओढ़न के ओढ़निया हे गंगा मैया...। ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों की मेहनत से तैयार की गई गृहस्थी देखते ही देखते बाढ़ के पानी में डूब गई। कई इलाकों में आवागमन प्रभावित है और लोग राहत व बचाव की उम्मीद लगाए बैठे हैं। स्थानीय लोगों ने नावों की उपलब्धता और राहत सामग्री को लेकर भी परेशानी जताई है। महिलाओं का कहना है कि जो मंगलगीत कभी घर-आंगन में खुशहाली के लिए गाए जाते थे, आज वही गीत बागमती के रौद्र रूप के बीच प्रार्थना बन गए हैं। पानी में हाथ जोड़कर वे अपने बच्चों, परिवार और गांव की सुरक्षा की कामना कर रही हैं। कटरा के जलमग्न गांवों में बाढ़ के बीच यह दृश्य ग्रामीणों की बेबसी और पीड़ा को बयां कर रहा है। आंखों में उम्मीद लिए लोग अब पानी घटने और हालात सामान्य होने का इंतजार कर रहे हैं।

उत्तर बिहार में 4 अक्टूबर तक मौसम रहेगा साफ

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी मौसम बुलेटिन के अनुसार 30 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक उत्तर बिहार के अधिकांश हिस्सों में मौसम सामान्यतः साफ रहने की संभावना है। हालांकि 4 अक्टूबर को शिवहर, मधुबनी, सीतामढ़ी और दरभंगा के एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। पूर्वानुमान अवधि में अधिकतम तापमान 30 से 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना जताई गई है।मौसम के सामान्यत शुष्क रहने की संभावना को देखते हुए किसानों को रबी फसलों की तैयारी शुरू करने की सलाह दी गई है। तोरी की बुआई और आलू की रोपाई के लिए खेत तैयार करने को कहा गया है। धान की फसल में गंधी बग की नियमित निगरानी करने की सलाह दी गई है। प्रकोप दिखाई देने पर कृषि विशेषज्ञों की अनुशंसा के अनुसार फोलिडोल चूर्ण का प्रयोग किया जा सकता है। उड़द में पीला शिरा मोजेक रोग की निगरानी करने तथा रोगग्रस्त पौधों को खेत से निकालकर नष्ट करने की सलाह दी गई है। सफेद मक्खी के नियंत्रण के लिए अनुशंसित कीटनाशकों का प्रयोग करने को कहा गया है। इसके अलावा शकरकंद की बुआई जल्द पूरी करने तथा मिश्रिकंद की ऊंची जमीन में बुआई पूरी करने की सलाह दी गई है। किसानों को खेत की तैयारी, उचित जल निकास और संतुलित उर्वरक प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है।

नल-जल योजना की राशि गबन के आरोप में तत्कालीन वार्ड सदस्य व सचिव गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। गायघाट थाना क्षेत्र में नल-जल योजना की राशि के गबन के आरोप में पुलिस ने तत्कालीन वार्ड सदस्य और वार्ड सचिव को गिरफ्तार किया है। दोनों पर 18 लाख रुपये से अधिक की सरकारी राशि के गबन का आरोप है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गौसनगर गांव निवासी तत्कालीन वार्ड सदस्य शत्रुघ्न ठाकुर और वार्ड सचिव रामाशंकर सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने मंगलवार दोपहर दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस के अनुसार, वर्ष 2018-19 में नल-जल योजना के क्रियान्वयन और संचालन के लिए 18 लाख 33 हजार 900 रुपये की अनुमानित राशि स्वीकृत हुई थी। इसमें से करीब 18 लाख रुपये की निकासी कर ली गई, लेकिन योजना का काम पूरा नहीं कराया गया। मामले को लेकर पंचायत सचिव अभिषेक कुमार दीपू ने 16 जनवरी 2025 को गायघाट थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की। गायघाट थानाध्यक्ष जयप्रकाश गुप्ता ने बताया कि जांच के बाद कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

कृषि योग्य भूमि बचाने के लिए 6 अक्तूबर को होगी प्रभातफेरी

मुजफ्फरपुर । जिले के पारू प्रखंड के चतुरपट्टी, भोजपट्टी, चैनपुर चिउंटाहा, हरपुर कपरफोरा, विशुनपुर सरैया, आदि गांवों में किसानों की 700 एकड़ उपजाऊ जमीन को सरकार द्वारा जबरन अधिग्रहण के खिलाफ इलाके में जोर-शोर से आन्दोलन की तैयारी चल रही है। अखिल भारतीय खेत मजदूर किसान सभा और भूमि बचाओ किसान संघर्ष समिति के आज दिनांक 30 सितंबर 2026 को चैनपुर चिउटाहां बैठक हुई नेतृत्वकारी किसान नेताओं जिसमें निर्णय लिया गया कि 6 अक्टूबर को प्रभावित गांवों में प्रभातफेरी निकाली जाएगी और अंत में चैनपुर चिउंटाहा गांव में किसानों कीसभा करके कार्यक्रम समाप्त किया जाएगा। साथ ही यह फैसला किया गया कि जमीन बचाने के लिए शीघ्र ही पटना हाईकोर्ट में याचिका दायर की जाएगी। बैठक में भाग लेने वाले प्रमुख किसान नेताओं में राम नन्दन राम, चितरंजन कुमार, उदय चौधरी, मंजूर आलम , विश्वनाथ साह, रामविलास चौधरी, अनिसुर रहमान, मु. नसीम, सहदेव राय, राम शोभित राय (पूर्व सरपंच), आदि के नाम उल्लेखनीय हैं। नेताओं ने इस बात पर चिंता जताई कि आज की तारीख में जमीन के जो असली मालिक हैं, सरकार उनको नोटिस नहीं भेजकर खतियान में नाम दर्ज उन जमीन मालिकों एवं उनके वारिसों को नोटिस भेज रही है जिन्होंने पहले ही अपनी जमीन बेच दी है। इससे प्रभावित सभी गांवों में एक गलतफहमी का माहौल बन गया है। उक्त नेताओं ने सरकार एवं प्रशासन को चेतावनी दी है कि किसानों के जीवन और जीविकापार्जन के स्रोत के साथ खिलवाड़ करना बंद करे और जबरन भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पर अविलंब रोक लगाए।

तिरहुत स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से दो अभ्यर्थियों ने पर्चा दाखिल किया

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।अगले महीने विधानपरिषद के तिरहुत स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से नामांकन दाखिल करने के दूसरे दिन आज दोनों सीट से जनसुराज पार्टी के उम्मीदवारों ने पर्चा दाखिल किया। तिरहुत शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से जनसुराज के श्यामनंदन कुमार यादव एवं स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से इसी दल के डाक्टर विमोचन कुमार ने नामजदगी का पर्चा दाखिल किया है।

महिला सुरक्षा पर नारे नहीं, ठोस कार्रवाई चाहिए

केंद्र की मोदी सरकार और दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार के लिए इससे बड़ी शर्म की बात क्या होगी कि लड़कियों को आज भी सड़कों, पार्कों और सार्वजनिक स्थानों पर बेखौफ निकलने की आजादी के लिए आवाज उठानी पड़ रही है? भारतीय जनता पार्टी महिला सशक्तिकरण, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और महिला सुरक्षा के बड़े-बड़े नारे देती रही है, लेकिन मौजूदा हालात इन नारों की वास्तविकता पर गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं। जब राजधानी दिल्ली में ही महिलाएं और छात्राएं सुरक्षित महसूस नहीं कर रहीं, तब पूरे देश में महिला सुरक्षा के दावों पर भरोसा करना मुश्किल हो जाता है। दिल्ली को देश की राजधानी होने के साथ-साथ आधुनिक, विकसित और सुरक्षित शहर के रूप में पेश किया जाता है। लेकिन महिलाओं के खिलाफ अपराध के आंकड़े इस दावे की भयावह तस्वीर सामने रखते हैं। दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2013 से 2025 के बीच राजधानी में बलात्कार के 26,582 मामले दर्ज किए गए। देशभर में हर दिन यौन हिंसा के करीब 80 मामले दर्ज होने की बात सामने आती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो और राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों के विश्लेषण से यह भी संकेत मिलता है कि यौन हिंसा के लगभग 90 प्रतिशत मामले दर्ज ही नहीं हो पाते। इसका अर्थ है कि सरकारी आंकड़े समस्या की पूरी तस्वीर नहीं दिखाते, बल्कि केवल उसका एक छोटा हिस्सा सामने लाते हैं। महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता कोई नई बात नहीं है। दिसंबर 2012 में हुए निर्भया कांड ने पूरे देश को झकझोर दिया था। दिल्ली की सड़कों पर लाखों लोग उतर आए थे और तत्कालीन यूपीए सरकार तथा कांग्रेस के खिलाफ अपना आक्रोश व्यक्त किया था। उस समय जनता ने सरकार से जवाब मांगा और सरकार को जनभावनाओं का सामना करना पड़ा। निर्भया के परिवार को राहुल गांधी द्वारा निजी स्तर पर मदद दिए जाने और सरकार द्वारा आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किए जाने की बात भी सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा रही। उस घटना के बाद कानूनों में बदलाव हुए, लेकिन समाज की मानसिकता और महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ी बुनियादी चुनौतियां आज भी कायम हैं। आज दिल्ली में फिर वही बेचैनी दिखाई दे रही है। 21 सितंबर को सार्वजनिक पार्क आस्था कुंज में तीन लोगों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर एक नाबालिग के साथ बलात्कार किया। यह घटना लेडी श्रीराम कॉलेज के आसपास हुई। घटना के बाद दिल्ली विकास प्राधिकरण की ओर से यह सलाह दी गई कि सूर्यास्त के बाद लोग पार्क में न जाएं। इस सलाह ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाने के बजाय महिलाओं की आवाजाही को सीमित करने की बहस को जन्म दे दिया। सुरक्षा के नाम पर महिलाओं को सार्वजनिक स्थानों से दूर रहने की सलाह देना समस्या का समाधान नहीं है। यदि किसी पार्क में अपराध हुआ है तो पहला सवाल यह होना चाहिए कि वहां पर्याप्त रोशनी क्यों नहीं थी, पुलिस गश्त की व्यवस्था कैसी थी, सीसीटीवी कैमरे काम कर रहे थे या नहीं और अपराधियों पर तत्काल कार्रवाई क्यों नहीं हुई। इसके बजाय यदि लड़कियों और महिलाओं से कहा जाए कि वे अंधेरा होने के बाद पार्क में न जाएं, तो यह अपराधियों को रोकने के बजाय पीड़ितों की स्वतंत्रता सीमित करने जैसा है। लेडी श्रीराम कॉलेज, गार्गी कॉलेज और मिरांडा हाउस समेत कई शिक्षण संस्थानों की छात्राएं इन घटनाओं के विरोध में सड़कों पर उतरीं। दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में प्रदर्शन हुए और कई सार्वजनिक पार्कों में महिलाओं तथा छात्राओं ने धरना दिया। इन प्रदर्शनों का संदेश स्पष्ट है—महिलाएं सुरक्षा चाहती हैं, लेकिन अपनी स्वतंत्रता की कीमत पर नहीं। वे यह स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं कि सार्वजनिक स्थानों पर अपराध होने के बाद उन्हें ही घर में रहने, जल्दी लौटने या अपनी गतिविधियां सीमित करने की सलाह दी जाए। दिल्ली में वर्ष 2016 के दौरान ह्यवेल्क नॉइज्ड जैसी पहलों के तहत लड़कियों ने रात में सार्वजनिक पार्कों में बैठकर यह सवाल उठाया था कि शहरों और पार्कों पर केवल पुरुषों का अधिकार क्यों माना जाए। उनका उद्देश्य था यह बताना कि सार्वजनिक स्थान महिलाओं के भी उतने ही हैं जितने पुरुषों के। लगभग दस वर्ष बाद भी यदि लड़कियों को यह सवाल करने के लिए सड़कों पर उतरना पड़ रहा है कि वे रात में बाहर निकल सकती हैं, तो यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता की गहरी समस्या है। डीडीए ने बाद में स्पष्टीकरण जारी कर कहा कि पार्क निर्धारित समय के अनुसार खुले रहेंगे और लोगों के आने-जाने पर कोई नई रोक नहीं लगाई गई है। यह भी कहा गया कि सूर्यास्त के बाद सुनसान या कम रोशनी वाले हिस्सों में न जाने की सलाह केवल सुरक्षा के दृष्टिकोण से दी गई थी।

शेयर बाजार में गिरावट - क्या राजनीति भी बाजार को प्रभावित करती है?

सौरभ वार्ष्णेय

शेयर बाजार को अक्सर अर्थव्यवस्था की सेहत का आईना कहा जाता है। लेकिन बाजार केवल आर्थिक आंकड़ों, कंपनियों के प्रदर्शन और वैश्विक परिस्थितियों से ही प्रभावित नहीं होता। राजनीतिक स्थिरता, चुनावी परिणाम, सरकार की नीतियां, अंतरराष्ट्रीय संबंध और राजनीतिक नेतृत्व के सार्वजनिक बयान भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित कर सकते हैं। लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान शेयर बाजार को लेकर दिए गए राजनीतिक बयानों और चुनाव परिणाम के बाद बाजार में आई तेज गिरावट ने इसी सवाल को राष्ट्रीय बहस का विषय बना दिया था कि आखिर राजनीति और शेयर बाजार के बीच संबंध की सीमा क्या होनी चाहिए? 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा शेयर बाजार की संभावित दिशा को लेकर की गई टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए कांग्रेस नेता और तत्कालीन लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने गंभीर सवाल उठाए थे। राहुल गांधी ने इस पूरे घटनाक्रम की संयुक्त संसदीय समिति यानी जेपीसी से जांच की मांग की थी। उनका आरोप था कि चुनाव परिणाम से पहले निवेशकों के बीच बाजार में तेजी की उम्मीद पैदा की गई और चुनाव परिणाम के शुरुआती रुझानों के बाद बाजार में अचानक बड़ी गिरावट देखने को मिली। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 19 और 28 मई को दिए गए उन बयानों का हवाला दिया था, जिनमें शेयर बाजार के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने की संभावना का उल्लेख किया गया था। इसी तरह उन्होंने अमित शाह के 13 मई के एक साक्षात्कार का भी उल्लेख किया, जिसमें निवेशकों से चार जून से पहले शेयर खरीदने और चुनाव परिणाम के बाद बाजार में तेजी की संभावना से संबंधित टिप्पणी का हवाला दिया था। इसके बाद घटनाक्रम ने राजनीतिक विवाद को और बढ़ा दिया। एक जून को लोकसभा चुनाव के एग्जिट पोल सामने आए। अधिकांश प्रमुख एग्जिट पोल में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले गठबंधन की बड़ी जीत का अनुमान व्यक्त किया गया। इसके अगले कारोबारी दिन, तीन जून को शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी दिखाई दी और सेंसेक्स तथा निफ्टी ने रिकॉर्ड स्तर बनाए। बाजार की इस तेजी को व्यापक रूप से एग्जिट पोल से बनी निवेशकों की सकारात्मक धारणा से जोड़ा गया। लेकिन चार जून को तस्वीर अचानक बदल गई। वास्तविक चुनाव परिणामों के शुरुआती रुझानों में एग्जिट पोल के अनुमानों से अलग राजनीतिक स्थिति उभरने लगी। बाजार में इसका तत्काल असर दिखाई दिया और सेंसेक्स तथा निफ्टी में भारी गिरावट दर्ज हुई। एक ही कारोबारी सत्र में बाजार में पांच प्रतिशत से अधिक की गिरावट ने निवेशकों के बीच चिंता पैदा कर दी। चुनावी अनिश्चितता और सरकार के संभावित स्वरूप को लेकर बदलती अपेक्षाओं को बाजार की प्रतिक्रिया के प्रमुख कारणों में गिना गया। यहीं से राजनीतिक सवाल भी खड़े हुए। राहुल गांधी ने पूछा कि यदि राजनीतिक नेतृत्व के बयानों से निवेशकों की धारणा प्रभावित हो सकती है तो ऐसे बयानों की जिम्मेदारी और पारदर्शिता को लेकर स्पष्ट व्यवस्था क्यों नहीं होनी चाहिए? उन्होंने एग्जिट पोल के आसपास बड़े निवेशकों की गतिविधियों की जांच की मांग भी की। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री द्वारा शेयर बाजार को लेकर दिए गए बयानों, संबंधित मीडिया साक्षात्कारों और बाजार की गतिविधियों के बीच संभावित संबंधों की जांच की आवश्यकता जताई। हालांकि, इन आरोपों को भाजपा ने खारिज किया था। तत्कालीन केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने राहुल गांधी के आरोपों को निराधार बताते हुए कहा था कि बाजार के कुल बाजार पूंजीकरण में बदलाव को सीधे निवेशकों के वास्तविक नुकसान के रूप में प्रस्तुत करना सही नहीं है। भाजपा की ओर से यह तर्क भी दिया गया कि बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य प्रक्रिया है और बाद की बाजार गतिविधियों को केवल चुनाव परिणाम से जोड़कर देखना उचित नहीं होगा। इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यही है कि बाजार में गिरावट अपने आप में किसी राजनीतिक या वित्तीय अनियमितता का प्रमाण नहीं होती।

असफलता में ही सफलता का बीज छिपा होता है

अनेक आंदोलनों की विफलताओं, जेलों, लाठियों और बलिदानों के बाद भारत ने स्वतंत्रता का सूर्योदय देखा। इससे स्पष्ट होता है कि एक असफल प्रयास भी भविष्य की बड़ी सफलता की नींव रख सकता है। वैज्ञानिक क्षेत्र में भी असफलता ने मानवता को आगे बढ़ाया है। थॉमस एडिसन ने बल्ब को व्यावहारिक बनाने के लिए हजारों प्रयोग किए। हर असफल प्रयोग उन्हें एक नए रास्ते की ओर ले गया। इसी प्रकार भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम ने भी शुरूआती असफलताओं का सामना किया। 1979 में भारत का पहला प्रायोगिक उपग्रह प्रक्षेपण अपने निर्धारित उद्देश्य में सफल नहीं हुआ, लेकिन वैज्ञानिकों ने निराश होकर प्रयास बंद नहीं किया। अगले वर्ष रोहिणी उपग्रह को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित किया गया। एक असफल प्रक्षेपण ने वैज्ञानिकों को रोकने के बजाय उनकी तैयारी को और मजबूत किया।

निरंजन कुमार
(अधिवक्ता, पटना उच्च न्यायालय)

जीवन एक ऐसी यात्रा है, जिसमें सफलता और असफलता दोनों पड़ाव हैं। सफलता की धूप हर किसी को अच्छी लगती है, पर असफलता की छाया में बैठना किसी को पसंद नहीं। जब हमारी मेहनत के बाद भी परिणाम हमारे पक्ष में नहीं आता, जब सपने आँखों के सामने टूटते दिखाई देते हैं और जब दुनिया की आवाज हमारे भीतर यह कहने लगती है ह्लतुम नहीं कर सकतेह्व, तब मनुष्य की असली परीक्षा शुरू होती है। यही वह क्षण है, जब असफलता के भीतर छिपा सफलता का बीज जन्म लेता है। असफलता वास्तव में हार नहीं, बल्कि हार से सीखने का अवसर है। बच्चा जब चलना सीखता है तो बार-बार गिरता है। यदि वह पहली बार गिरने के बाद चलने का प्रयास छोड़ दे, तो कभी अपने पैरों पर खड़ा न हो पाए। जीवन भी हमें इसी प्रकार सिखाता है, गिरना समस्या नहीं है, गिरकर पड़े रह जाना समस्या है। इतिहास के पन्ने उठाकर देखें तो महान उपलब्धियों के पीछे असफलताओं की लंबी कहानी दिखाई देती है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में 1857 का विद्रोह तत्काल स्वतंत्रता नहीं दिला सका, लेकिन उसने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध चेतना की ऐसी लौ जलाई, जो आगे चलकर व्यापक स्वतंत्रता आंदोलन में बदल गई। अनेक आंदोलनों की विफलताओं, जेलों, लाठियों और बलिदानों के बाद भारत ने स्वतंत्रता का सूर्योदय देखा। इससे स्पष्ट होता है कि एक असफल प्रयास भी भविष्य की बड़ी सफलता की नींव रख सकता है। वैज्ञानिक क्षेत्र में भी असफलता ने मानवता को आगे बढ़ाया है। थॉमस एडिसन ने बल्ब को व्यावहारिक बनाने के लिए हजारों प्रयोग किए। हर असफल प्रयोग उन्हें एक नए रास्ते की ओर ले गया। इसी प्रकार भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम ने भी शुरूआती असफलताओं का सामना किया। 1979 में भारत का पहला प्रायोगिक उपग्रह प्रक्षेपण अपने निर्धारित उद्देश्य में सफल नहीं हुआ, लेकिन वैज्ञानिकों ने निराश होकर प्रयास बंद नहीं किया। अगले वर्ष रोहिणी उपग्रह को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित किया गया। एक असफल प्रक्षेपण ने वैज्ञानिकों को रोकने के बजाय उनकी तैयारी को और मजबूत किया। ग्रंथों का संदेश भी इसी सत्य की ओर संकेत करता है। श्रीमद्भगवद्गीता में श्रीकृष्ण अर्जुन को कर्म करते रहने का संदेश देते हैं। मनुष्य के हाथ में प्रयास है, परिणाम हमेशा उसके नियंत्रण में नहीं होता। इसलिए असफल परिणाम देखकर कर्म का मार्ग छोड़ देना जीवन के उद्देश्य से विमुख होना है। महाभारत के संघर्षों से लेकर रामायण के वनवास तक, भारतीय साहित्य हमें बार-बार बताता है कि कठिन परिस्थितियाँ मनुष्य के चरित्र को निखारती हैं। खेल का मैदान तो असफलता और सफलता का जीवंत विद्यालय है। कोई बल्लेबाज लगातार कई पारियों में असफल हो सकता है, कोई धावक दौड़ हार सकता है और कोई खिलाड़ी वर्षों की मेहनत के बाद भी पदक से वंचित रह सकता है। परंतु एक सच्चा खिलाड़ी हार के बाद स्कोरबोर्ड को नहीं, अपने अभ्यास को देखता है। वह पूछता है, गलती कहाँ हुई? तैयारी में क्या कमी थी? अगली बार क्या बदलना है? यही सोच साधारण खिलाड़ी और महान खिलाड़ी के बीच अंतर पैदा करती है। व्यावहारिक जीवन में भी असफलता को इसी दृष्टि से देखना चाहिए। परीक्षा में कम अंक आएँ तो स्वयं को असफल व्यक्ति मानने के बजाय अपनी तैयारी की समीक्षा करनी चाहिए। व्यवसाय में नुकसान हो तो केवल भाग्य को दोष देने के बजाय बाजार, योजना और निर्णयों का विश्लेषण करना चाहिए। किसी नौकरी के साक्षात्कार में असफलता मिले तो उसे आत्मसम्मान की हार नहीं, बल्कि अगली तैयारी का अनुभव समझना चाहिए। असफलता का सबसे उपयोगी प्रश्न है ह्लमैं इससे क्या सीख सकता हूँ?ह्व सच तो यह है कि सफलता अक्सर एक ही छलांग में नहीं मिलती। उसके रास्ते में असफलताओं के छोटे-छोटे पत्थर बिखरे होते हैं। कोई उन्हें ठोकर समझकर रुक जाता है और कोई उन्हीं पत्थरों को सीढ़ी बनाकर ऊपर चढ़ जाता है। इसलिए असफलता आने पर आँसू आएँ तो आने दें, मन दुखी हो तो होने दें, लेकिन उम्मीद का हाथ कभी मत छोड़िए। रात कितनी भी लंबी हो, सुबह अवश्य आती है। मिट्टी के अंधकार में दबा हुआ बीज ही एक दिन प्रकाश की ओर बढ़कर विशाल वृक्ष बनता है। असफलता जीवन का विराम नहीं, एक अल्पविराम है, हार अंत नहीं, नए प्रयास का आरंभ है। जो व्यक्ति अपनी असफलताओं से सीखता है, अपने घावों को अनुभव में बदलता है और निरंतर प्रयास करता रहता है, उसके लिए सफलता केवल संभावना नहीं, बल्कि एक दिन प्राप्त होने वाली उपलब्धि बन जाती है। असफलता की मिट्टी में ही सफलता का बीज पलता है, संघर्ष के आँसुओं से सींचा जाता है और धैर्य की धूप पाकर एक दिन विजय का वृक्ष बन जाता है।

हाउसवाइफ है तो हाउस हसबैंड क्यों नहीं?

जो व्यक्ति कार्यालय जाता है, वेतन प्राप्त करता है और आर्थिक रूप से परिवार में योगदान देता है, उसके काम को सहज रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। इसके विपरीत घर संभालने वाले व्यक्ति के काम को कई बार ह्यघर पर रहनाह्ण भर समझ लिया जाता है। लेकिन घर चलाना वास्तव में निरंतर जिम्मेदारी का काम है। बच्चों की देखभाल, भोजन की व्यवस्था, घर की साफ-सफाई, बुजुर्गों की जरूरतों का ध्यान, घरेलू सामान की व्यवस्था, बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताएं और परिवार के सदस्यों की दिनचर्या का समन्वय, ये सभी काम समय और श्रम मांगते हैं।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

परिवार जीवन की वह संस्था है, जिसकी मजबूती केवल कमाई से नहीं, बल्कि आपसी सहयोग, विश्वास, त्याग और जिम्मेदारी से तय होती है। बदलते समय के साथ परिवार की परिभाषा और उसमें पति-पत्नी की भूमिकाएं भी बदल रही है। इसी बदलती सामाजिक सोच को मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै पीठ की एक टिप्पणी ने नए ढंग से सामने रखा है। एक वैवाहिक विवाद से जुड़े मामले में अदालत ने कहा कि यदि घर संभालने वाली महिला को ह्यहाउसवाइफह्ण कहा जा सकता है, तो घरेलू जिम्मेदारियां निभाने वाले पुरुष को ह्यहाउस हसबैंडह्ण कहने में भी कोई असंगति नहीं होनी चाहिए। यह टिप्पणी केवल दो शब्दों ह्यहाउसवाइफह्ण और ह्यहाउस हसबैंडह्ण के बीच का अंतर नहीं है। इसके पीछे परिवार में श्रम, जिम्मेदारी, सम्मान और समानता को देखने की बदलती दृष्टि छिपी है। सवाल यह नहीं है कि घर कौन संभाल रहा है, बल्कि यह है कि घर संभालने के योगदान को हम कितना महत्व देते हैं। समाज में लंबे समय तक नौकरी और आय को व्यक्ति के योगदान का प्रमुख पैमाना माना जाता रहा है। जो व्यक्ति कार्यालय जाता है, वेतन प्राप्त करता है और आर्थिक रूप से परिवार में योगदान देता है, उसके काम को सहज रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। इसके विपरीत घर संभालने वाले व्यक्ति के काम को कई बार ह्यघर पर रहनाह्ण भर समझ लिया जाता है। लेकिन घर चलाना वास्तव में निरंतर जिम्मेदारी का काम है। बच्चों की देखभाल, भोजन की व्यवस्था, घर की साफ-सफाई, बुजुर्गों की जरूरतों का ध्यान, घरेलू सामान की व्यवस्था, बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताएं और परिवार के सदस्यों की दिनचर्या का समन्वय, ये सभी काम समय और श्रम मांगते हैं। इनमें से अधिकांश कामों का कोई निश्चित कार्यालय समय नहीं होता है। न छुट्टी होती है और न ही हमेशा इसका प्रत्यक्ष आर्थिक मूल्य दिखाई देता है। फिर भी परिवार के सुचारु संचालन में इनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसलिए गृहिणी के श्रम को सम्मान देना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी उस पुरुष के योगदान को स्वीकार करना भी है जो परिस्थितियों के कारण या अपनी पसंद से परिवार की घरेलू जिम्मेदारियां संभालता है। ह्यहाउस हसबैंडह्ण शब्द पहली नजर में नया या असामान्य लग सकता है। इसका कारण यह है कि हमारी सामाजिक भाषा में घरेलू भूमिका को लंबे समय तक मुख्यतः महिलाओं से जोड़कर देखा गया। पुरुष से सामान्यतः आर्थिक जिम्मेदारी उठाने की अपेक्षा की गई और महिला से घर संभालने की। लेकिन जीवन हमेशा एक ही ढांचे में नहीं चलता है। किसी परिवार में पत्नी की नौकरी अधिक व्यस्त हो सकती है। किसी परिवार में पति का काम घर से करने वाला हो सकता है। किसी परिस्थिति में पत्नी परिवार की मुख्य आय अर्जित कर सकती है और पति बच्चों तथा घर की जिम्मेदारी संभाल सकता है। कभी स्वास्थ्य, नौकरी, स्थानांतरण या अन्य पारिवारिक परिस्थितियां भी भूमिकाओं को बदल देती है। ऐसे में यदि कोई पुरुष घर संभाल रहा है तो उसके योगदान को कमतर समझना उचित नहीं है। ह्यहाउस हसबैंडह्ण शब्द इसी वास्तविकता को सामाजिक पहचान देने का एक माध्यम बन सकता है। यह प्रश्न स्वयं हमारी सोच की परीक्षा लेता है। यदि एक महिला दिनभर घर संभालती है तो हम उसे गृहिणी कहते हैं। लेकिन जब वही जिम्मेदारी पुरुष निभाता है तो कई बार उसके काम को मजाक, आश्चर्य या असामान्य व्यवहार की नजर से देखा जाता है। यही दोहरा नजरिया बदलने की जरूरत है। घर की जिम्मेदारी पुरुष निभाए या महिला, उसमें श्रम और समय तो समान रूप से लगता है। बच्चों की देखभाल पिता करे तो वह भी उतनी ही जिम्मेदारी है जितनी मां द्वारा निभाई जाने वाली जिम्मेदारी। परिवार के बुजुर्गों की सेवा पुरुष करे तो उसका महत्व कम नहीं हो जाता है। भोजन बनाना, घर की खरीदारी करना, बच्चों को स्कूल ले जाना, डॉक्टर के पास ले जाना या घर की दिनचर्या संभालना किसी व्यक्ति के लिए इसलिए कम महत्वपूर्ण नहीं हो जाता है क्योंकि उसके बदले वेतन नहीं मिलता है। इस दृष्टि से ह्यहाउस हसबैंडह्ण शब्द केवल पुरुष के लिए एक नया संबोधन नहीं, बल्कि घरेलू श्रम की सामाजिक प्रतिष्ठा से जुड़ा प्रश्न है। विवाह को यदि केवल आर्थिक व्यवस्था मान लिया जाए तो पति-पत्नी की भूमिकाएं भी आय और रोजगार के आधार पर तय होने लगती है। पति और पत्नी दो ऐसे व्यक्ति हैं जो जीवन की जिम्मेदारियों को साझा करते हैं। परिस्थितियों के अनुसार, उनका काम बदल सकता है। आज पति नौकरी कर रहा है और पत्नी घर संभाल रही है, तो कल किसी कारण से पत्नी नौकरी कर सकती है और पति घर की जिम्मेदारी संभाल सकता है। कई परिवारों में दोनों पति-पत्नी नौकरी करते हैं और घर का काम भी आपस में बांटते हैं।

नारायणबलि, नागबलि एवं त्रिपिंडी श्राद्धः आध्यात्मशास्त्रीय विवेचना

स्वतंत्र रूप से एक दिन का अनुष्ठान करना हो, तो वैसा भी हो सकता है। नारायणबलिः उद्देश्य : ह्यदुर्घटना में मृत अथवा आत्महत्या किए हुए मनुष्य का क्रियाकर्म न होने से उसका लिंगदेह (सूक्ष्म शरीर) प्रेत बनकर भटकता रहता है और कुल में संतान की उत्पत्ति नहीं होने देता। उसी प्रकार, वंशजों को अनेक प्रकार के कष्ट देता है। ऐसे लिंगदेहों को प्रेतयोनि से मुक्त कराने के लिए नारायणबलि करनी पड़ती है।

संजय कुमार सिंह
(लेखक)

प्रस्तुत लेख में नारायणबलि, नागबलि व त्रिपिंडी श्राद्ध के विषय में अध्यात्मशास्त्रीय विवेचना की गई है। इसमें मुख्य रूप से इन विधियों के संदर्भ में महत्त्वपूर्ण सूचनाएं, विधि का उद्देश्य, योग्य काल, योग्य स्थान, विधि करने की पद्धति एवं विधि करने से हुई अनुभूतियों का समावेश है। नारायणबलि, नागबलि एवं त्रिपिंडी श्राद्ध से संबंधित महत्त्वपूर्ण सूचनाएं शास्त्र : ये अनुष्ठान अपने पितरों को उच्च लोकों में जाने हेतु गति मिले, इस उद्देश्य से किए जाते हैं। शास्त्र कहता है कि उनके लिए ह्यप्रत्येक व्यक्ति अपनी वार्षिक आय का 1/10 (एक दशांश) व्यय करेह्व। यथाशक्ति भी व्यय किया जा सकता है। ये अनुष्ठान कौन कर सकता है ?: ये काम्य अनुष्ठान हैं। यह कोई भी कर सकता है। जिसके माता-पिता जीवित हैं, वह भी कर सकते हैं। अविवाहित भी अकेले यह अनुष्ठान कर सकते हैं। विवाहित होने पर पति-पत्नी बैठकर यह अनुष्ठान करें। निषेध : स्त्रियों के लिए माहवारी की अवधि में ये अनुष्ठान करना वर्जित है। स्त्री गर्भावस्था में 5 वें मास के पश्चात यह अनुष्ठान न करे। घर में विवाह, यज्ञोपवीत इत्यादि शुभ कार्य हो अथवा घर में किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाए, तो यह अनुष्ठान एक वर्ष तक न करें। पद्धति : अनुष्ठान करने हेतु पुरुषों के लिए धोती, उपरना, बनियान तथा महिलाओं के लिए साड़ी, चोली तथा घाघरा इत्यादि नए वस्त्र (काला अथवा हरा रंग न हो) लगते हैं। ये नए वस्त्र पहनकर अनुष्ठान करना पड़ता है। तत्पश्चात ये वस्त्र दान करने पड़ते हैं। तीसरे दिन सोने के नाग की (सवा ग्राम की) एक प्रतिमा की पूजा कर दान किया जाता है। अनुष्ठान में लगनेवाली अवधि : उपरोक्त तीनों अनुष्ठान पृथक-पृथक हैं। नारायण-नागबलि अनुष्ठान तीन दिनों का होता है तथा त्रिपिंडी श्राद्ध अनुष्ठान एक दिन का होता है। उपरोक्त तीनों अनुष्ठान करने हों, तो तीन दिन में संभव है। स्वतंत्र रूप से एक दिन का अनुष्ठान करना हो, तो वैसा भी हो सकता है। नारायणबलिः उद्देश्य : ह्यदुर्घटना में मृत अथवा आत्महत्या किए हुए मनुष्य का क्रियाकर्म न होने से उसका लिंगदेह (सूक्ष्म शरीर) प्रेत बनकर भटकता रहता है और कुल में संतान की उत्पत्ति नहीं होने देता। उसी प्रकार, वंशजों को अनेक प्रकार के कष्ट देता है। ऐसे लिंगदेहों को प्रेतयोनि से मुक्त कराने के लिए नारायणबलि करनी पड़ती है। अनुष्ठान (विधि): अनुष्ठान करने का उचित समय : नारायणबलि का अनुष्ठान करने के लिए किसी भी मास की शुक्ल पक्ष की एकादशी तथा द्वादशी उचित होती है। एकादशी को अधिवास (देवता की स्थापना) कर द्वादशी को श्राद्ध करें। (वर्तमान में अधिकतर लोग एक ही दिन अनुष्ठान करते हैं।) संतति की प्राप्ति हेतु यह अनुष्ठान करना हो, तो उस दंपति को स्वयं यह अनुष्ठान करना चाहिए। यह अनुष्ठान श्रवण नक्षत्र, पंचमी अथवा पुत्रदा एकादशी में से किसी एक तिथि पर करने से अधिक लाभ होता है। अनुष्ठान करने के लिए उचित स्थान : नदी तीर जैसे पवित्र स्थान पर यह अनुष्ठान करें। पद्धतिः पहला दिन : प्रथम तीर्थ में स्नान कर नारायणबलि संकल्प करें। दो कलशों पर श्री विष्णु एवं वैवस्वत यम की स्वर्ण प्रतिमा स्थापित कर उनकी षोडशोपचार पद्धति से पूजा करें। तत्पश्चात, उन कलशों की पूर्व दिशा में दर्भ (कुश) से एक रेखा खींचकर उस पर कुश को उत्तर-दक्षिण बिछा दें और ह्यशुन्धन्तां विष्णुरूपी प्रेतःह्ण यह मंत्र पढ़कर दस बार जल छोड़ें। तत्पश्चात दक्षिण दिशा में मुख कर अपसव्य (यज्ञोपवीत दाहिने कँधे पर) होकर विष्णुरूपी प्रेत का ध्यान करें। उन फैलाए हुए कुशों पर मधु, घी तथा तिल से युक्त दस पिंड ह्यकाश्यपगोत्र अमुकप्रेत विष्णुदैवत अयं ते पिण्डःह्ण कहते हुए दें। पिंडों की गंधादि से पूजा कर, उन्हें नदी अथवा जलाशय में प्रवाहित कर दें। यहां पहले दिन का अनुष्ठान पूरा हुआ। दूसरा दिन : मध्याह्न में श्रीविष्णु की पूजा करें। तत्पश्चात 1, 3 अथवा 5 ऐसी विषम संख्या में ब्राह्मणों को निमंत्रित कर एकोद्दिष्ट विधि से उस विष्णु रूपी प्रेत का श्राद्ध करें। यह श्राद्ध ब्राह्मणों के पाद प्रक्षालन से आरंभ कर तृप्ति-प्रश्न (हे ब्राह्मणों, आप लोग तृप्त हुए क्या ?, ऐसे पूछना) तक मंत्र रहित करें। श्री विष्णु, ब्रह्मा, शिव एवं सपरिवार यम को नाम मंत्रों से चार पिंड दें। विष्णु रूपी प्रेत के लिए पांचवां पिंड दें। पिंड पूजा कर उन्हें प्रवाहित करने के पश्चात ब्राह्मणों को दक्षिणा दें। एक ब्राह्मण को वस्त्रालंकार, गाय एवं स्वर्ण दें। तत्पश्चात प्रेत को तिलांजलि देने हेतु ब्राह्मणों से प्रार्थना करें। ब्राह्मण कुश, तिल तथा तुलसी पत्रों से युक्त जल अंजुलि में लेकर वह जल प्रेत को दें। पश्चात श्राद्ध कर्ता स्नान कर भोजन करे। धर्मशास्त्रों में लिखा है कि इस अनुष्ठान से प्रेतात्मा को स्वर्ग की प्राप्ति होती है। स्मृतिग्रंथों के अनुसार नारायणबलि एवं नागबलि एक ही कामना की पूर्ति करते हैं, इसलिए दोनों अनुष्ठान साथ-साथ करने की प्रथा है। इसी कारण इस अनुष्ठान का संयुक्त नाम ह्यनारायण-नागबलिह्व पड़ा। नागबलि उद्देश्य : पहले के किसी वंशज से नाग की हत्या हुई हो, तो उस नाग को गति न मिलने से वह वंश में संतति के जन्म को प्रतिबंधित करता है। वह किसी अन्य प्रकार से भी वंशजों को कष्ट देता है। इस दोष के निवारणार्थ यह अनुष्ठान किया जाता है। अनुष्ठान (विधि) : संतति की प्राप्ति के लिए यह अनुष्ठान करना हो, तो उस दंपति को अपने हाथों से ही यह अनुष्ठान करना चाहिए। अनुष्ठान पुत्र प्राप्ति के लिए करना हो, तो श्रवण नक्षत्र, पंचमी अथवा पुत्रदा एकादशी, इनमें से किसी एक तिथि पर करने से अधिक लाभ होता है। त्रिपिंडी श्राद्धः व्याख्या : तीर्थ स्थल पर पितरों को संबोधित कर जो श्राद्ध किया जाता है, उसे त्रिपिंडी श्राद्ध कहते हैं। उद्देश्य : हमारे लिए अज्ञात, सद्गति को प्राप्त न हुए अथवा दुर्गति को प्राप्त तथा कुल के लोगों को कष्ट देनेवाले पितरों को, उनका प्रेतत्व दूर होकर सद्गति मिलने के लिए अर्थात भूमि, अंतरिक्ष एवं आकाश, तीनों स्थानों में स्थित आत्माओं को मुक्ति देने हेतु त्रिपिंडी श्राद्ध करने की पद्धति है। श्राद्ध साधारणतः एक पितर अथवा पिता-पितामह (दादा)-प्रपितामह (परदादा) के लिए किया जाता है। अर्थात, यह तीन पीढ़ियों तक ही सीमित होता है। परंतु त्रिपिंडी श्राद्ध से उसके पूर्व की पीढ़ियों के पितरों को भी तृप्ति मिलती है। प्रत्येक परिवार में यह विधि प्रति बारह वर्ष करें; परंतु जिस परिवार में पितृदोष अथवा पितरों द्वारा होने वाले कष्ट हों, वे यह विधि दोष निवारण हेतु करें। विधि : विधि के लिए उचित काल : त्रिपिंडी श्राद्ध के लिए अष्टमी, एकादशी, चतुर्दशी, अमावस्या, पूर्णिमा झ ये तिथियां एवं संपूर्ण पितृपक्ष उचित होता है। गुरु शुक्रास्त, गणेशोत्सव एवं शारदीय नवरात्र की कालावधि में यह विधि न करें। उसी प्रकार, परिवार में मंगलकार्य के उपरांत अथवा अशुभ घटना के उपरांत एक वर्ष तक त्रिपिंडी श्राद्ध न करें। अत्यंत अपरिहार्य हो, उदा. एक मंगलकार्य के उपरांत पुनः कुछ माह के अंतराल पर दूसरा मंगलकार्य नियोजित हो, तो दोनों के मध्यकाल में त्रिपिंडी श्राद्ध करें। विधि हेतु उचित स्थान : त्र्यंबकेश्वर, गोकर्ण, महाबलेश्वर, गरुडेश्वर, हरिहरेश्वर (दक्षिण काशी), काशी (वाराणसी) झ ये स्थान त्रिपिंडी श्राद्ध करने हेतु उचित हैं। पद्धति : ह्यप्रथम तीर्थ में स्नान कर श्राद्ध का संकल्प करें। तदुपरांत महाविष्णु की एवं श्राद्ध के लिए बुलाए गए ब्राह्मणों की पूजा श्राद्ध विधि के अनुसार करें। तत्पश्चात यव (जौ), व्रीहि (कीटक न लगे चावल) एवं तिल के आटे का एक-एक पिंड बनाएं। दर्भ फैलाकर उस पर तिलोदक छिड़क कर पिंडदान करें। यवपिंड (धर्मपिंड) : पितृवंश के एवं मातृवंश के जिन मृत व्यक्तियों की उत्तरक्रिया न हुई हो, संतान न होने के कारण जिनका पिंडदान न किया गया हो अथवा जो जन्म से ही अंधे-लूले थे (नेत्रहीन-अपंग होने के कारण जिनका विवाह न हुआ हो इसलिए संतान रहित), ऐसे पितरों का प्रेतत्व नष्ट हो एवं उन्हें सद्गति प्राप्त हो, इसलिए यव पिंड प्रदान किया जाता है। इसे धर्म पिंड की संज्ञा दी गई है। मधुरत्रययुक्त व्रीहीपिंड : पिंड पर चीनी, मधु एवं घी मिलाकर चढाते हैं; इसे मधुरत्रय कहते हैं। इससे अंतरिक्ष में स्थित पितरों को सद्गति मिलती है। तिलपिंड : पृथ्वी पर क्षुद्र योनि में रहकर अन्यों को कष्ट देने वाले पितरों को तिलपिंड से सद्गति प्राप्त होती है। इन तीनों पिंडों पर तिलोदक अर्पित करें। तदुपरांत पिंडों की पूजा कर अर्घ्य दें। श्री विष्णु के लिए तर्पण करें। ब्राह्मणों को भोजन करवाकर उन्हें दक्षिणा के रूप में वस्त्र, पात्र, पंखा, पादत्राण इत्यादि वस्तुएं दें। पितृदोष हो, तो माता-पिता के जीवित होते हुए भी पुत्र का विधि करना उचित : श्राद्धकर्ता की कुंडली में पितृदोष हो, तो दोष दूर करने हेतु माता-पिता के जीवित होते हुए भी इस विधि को करें। विधि के समय केश मुंडवाने की आवश्यकता : श्राद्धकर्ता के पिता जीवित न हों, तो उसे विधि करते समय केश मुंडवाने चाहिए। जिसके पिता जीवित हैं, उस श्राद्धकर्ता को केश मुंडवाने की आवश्यकता नहीं है। घर का कोई सदस्य विधि कर रहा हो, तब अन्य सदस्यों द्वारा पूजा इत्यादि होना उचित है। त्रिपिंडी श्राद्ध में श्राद्धकर्ता के लिए ही अशौच होता है, अन्य परिजनों के लिए नहीं। इसलिए घर का कोई सदस्य विधि कर रहा हो, तो अन्यों के लिए पूजा इत्यादि बंद करना आवश्यक नहीं है।

सारण तटबंध में संभावित रिसाव की सूचना पर जिला प्रशासन अलर्ट, प्रभावित क्षेत्र का डीएम ने स्वयं किया दौरा और निरीक्षण

■ मकेर प्रखंड के हेजलपुर एवं बाघाकोल में सुरक्षात्मक कार्य तेज

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। मकेर प्रखंड अंतर्गत सारण तटबंध में दो स्थानों पर संभावित रिसाव की सूचना प्राप्त होते ही जिला प्रशासन पूरी तरह सजग एवं अलर्ट मोड में है। जिला पदाधिकारी वैभव श्रीवास्तव के निर्देश पर संबंधित पदाधिकारियों एवं तकनीकी टीमों द्वारा स्थिति की लगातार निगरानी की जा रही है।

- मकेर प्रखंड के हेजलपुर एवं बाघाकोल में तटबंध पर संभावित रिसाव की सूचना प्राप्त हुई है। सूचना मिलते ही जिला पदाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने स्वयं प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया तथा जल संसाधन विभाग एवं बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल की टीमों को तत्काल स्थल पर पहुंचकर आवश्यक निरोधात्मक एवं सुरक्षात्मक कार्य करने का निर्देश दिया गया है।

- संभावित रिसाव वाले स्थलों पर बालू भरे बोरे, बल्ले सहित अन्य आवश्यक सुरक्षात्मक सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रखने तथा आवश्यकता के अनुसार तत्काल उपयोग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

- स्थिति पर सतत निगरानी एवं त्वरित कार्रवाई के लिए एसडीआरएफ एवं एनडीआरएफ की टीमों को भी प्रतिनियुक्त किया गया है।

- तटबंध के समीप एवं संभावित बाढ़ प्रभावित आबादी वाले क्षेत्रों में लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आवश्यकतानुसार सुरक्षित निष्क्रमण एवं सुरक्षित ठहराव की व्यवस्था के लिए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

- प्रभावित क्षेत्रों में नावों के परिचालन एवं उपलब्धता को लेकर भी संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

- जिला प्रशासन द्वारा सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ पूरी तत्परता से कार्य करने तथा तटबंध से संबंधित किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। ज्ञातव्य है कि यहां कटाव स्थल,हैजलपुर(मकेर) में दिन में और रात में भी भोजन कराने के लिए कम्युनिटी किचन की व्यवस्था कर दी गई है और लोगों के स्वास्थ्य सुरक्षा हेतु मेडिकल कैंप भी संचालित है। जिला प्रशासन द्वारा आमजन से अपील की गई है कि तटबंध एवं नदी के आसपास अनावश्यक रूप से न जाएं तथा प्रशासन द्वारा जारी निदेर्शों का पालन करें। किसी भी आपात स्थिति में संबंधित प्रशासनिक पदाधिकारियों को तत्काल सूचना दें।

जिलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा मकेर थाना क्षेत्रांतर्गत सारण तटबंध का संयुक्त निरीक्षण

■ संभावित बाढ़ की स्थिति को लेकर पदाधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

छपरा सदर। बुधवार को संभावित बाढ़ की स्थिति के मद्देनजर सारण जिलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक द्वारा मकेर थाना क्षेत्रांतर्गत सारण तटबंध का संयुक्त स्थलीय निरीक्षण किया गया। नेपाल में विगत दिनों हुई भारी वर्षा के कारण गंडक नदी के जलस्तर में वृद्धि को देखते हुए तटबंध एवं संवेदनशील स्थलों का जायजा लिया गया। इस दौरान संबंधित पदाधिकारियों को सतत निगरानी रखने, क्षेत्र में भ्रमणशील रहने तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सारण पुलिस आमजन से अपील करती है कि संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें, अफवाहों पर ध्यान न दें तथा किसी भी आपात स्थिति में पुलिस एवं प्रशासन को तत्काल सूचित करें।

भाकपा-माले ने छपरा सदर प्रखंड मुख्यालय पर जनसमस्याओं को लेकर दिया एक दिवसीय धरना

■ बीडीओ और सीओ को 7 सूत्री मांग पत्र सौंपा गया

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन बुधवार को छपरा सदर प्रखंड मुख्यालय पर जनता की अति-आवश्यक व बुनियादी समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर एक दिवसीय धरना किया गया। इस दौरान भाकपा-माले का एक प्रतिनिधिमंडल प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल पदाधिकारी को 7 सूत्री मांग पत्र सौंपा। धरना प्रदर्शन के माध्यम से सरकार एवं स्थानीय प्रशासन के समक्ष रखी गई मांगों में- भूमिहीन गरीबों को वास भूमि: सभी भूमिहीन गरीबों को 5 डिसमिल जमीन देने तथा जो गरीब जहां बसे हैं, उन्हें तत्काल वासगीत पर्चा निर्गत करने की गारंटी की जाए। राशन कार्ड में सुधार व नियमित वितरण: राशन कार्ड से वंचित व काटे गए गरीबों का नाम अविलंब जोड़ा जाए तथा निर्धारित वजन और नियत समय पर राशन वितरण सुनिश्चित किया जाए।- सामाजिक सुरक्षा पेंशन में वृद्धि: छूटे हुए वृद्धों, विधवाओं और दिव्यांगों को पेंशन योजना में शामिल किया जाए, प्रतिमाह नियमित पेंशन का भुगतान हो तथा पेंशन राशि बढ़ाकर 3,000 मासिक की जाए। प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित सभी गरीब परिवारों को पक्का मकान मुहैया कराया जाए। - वोटर लिस्ट में नाम सुधार: बड़े पैमाने पर गरीबों के नाम मतदाता सूची से काटे गए या छूटे हैं, उसकी जांच कर तुरंत नाम जोड़ने की प्रक्रिया पूरी की जाए। सड़क व आवागमन की समस्या: छपरा सदर प्रखंड के खलपुरा, मेहिया, रौजा पोखरा सहित विभिन्न गरीब मोहल्लों में पक्की सड़क न होने से बीमारी और शादी-ब्याह के समय होने वाली भारी परेशानी को देखते हुए तुरंत सड़क निर्माण कराया जाए।- मला गांव का सौंदर्यकरण व बुनियादी विकास: मला गांव स्थित पोखरे का सौंदर्यकरण, छठ घाट, नाला एवं पक्की सड़क का निर्माण जल्द से जल्द शुरू किया जाए आदि शामिल थी। भाकपा-माले (सारण) जिला सचिव कॉमरेड हँसनाथ राम ने कहा सारण जिले और छपरा सदर प्रखंड के गरीब मोहल्लों में फैली बदहाली, राशन-पेंशन में धांधली और बेदखली के सवालों पर राज्य की भाजपा-जदयू नीत सरकार और स्थानीय प्रशासन को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि एक तरफ सरकार ह्यविकासह्ल के ढोल पीट रही है, वहीं दूसरी ओर समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े भूमिहीन, दलित और गरीब परिवार बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। भाजपा और उसकी सहयोगी सरकारें केवल अमीरों और पूंजीपतियों के हित में काम कर रही हैं। गरीबों के राशन, मकान, पेंशन और मताधिकार पर डाका डाला जा रहा है। यदि जिला प्रशासन और सरकार ने हमारी इन न्यायसंगत मांगों पर त्वरित कार्रवाई नहीं की, तो भाकपा-माले गरीबों, मजदूरों और युवाओं को लामबंद कर सड़कों पर जोरदार जन-आंदोलन खड़ा करेगी। आइसा जिला अध्यक्ष कुणाल कौशिक ने कहा गाँव की मुख्य सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। जगह-जगह गड्ढे बन जाने के कारण दुर्घटनाओं की आशंका हर समय बनी रहती है। स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बारिश के मौसम में यह सड़क दलदल में तब्दील हो जाती है, जिससे गाँव का संपर्क आसपास के क्षेत्रों से कट जाता है। माला गाँव का ऐतिहासिक पोखर, जो कभी जल संरक्षण और ग्रामीणों की दैनिक जरूरतों का मुख्य स्रोत हुआ करता था, आज देखरेख के अभाव में गंदगी का शिकार है। पोखर में अतिक्रमण और गाद जम जाने से जल स्तर घट रहा है और पानी दूषित हो गया है। गाँव का ऐतिहासिक पोखर, जो कभी जल संरक्षण और ग्रामीणों की दैनिक जरूरतों का मुख्य स्रोत हुआ करता था, आज देखरेख के अभाव में गंदगी का शिकार है। पोखर में अतिक्रमण और गाद जम जाने से जल स्तर घट रहा है और पानी दूषित हो गया है। जल संरक्षण, पर्यावरण संतुलन और गाँव की स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए इस पोखर का तत्काल सौंदर्यीकरण, जीर्णोद्धार और नवीनीकरण कराया जाए। पोखर की गाद निकालकर इसे स्वच्छ जल स्रोत के रूप में पुनर्जीवित किया जाए, ताकि भू-जल स्तर भी बेहतर हो सके। हम जिला प्रशासन और संबंधित विभागीय अधिकारियों से अपील करते हैं कि उपर्युक्त तीनों मांगों पर तत्काल संज्ञान लेते हुए कार्य योजना शुरू की जाए। यदि प्रशासन जल्द से जल्द इन जनसमस्याओं का समाधान नहीं करता है, तो (आइसा) भाकपा माले ग्रामीणों और युवाओं को लामबंद कर चरणबद्ध आंदोलन और धरना-प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी स्थानीय प्रशासन की होगी। कार्यक्रम में भाकपा माले जिला कमिटी मेंबर कामरेड बिजेन्दर मिश्रा , आइसा जिला सचिव विकाश कुमार , राजलक्ष्मी , अखिलेश , हिमांशु , नीरज उपस्थित रहे ।

संक्षिप्त खबरें

विगत 24 घंटे के विशेष अभियान में 15 अभियुक्त किये गये गिरफ्तार

छपरा सदर। सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक रोशन कुमार द्वारा दिये गये निर्देश के आलोक में असामाजिक तत्वों, अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी एवं शराब के सेवन,विक्री, भंडारण, निर्माण और परिवहन आदि पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाने तथा देशी शराब भट्ठी ध्वस्त करने हेतु कार्रवाई को दृष्टिगत रखते हुए 29 सितंबर को विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में कुल 15 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। वही जिले में अपराध नियंत्रण एवं यातायात सुरक्षा के दृष्टिकोण से कुल-47 वाहनों से 72,000 रूपया जुमार्ना राशि वसूली गई। साथ ही जिला अंतर्गत कुल शराब-127.23 ली० (देशी शराब-45 ली० एवं विदेशी शराब-82.23 ली०), एवं अपहृता-01 बरामद की गई।

आदर्श आचार्य संहिता लागू होने के कारण आयोजित होने वाली एक दिवसीय नियोजन-सह-मार्गदर्शन मेला स्थगित

छपरा सदर। शहर के राजेन्द्र स्टेडियम में गुरुवार को जिला स्तरीय एक दिवसीय नियोजन-सह-मार्गदर्शन मेला को स्थगित कर दिया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए नियोजन पदाधिकारी, अवर प्रादेशिक नियोजनालय छपरा के द्वारा बताया गया कि बिहार विधान परिषद के सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 को लेकर दिनांक 22 सितंबर 2026 से आदर्श आचार संहिता लागू है। इसी के मद्देनजर दिनांक 01 अक्टूबर 2026 को प्रस्तावित नियोजन-सह-मार्गदर्शन मेला स्थगित किया गया है।

दूसरी बार बाढ़ का खतरा, दियारा और तटीय क्षेत्र में मचा हड़कंप

डोरीगंज। सारण सदर प्रखंड के दियारा और तटीय इलाकों में एक बार फिर बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। लगातार बढ़ते जलस्तर से रायपुर बिंदगावां, कोटवापट्टी रामपुर, बड़हरा महाजी, चिरांद, भैरोपुर निजामत, डुमरी और मुसेपुर पंचायतों के कई हिस्से जलमग्न हो गए हैं। पानी के दोबारा फैलने से ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गई हैं और लोगों में संभावित बाढ़ को लेकर चिंता गहराने लगी है। बाढ़ के पानी के दबाव के बीच तिवारी घाट, चिरांद के पुरातात्विक स्थल और दफ्तरपुर में कटाव की स्थिति भी चिंता बढ़ा रही है। कई स्थानों पर नदी की धार किनारों को तेजी से काट रही है। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते कटावरोधी उपाय नहीं किए गए तो आबादी और महत्वपूर्ण स्थलों पर खतरा बढ़ सकता है। पहले बाढ़ की मार झेल चुके दियारा क्षेत्र के लोगों के सामने अब दोबारा वही संकट खड़ा हो गया है।

तिवारी घाट पर पुलिस की दबिश, 19 लीटर देसी शराब के साथ दो गिरफ्तार

डोरीगंज। चिरांद के तिवारी घाट के पास उस समय हलचल मच गई, जब डोरीगंज थाना पुलिस ने अचानक कार्रवाई करते हुए दो संदिग्ध व्यक्तियों को दबोच लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से कुल 19 लीटर देसी शराब बरामद की गई। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर शराब को जब्त कर लिया। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। गिरफ्तार राजा मिस्त्री तथा कुणाल राय को थाना लाकर पूछताछ की जा रही है। बरामद शराब के संबंध में थानाध्यक्ष राजशेखर ने बताया कि दोनो अवैध शराब बेंचते थे, जिसके आलोक मे छापेमारी की गई और रंगे हाथ पकड़े गए।

सारण तटबंध पर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट सुरक्षा एवं राहत कार्य युद्धस्तर पर जारी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। मकेर प्रखंड के हेजलपुर एवं बाघाकोल में संभावित रिसाव की सूचना पर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। डीएम श्री वैभव श्रीवास्तव ने प्रभावित क्षेत्रों का स्वयं निरीक्षण कर सुरक्षात्मक कार्य तेज करने के निर्देश दिए हैं। तटबंध पर निरोधात्मक कार्य जारीः मकेर प्रखंड के बाघकोल पंचायत में पशु चिकित्सा शिविर एवं एमवीयू के माध्यम से पशुओं का उपचार प्रभावित क्षेत्र में कम्युनिटी किचन संचालित ड्राई राशन पैकेटिंग एवं राहत व्यवस्था जारी नाव, एस डी आर एफ ,एन डी आर एफ एवं अन्य आपात व्यवस्थाएं सक्रिय जिला प्रशासन द्वारा आमजन से अपील है कि तटबंध एवं नदी के आसपास अनावश्यक रूप से न जाएं और प्रशासन के निदेर्शों का पालन करें।

मांझी में 400 से अधिक स्वच्छता कर्मियों की स्वास्थ्य जांच

प्रात : किरण संवाददाता

मांझी (सारण)। मांझी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सभागार और नगर पंचायत कार्यालय परिसर में बुधवार को दो अलग-अलग स्वास्थ्य शिविर लगाकर 400 से अधिक स्वच्छता कर्मियों की स्वास्थ्य जांच की गई और उनके बीच दवाएं वितरित की गईं। सीएचसी प्रभारी डॉ. रोहित कुमार ने बताया कि महात्मा गांधी की जयंती (2 अक्टूबर) के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए अभियान के तहत शिविर आयोजित किया गया। सीएचसी के सभागार में आयोजित शिविर में 23 पंचायतों के 300 से अधिक स्वच्छता कर्मियों की जांच हुई, जबकि नगर पंचायत कार्यालय में ईओ रक्षा लोहिया और उप मुख्य पार्षद नीतू सिंह की मौजूदगी में 100 से अधिक स्वच्छता कर्मियों की जांच की गई। स्वास्थ्य प्रबंधक राम मूर्ति ने कहा कि दिन-रात प्रखंड को स्वच्छ रखने वाले कर्मियों को स्वस्थ रखना हमारी महती जिम्मेदारी है। शिविर में बड़ी संख्या में चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मी आदि भी मौजूद थे।

30 वर्ष से अधिक उम्र वालों की हो रही स्वास्थ्य जांच, एनसीडी की समय पर पहचान पर जोर

■ आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में ऊंचाई, वजन और बीएमआई की जांच शुरू

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। गैर- संचारी रोगों (एनसीडी) की समय पर पहचान और उपचार सुनिश्चित करने के लिए जिले में ह्यजांच एवं उपचार, चिकित्सा आपके द्वारह्ल विशेष अभियान को गति मिल रही है। सदर प्रखंड अंतर्गत शेरपुर गांव स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आम) की सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) स्वाति ने बताया कि इस अभियान के तहत स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में 30 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की स्वास्थ्य जांच की जा रही है। जिसमें लोगों की ऊंचाई, वजन और बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) की जांच की गई। जांच के दौरान सामने आने वाले आंकड़ों को एनसीडी पोर्टल पर रियल- टाइम दर्ज किया जा रहा है, ताकि संदिग्ध मरीजों की पहचान कर उन्हें आगे की जांच और उपचार से जोड़ा जा सके। हालांकि स्वास्थ्य विभाग का जोर अब केवल बीमारी का इलाज करने तक सीमित नहीं है, बल्कि बीमारी की शुरूआती अवस्था में ही उसकी पहचान और प्रबंधन पर है। विशेष रूप से मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग सहित अन्य गैर-संचारी रोगों के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए 30 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की नियमित स्क्रीनिंग को अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर में इलाज कराने आए शेरपुर गांव निवासी 72 वर्षीय राम नारायण सिंह, 97 वर्षीय राज दुलारी कुंवर सहित 47 वर्षीय जितेंद्र सिंह और 55 वर्षीय चंपा राय जैसे उम्र दराज मरीजों का कहना है कि गांव में जब हर तरह की स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही है तो फिर सदर प्रखंड मुख्यालय स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र या सदर अस्पताल जाने की क्या जरूरत है।

हालांकि स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य संस्थान के चिकित्सा पदाधिकारी सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा गांव में घूम घूम कर उच्च रक्तचाप, मधुमेह, टीकाकरण या अन्य प्रकार की स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है। जिला गैर- संचारी रोग पदाधिकारी डॉ. भूपेंद्र कुमार ने बताया कि सारण जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को जमीनी स्तर पर अधिक प्रभावी, सुलभ और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से यह व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार के दिशा - निर्देश के अनुसार 01 सितंबर से 30 नवंबर 2026 तक चलने वाले अभियान के माध्यम से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में समुदाय स्तर तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बाढ़ाई जा रही है। हालांकि इस अभियान के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा लोगों को गैर- संचारी रोगों के जोखिम और बचाव के प्रति जागरूक करने के साथ आवश्यक जांच के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जांच में किसी प्रकार की असामान्यता सामने आने पर संबंधित व्यक्ति को चिकित्सकीय परामर्श और आवश्यक उपचार के लिए आगे भेजने की व्यवस्था की गई है। क्योंकि स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य है कि नियमित जांच और समय पर उपचार के माध्यम से गैर- संचारी रोगों के गंभीर परिणामों को कम किया जा सके और लोगों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचने के बजाय ह्यबीमारी की पहचान घर के करीब ही होने की सुविधा मिल सके।

राजयोग शिविर में सिखाया जाएगा खुशहाल जीवन और मधुर संबंधों का रहस्य

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। तनाव, भागदौड़ और बदलती जीवनशैली के बीच स्वस्थ, समृद्ध और खुशहाल जीवन जीने के तौर- तरीकों को लेकर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, छपरा की ओर से तीन दिवसीय राजयोग शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसकी जानकारी बुधवार को गुदरी राय के चौक स्थित स्थानीय सेवाकेंद्र के सभागार में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सेवाकेंद्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी अनामिका दीदी ने दी। उन्होंने बताया कि शिविर का आयोजन 03 से 05 अक्टूबर- 2026 तक प्रतिदिन शाम 6 बजे से रात 8 बजे तक भिखारी ठाकुर प्रेक्षागृह, छपरा में होगा। शिविर का मुख्य विषय स्वास्थ्य, समृद्धि और खुशी का रहस्य रखा गया है। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय काउंसलर एवं ब्रह्माकुमार प्रोफेसर ई. वी. गिरीश (मुंबई) लोगों को जीवन में सकारात्मक सोच, आत्मिक शांति और बेहतर संबंधों से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन देंगे।अनामिका दीदी ने बताया कि तीन दिनों के कार्यक्रम में आध्यात्मिकता की वास्तविक पहचान, खुशहाल जीवन जीने की कला तथा संबंधों में मधुरता जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को समस्याओं के बारे में लगातार सोचने के बजाय उनके समाधान की दिशा में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने शहरवासियों से तीनों दिनों के कार्यक्रम में शामिल होकर इसका लाभ लेने की अपील की है। बीके अरविंद भाई ने बताया कि कार्यक्रम के वक्ता ई. वी. गिरीश पिछले 28 वर्षों से प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय से जुड़े हुए हैं। वह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), तारापुर एटॉमिक एनर्जी सेंटर, आईआईटी, भारतीय सेना, टाटा मोटर्स सहित विभिन्न सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थानों में मोटिवेशनल ट्रेनिंग दे चुके हैं।

गंडक का जलस्तर बढ़ा, पानापुर के तटीय इलाकों में बढ़ी चिंता

■ दियारा की फसलें डूबीं; मकेर में बांध टूटने के बाद पानापुर में भी सतर्कता बढ़ी

प्रात : किरण संवाददाता

पानापुर (सारण)। नेपाल के जलग्रहण क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण गंडक नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। नदी के उफान पर आने से पानापुर के तटीय इलाकों में बाढ़ का खतरा गहरा गया है। सोमवार को नदी का पानी तटवर्ती क्षेत्रों के कई गांवों के निचले इलाकों और घरों तक पहुंच गया, जिससे ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है। पिछले कई दिनों से गंडक के जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। रविवार तक नदी का पानी स्तर के अंतिम छोर के आसपास बह रहा था, लेकिन सोमवार की सुबह तक पानी स्तर को पार कर सारण तटबंध के मुख्य तटबंध तक पहुंच गया। जलस्तर बढ़ने के साथ पृथ्वीपुर, सेलमपुर, बसहियां, सोनबरसा, भोरहां, मथुरा धाम, सारंगपुर, कोंध और रामपुर रुद्र समेत कई तटीय गांवों के निचले इलाकों में पानी फैल गया है।

दियारा की फसलें डूबीं, किसान चिंतितः गंडक के बढ़ते जलस्तर का सबसे अधिक असर दियारा क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। दियारा में लगी धान, मक्का, ईख समेत अन्य फसलें पानी में डूब गई हैं। खेतों में लंबे समय तक पानी जमा रहने से फसलों के बर्बाद होने की आशंका को लेकर किसान चिंतित हैं। वहीं, जिन ग्रामीणों के घरों के आसपास पानी पहुंच गया है, वे परिवार और मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने लगे हैं। तटबंध की निगरानी बढ़ाई गईः बाढ़ की संभावित स्थिति को देखते हुए प्रशासन और बाढ़ नियंत्रण विभाग सतर्क हो गया है। विभाग के पदाधिकारी और कर्मी तटबंध की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। तटबंध पर किसी तरह की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए निगरानी बढ़ा दी गई है। प्रशासन ने अधिकारियों और कर्मियों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया है।

मार्कशीट के अभाव में विद्यार्थियों में आक्रोश विद्यार्थी परिषद ने प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। पीजी सत्र 2024-26 के विद्यार्थियों की मार्कशीट अब तक उपलब्ध नहीं होने को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राजेंद्र कॉलेज इकाई के कार्यकताओं ने कॉलेज के प्राचार्य डॉ संजय कुमार को ज्ञापन सौंपकर अपना आक्रोश व्यक्त किया। विद्यार्थियों ने कहा कि परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 5 अक्टूबर निर्धारित है, लेकिन बड़ी संख्या में नियमित विद्यार्थियों को अभी तक उनकी मार्कशीट उपलब्ध नहीं कराई गई है। विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने कहा कि केवल कुछ विद्यार्थियों की मार्कशीट कॉलेज तक पहुंची है, जबकि बड़ी संख्या में नियमित विद्यार्थियों की मार्कशीट अब भी लंबित है। ऐसे में विद्यार्थी असमंजस में हैं कि बिना मार्कशीट के वे परीक्षा संबंधी प्रक्रिया कैसे पूरी करेंगे। इस अवसर पर जिला संयोजक भास्कर कुमार ने कहा, हर बार परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि सामने आ जाती है, लेकिन विद्यार्थियों की मार्कशीट समय पर उपलब्ध नहीं होती। कुछ विद्यार्थियों की मार्कशीट भेजकर बाकी विद्यार्थियों को उनके हाल पर छोड़ देना किसी भी स्थिति में उचित नहीं है। विश्वविद्यालय प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी विद्यार्थियों को समय पर मार्कशीट मिले और किसी भी नियमित विद्यार्थी को प्रशासनिक लापरवाही के कारण परीक्षा फॉर्म भरने से वंचित न होना पड़े। विद्यार्थी परिषद ने कॉलेज प्रशासन से विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग से तत्काल समन्वय स्थापित कर लंबित सभी मार्कशीट उपलब्ध कराने तथा विद्यार्थियों को परीक्षा फॉर्म भरने के लिए पर्याप्त समय देने की मांग की। परिषद ने कहा कि विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़े इस विषय पर तत्काल कार्रवाई आवश्यक है।

अभिभावकों से संवाद कर जाना स्कूल का हाल स्मार्ट क्लास व नियमित उपस्थिति पर दिया जोर

प्रात : किरण संवाददाता

दरियापुर/सारण। प्रखंड के शाहपुर सुतिहार स्थित सरस्वती विद्या निकेतन, दुर्गा हाई स्कूल में मंगलवार को अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सह नोडल अधिकारी डीसीआरएल राधे श्याम मिश्रा उपस्थित रहे। अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने की। मुख्य अतिथि राधे श्याम मिश्रा ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अभिभावक और शिक्षक के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। उन्होंने विद्यालय में हुए सकारात्मक बदलावों की जानकारी लेते हुए स्मार्ट क्लास, बच्चों की नियमित उपस्थिति और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष जोर दिया। संगोष्ठी के दौरान तीन प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा हुई। इसमें बच्चों से सीधा संवाद, कक्षाओं का भ्रमण कर विद्यालय में हुए बदलावों की जानकारी लेना तथा अभिभावकों से स्कूल की व्यवस्था को लेकर फीडबैक प्राप्त करना शामिल रहा। इस दौरान अभिभावकों ने भी अपनी समस्याएं और सुझाव विद्यालय प्रबंधन के समक्ष रखे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं के साथ अभिभावक उपस्थित रहे। अंत में विद्यालय परिवार की ओर से मुख्य अतिथि राधे श्याम मिश्रा को बुके देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर एचएम सुनील कुमार राम तथा सुमंत बाबा सहित अन्य शामिल हुए

स्वक्षता कर्मियों को प्रोत्साहन राशि व टी-शर्ट देकर किया गया सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

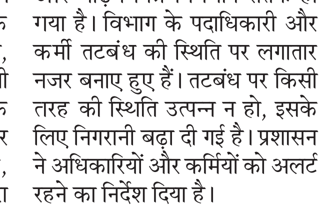

इसुआपुर। प्रखंड विकास कार्यालय के सभागार में बुधवार को स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान के तहत स्वच्छता में सहयोग, स्वच्छ भारत, विकसित भारत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी इंजीनियर सत्यम सिंह ने किया। इस दौरान स्वच्छता कर्मियों के बीच उपयोगिता शुल्क प्रोत्साहन राशि का वितरण किया गया। साथ ही उन्हें टी-शर्ट देकर सम्मानित किया गया। बीडीओ ने बताया कि जैविक खाद उत्पादन में इसुआपुर प्रखंड ने जिले में बेहतर प्रदर्शन किया है। प्रखंड में अब तक 8,707 किलो जैविक खाद का उत्पादन हुआ है। निपनिया पंचायत में करीब 100 बोरा जैविक खाद तैयार किया गया है। जबकि लौंवां पंचायत में सबसे अधिक जैविक खाद की बिक्री हुई है। उपयोगिता शुल्क वसूली में बेहतर कार्य करने पर अगौथर सुंदर पंचायत के ओमप्रकाश राम को एक हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी गई। वहीं इसी पंचायत के सुरेंद्र राय, छपिया पंचायत के सत्येंद्र राम समेत अन्य पांच स्वच्छता कर्मियों को पांच-पांच सौ रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।

मशरक में अल्ट्रासाउंड केंद्रों की जांच से मचा हड़कंप,टेक्नीशियन पकड़ा गया

प्रात : किरण संवाददाता

मशरक। मशरक प्रखंड क्षेत्र में फर्जी तारीके से सांचालित किए जा रहे अल्ट्रासाउंड केंद्रों के खिलाफ बुधवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जांच अभियान चलाया. सारण के सिविल सर्जन डॉ राज कुमार चौधरी के नेतृत्व में करीब एक दर्जन अल्ट्रासाउंड केंद्रों की जांच की गयी. सिविल सर्जन के मशरक पहुंचते ही संबंधित केंद्रों के संचालकों में हड़कंप मच गया. जांच टीम में सारण के नोडल पदाधिकारी डॉ. चंद्रशेखर सिंह, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अनंत नारायण कश्यप सहित अन्य शामिल थे. जांच के दौरान ओम अल्ट्रासाउंड केंद्र पर टेक्नीशियन द्वारा कथित रूप से नियमों के विपरीत अल्ट्रासाउंड संचालन किए जाने को लेकर कार्रवाई की गयी.वहीं जांच टीम के पहुंचने की सूचना मिलते ही राधे कृष्ण अल्ट्रासाउंड, न्यू सुरक्षा अल्ट्रासाउंड,भारत अल्ट्रासाउंड, शिव शक्ति अल्ट्रासाउंड, शंकर अल्ट्रासाउंड, इमेजिंग अल्ट्रासाउंड,महावीर अल्ट्रासाउंड, श्रीराम अल्ट्रासाउंड अमर अल्ट्रासाउंड आशीर्वाद अल्ट्रासाउंड, आस्था अल्ट्रासाउंड शिवम अल्ट्रासाउंड, अशोका डायग्नोस्टिक सेंटर के संचालक केंद्र बंद कर मौके से चले गए. इससे क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की कारवाई को लेकर पूरे दिन चर्चा बनी रही. इधर, ग्रामीणों की शिकायत पर गंडामन में कथित रूप से फर्जी दवाओं की बिक्री की जांच करने स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची. हालांकि, टीम के पहुंचने से पहले ही संबंधित दवा दुकान बंद मिली और दुकानदार मौके से फरार था. पदाधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक जांच की. अल्ट्रासाउंड केंद्रों और दवा दुकानों में हुई जांच के चलते पूरे क्षेत्र में दिनभर हड़कंप की स्थिति बनी रही. स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई से अनियमित तरीके से स्वास्थ्य सेवाएं संचालित करने वालों में भी बेचैनी देखी गयी. इससे पहले सारण सिविल सर्जन ने मशरक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का भी निरीक्षण किया. उन्होंने चिकित्सकों की उपस्थिति, विभिन्न अभिलेखों, अस्पताल की व्यवस्था एवं अन्य स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया. निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों और कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए.

संक्षिप्त खबरें

कायमनगर पैक्स में लगातार दूसरी बार अध्यक्ष बने सुनील सिंह

कोईलवर। कायमनगर पैक्स अध्यक्ष पद के चुनाव में सुनील सिंह ने लगातार दूसरी बार जीत दर्ज कर अपनी कुर्सी बरकरार रखी। बुधवार को हुई मतगणना में उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी अविनाश दुबे को 331 मतों के अंतर से पराजित किया। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद प्रखंड निवार्ची पदाधिकारी सह बीडीओ वीर बहादुर पाठक ने सुनील सिंह को जीत का प्रमाण पत्र सौंपा। कायमनगर के उत्क्रमित मध्य विद्यालय में बनाए गए तीन मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे से शाम 4:30 बजे तक मतदान हुआ। पैक्स के कुल 2099 मतदाताओं में 1170 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान समाप्त होने के बाद सभी मतपेटियों को सील कर कड़ी सुरक्षा के बीच प्रखंड कार्यालय स्थित डिस्पैच सेंटर से मनरेगा कार्यालय में बनाए गए मतगणना केंद्र तक पहुंचाया गया। सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हुई मतगणना में सुनील सिंह को कुल 711 मत मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी अविनाश दुबे के पक्ष में 380 मत पड़े। 79 मत अवैध घोषित किए गए। इस तरह सुनील सिंह ने 331 मतों के स्पष्ट अंतर से जीत दर्ज की। परिणाम की घोषणा होते ही सुनील सिंह के समर्थकों में उत्साह का माहौल बन गया। समर्थकों ने एक-दूसरे को बधाई देते हुए जीत की खुशी मनाई। प्रमाण पत्र सौंपे जाने के दौरान प्रेम कुमार सिंह, संजीव सिंह, रमेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहे।

वारंटियों के खिलाफ छापेमारी में सूचना पर 400 लीटर महुआ शराब बरामद, पांच गिरफ्तार

बड़हरा. स्थानीय थाना पुलिस ने वारंटियों के खिलाफ छापेमारी के दौरान मिली गुप्त सूचना के आधार पर दो बाइक पर लदी करीब 400 लीटर देशी महुआ शराब बरामद की. इस दौरान पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया. थानाध्यक्ष चुनमुन कुमारी ने बताया कि वारंटियों के खिलाफ छापेमारी के दौरान सूचना मिली कि दो बाइक पर लादकर देशी महुआ शराब ले जाई जा रही है. सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने कोईलवर थाना क्षेत्र के बड़का चंदा गांव निवासी अरुण कुमार यादव को करीब 400 लीटर महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया. वहीं वारंटी के खिलाफ कार्रवाई के दौरान केशोपुर गांव निवासी सुदामा देवी को तीन लीटर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया. सेमरिया गांव निवासी मुकेश कुमार और मटुकपुर गांव निवासी रविशंकर को शराब पीने की पुष्टि होने पर गिरफ्तार किया गया. इसके अलावा बड़हरा थाना कांड संख्या 221/26, दिनांक 29 सितंबर 2026 के मामले में कुईया गांव निवासी बलि महतो को गिरफ्तार किया गया. पुलिस के अनुसार, बलि महतो का पूर्व में एनडीपीएस समेत अन्य मामलों में आपराधिक इतिहास रहा है. सभी पांचों आरोपियों को कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद जेल भेज दिया गया.

अंतर महाविद्यालय महिला कबड्डी में एसबी कॉलेज आरा विजेता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के नूतन परिसर स्थित मल्टीपरपज हॉल में 23 सितंबर को अंतर महाविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता महिला 2026-27 का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन छात्र कल्याण अध्यक्ष डॉ. ओपी राय ने किया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के सात महाविद्यालयों की टीमों ने हिस्सा लिया। इनमें हर प्रसाद दास जैन कॉलेज, एसबी कॉलेज आरा, महिला कॉलेज आरा, श्री त्रिदंडी देव डिग्री कॉलेज शाहपुर, शहीद संजय सिंह महिला महाविद्यालय भभुआ, एमवी कॉलेज बक्सर तथा एसटीएसएम कॉलेज पनवारी की टीमें शामिल रहीं। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला एसबी कॉलेज आरा और हर प्रसाद दास जैन कॉलेज के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में एसबी कॉलेज आरा की महिला टीम ने जीत दर्ज कर विजेता का खिताब अपने नाम किया। वहीं जैन कॉलेज की टीम उपविजेता रही। एसबी कॉलेज की श्रेया कुमारी को प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के लिए बेस्ट प्लेयर का पुरस्कार दिया गया। विजेता एवं उपविजेता टीमों को छात्र कल्याण अध्यक्ष डॉ. ओपी राय और कुलसचिव डॉ. रामकृष्ण ठाकुर ने शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर चयन समिति के डॉ. विजय राज कुमावत, डॉ. दीपक मांझी, डॉ. अरविंद कुमार सिंह, श्रीमती अंजू कुमारी, अनिल राय, कन्हैया सिंह, अभिमन्यु सिंह और डॉ. श्रवण कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का तकनीकी संचालन भोजपुर जिला कबड्डी संघ की देखरेख में हुआ। संघ के सचिव मुकेश कुमार सिंह, आनंद कुमार सिंह समेत अन्य तकनीकी पदाधिकारियों ने प्रतियोगिता के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आवास सूची में 2235 से घटकर 638 नाम ग्रामीणों का हंगामा, ग्रामसभा स्थगित

- हरदिया पंचायत में आवास प्लस 2.0 की प्रतीक्षा सूची को लेकर ग्रामीणों ने जताया विरोध, पात्र लाभुकों के नाम जोड़ने की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

जगदीशपुर। जगदीशपुर प्रखंड के हरदिया पंचायत सरकार भवन में बुधवार को प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के आवास प्लस 2.0 की प्रतीक्षा सूची के अनुमोदन और पारित करने को लेकर आयोजित ग्रामसभा हंगामे के बीच स्थगित हो गई। ग्रामसभा शुरू होते ही ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने अंतिम सूची में पात्र लाभुकों के नाम नहीं होने पर विरोध जताया। ग्रामीणों के अनुसार, वर्ष 2024 के सर्वेक्षण में पंचायत से 2235 नाम शामिल किए गए थे, जबकि अंतिम प्रतीक्षा सूची में केवल 638 नाम हैं। इनमें दिव्यांग, विधवा और अन्य पात्र परिवारों के नाम नहीं होने का आरोप लगाया गया।

मुखिया संझावती देवी ने बताया कि बाड़ी संख्या में नाम हटाए जाने को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों और वार्ड सदस्यों ने सूची को रद्द कर पात्र परिवारों की दोबारा जांच कराने की मांग की। इस संबंध में हस्ताक्षरयुक्त आवेदन भी दिया गया। मुखिया ने पात्र लाभुकों के नाम सूची में जोड़ने के लिए बीडीओ को आवेदन सौंपा है। हंगामे की सूचना पर जगदीशपुर थाने की पुलिस भी पंचायत सरकार भवन पहुंची। विरोध के कारण ग्रामसभा की कार्रवाई आगे नहीं बढ़ सकी और उसे स्थगित कर दिया गया।

बीडीओ बोले- सूची रद्द नहीं होगी: प्रखंड विकास पदाधिकारी क्रांति कुमार ने बताया कि आवास प्लस 2.0 की सूची को रद्द नहीं किया जा सकता है। यदि कोई योग्य लाभुक सूची में शामिल होने से छूट गया है तो नियमानुसार जांच कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

चौथी मेधा सूची पर असमंजस, 45 प्रतिशत ही नामांकन

- ऑन द स्पॉट नामांकन को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं, 19 अंगीभूत व 15 राजकीय कॉलेजों में सीटें रिक्त

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (सत्र 2026-30) के प्रथम सेमेस्टर में नामांकन प्रक्रिया को अंतिम रूप देने को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। तीन मेधा सूची जारी होने के बाद समर्थ पोर्टल के नियमानुसार ऑन द स्पॉट नामांकन की प्रक्रिया शुरू होनी चाहिए, लेकिन विश्वविद्यालय की ओर से चौथी मेधा सूची जारी करने की तैयारी की जा रही है। इससे नामांकन प्रक्रिया को लेकर छात्र-छात्राओं में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। विश्वविद्यालय के 74 अंगीभूत एवं संबद्ध कॉलेजों को मिलाकर अब तक करीब 45 प्रतिशत सीटों पर ही नामांकन हो सका है। बताया जा रहा है कि करीब 1.37 लाख सीटों में बड़ी संख्या अभी रिक्त है। 30 सितंबर तक विद्यार्थियों को कॉलेज चयन का विकल्प दिया गया है और इसके लिए समर्थ पोर्टल खोला गया है। इसके बाद चौथी मेधा सूची जारी किए जाने की बात सामने आ रही है। वहीं, नामांकन प्रक्रिया से जुड़े एक पदाधिकारी के अनुसार समर्थ पोर्टल और उच्च शिक्षा विभाग की ओर से चौथी मेधा सूची जारी करने की अनुमति नहीं है। ऐसी स्थिति में ऑन द स्पॉट नामांकन लिया जाना चाहिए। दूसरी ओर, छात्र कल्याण अध्यक्ष के अनुसार समर्थ पोर्टल की व्यवस्था में बदलाव हुआ है और रिक्त सीटों पर विद्यार्थी सीधे नामांकन नहीं ले सकते। इस स्थिति में चौथी सूची और ऑन द स्पॉट नामांकन को लेकर स्पष्टता की जरूरत बनी हुई है।

19 अंगीभूत, 15 राजकीय कॉलेजों में सीटें खाली: विश्वविद्यालय के अंगीभूत एवं राजकीय कॉलेजों में भी काफी सीटें रिक्त हैं। कला संकाय में कुल 21,637 सीटों में 9,437 सीटें खाली हैं। वाणिज्य में 2,389 सीटें रिक्त हैं, जबकि 1,019 नामांकन हुए हैं। विज्ञान संकाय में 11,060 सीटों में 8,539 नामांकन हो चुके हैं और 2,521 सीटें रिक्त हैं। 19 अंगीभूत और 15 राजकीय कॉलेजों में कला, विज्ञान एवं वाणिज्य की सीटें अब भी खाली हैं। ऐसे में विश्वविद्यालय के सामने नामांकन प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से पूरा करने और अधिक से अधिक रिक्त सीटों को भरने की चुनौती है।

जनता दरबार में एसपी ने सुनीं 27 परिवादियों की फरियाद

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित ने बुधवार को जनता दरबार आयोजित कर आम लोगों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनीं। इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे कुल 27 परिवादियों ने अपनी-अपनी समस्याओं से एसपी को अवगत कराया। एसपी ने सभी परिवादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित मामलों की जानकारी ली। उन्होंने मौके पर मौजूद एवं संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को शिकायतों की जांच कर त्वरित और निष्पक्ष तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। एसपी ने अधिकारियों से कहा कि जनता से प्राप्त शिकायतों के निष्पादन में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। प्रत्येक मामले की नियमानुसार जांच करते हुए पीड़ितों को समय पर उचित कार्रवाई का लाभ उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि जनता दरबार के माध्यम से पुलिस प्रशासन का आम लोगों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनके समाधान करना पुलिस की प्राथमिकता है।

सहार बाजार में 50 फीट ऊंचे विशाल रावण का निर्माण शुरू

प्रात : किरण संवाददाता

सहार। सहार बाजार में दुर्गा पूजा को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इसी क्रम में इस वर्ष आकर्षण का केंद्र बनने वाले विशाल रावण के निर्माण का कार्य भी शुरू कर दिया गया है। दुर्गा पूजा समिति के सदस्य सामूहिक रूप से दिन-रात मेहनत कर रावण का निर्माण करने में जुटे हुए हैं। समिति के सदस्यों द्वारा बताया गया कि इस वर्ष करीब 50 फीट ऊंचे विशाल रावण का निर्माण किया जा रहा है। रावण को भव्य रूप देने के लिए सदस्य मिलकर अलग-अलग कार्यों को पूरा करने में लगे हैं। निर्माण कार्य शुरू होने के बाद बाजार में लोगों के बीच भी उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है दुर्गा पूजा के दौरान रावण दहन कार्यक्रम को लेकर स्थानीय लोगों में खासा उत्साह है। समिति के सदस्यों का कहना है कि रावण को आकर्षक और भव्य स्वरूप देने के लिए पूरी मेहनत की जा रही है। आने वाले दिनों में निर्माण कार्य पूरा होने के साथ ही रावण लोगों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनेगा।

यादव समाज के अपमान के विरोध में आरा में पुतला दहन

- भाई दिनेश के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट के समक्ष प्रदर्शन, सार्वजनिक माफी की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। यादव समाज को लेकर बिहार सरकार के मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा द्वारा की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में बुधवार को आरा जिला कलेक्ट्रेट के समक्ष बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा के समीप, भाई दिनेश, पूर्व विधायक जगदीशपुर के नेतृत्व में पुतला दहन किया गया। पुतला दहन से पूर्व आयोजित सभा को संबोधित करते हुए भाई दिनेश ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले और संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति से समाज के प्रति मर्यादित, जिम्मेदार और संयमित भाषा की अपेक्षा की जाती है। किसी भी पूरे समाज को अपमानित करने वाली भाषा सामाजिक सौहार्द और संवैधानिक मयार्दा के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा द्वारा यादव समाज को लेकर दिए गए बयान से समाज के लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री को गोलमोल बयान देने के बजाय अपने शब्दों के लिए सार्वजनिक रूप से स्पष्ट माफी मांगनी चाहिए। भाई दिनेश ने कहा कि हमारा विरोध किसी व्यक्ति या किसी अन्य समाज के खिलाफ नहीं है। हमारा विरोध जातीय अपमान, सामाजिक विभाजन और अमर्यादित भाषा के खिलाफ लोकतांत्रिक संघर्ष है। संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता, सम्मान और गरिमा का अधिकार देता है। इसलिए किसी भी जाति, समुदाय या समाज के प्रति अपमानजनक भाषा का विरोध होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगते हैं तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। इसके तहत भोजपुर बंद, गांव-गांव में पुतला दहन, मंत्री के भोजपुर प्रवेश का लोकतांत्रिक विरोध तथा मुख्यमंत्री के समक्ष विरोध-प्रदर्शन/घेराव जैसे कार्यक्रमों की घोषणा की गई। भाई दिनेश ने कहा कि सभी कार्यक्रम लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से किए जाएंगे। प्रशासन से मांग है कि जनभावनाओं को गंभीरता से लेते हुए मामले में उचित कार्रवाई की जाए तथा समाज में आपसी भाईचारा और सद्भाव बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। सभा में प्रमुख रूप से उपस्थित रहेनंद किशोर सिंह, प्रो. राजेंद्र त्यागी, जिला परिषद उपाध्यक्ष लाल बिहारी सिंह, अजय यादव, राम सकल भोजपुरीया, शैलेन्द्र राम, उमाशंकर सिंह, हकीम प्रसाद, सुरेश पहलवान, सुरेश सिंह, ललन यादव, प्रेमचंद यादव, प्रयाग यादव, भीम यादव, हरिफन यादव, बिनोद प्रसाद चंद्रवंशी, अरुण यादव, राकेश यादव, नायक सिंह, सत्यनारायण सिंह, रबी यादव, हरेंद्र कुमार, बीरबल पासवान, शैलेश कुमार, बिनोद यादव, अंजनी सिंह, जय राम सिंह, नरेंद्र सिंह, लाल बहादुर सिंह, मुन्ना यादव, बीरेन्द्र सिंह, किरण सिंह, मुकेश यादव, मनीष यादव, संतोष मिश्र, उपेंद्र यादव, डब्बू ठाकुर, लालू यादव, अधनाज सिंह, टुलु सिंह, मो. सलाहुद्दीन, श्याम बिहारी वार्ड, जगदीश सिंह, हृदयानंद सिंह नारायणपुर, छोटू यादव, मो. सोहेल, डॉ. किसान, बबलू ठाकुर सहित बड़ी संख्या में सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जगदीशपुर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बने अनिल कुमार चौबे, दूसरी बार संभालेंगे पद

- महासचिव पद पर अश्वनी कुमार सिंह निर्वाचित, उपाध्यक्ष पद पर मारकंडेय सिंह व राकेश पाठक विजयी

प्रात : किरण संवाददाता

जगदीशपुर। भोजपुर के जगदीशपुर बार एसोसिएशन का चुनाव बुधवार को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। निवार्ची पदाधिकारी मुकुल विकास श्रीवास्तव की देखरेख में अध्यक्ष, महासचिव और उपाध्यक्ष पद के लिए मतदान कराया गया। कुल 195 अधिवक्ता मतदाताओं में से 186 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अध्यक्ष पद पर अनिल कुमार चौबे ने 118 मत प्राप्त कर जयकांत दुबे को 50 मतों के अंतर से पराजित किया। जयकांत दुबे को 68 मत मिले। इसके साथ ही अनिल कुमार चौबे दूसरी बार बार एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। महासचिव पद पर तीन प्रत्याशियों के बीच मुकाबला हुआ। अश्वनी कुमार सिंह को 73, विंध्याचल पाठक को 71 और पंकज कुमार द्विवेदी को 41 मत मिले। इस तरह अश्वनी कुमार सिंह दो मतों के अंतर से महासचिव निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष पद पर मारकंडेय सिंह और राकेश पाठक निर्वाचित हुए। जीत के बाद अध्यक्ष अनिल कुमार चौबे ने कहा कि वे सभी अधिवक्ताओं को साथ लेकर चलेंगे। उन्होंने अधिवक्ताओं के लिए एयर कंडीशन की व्यवस्था तथा बैठने के लिए शेड निर्माण कराने की बात कही। चुनाव को लेकर प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। वही मतदान कर आरा लौट रहे। अधिवक्ता परमहंस जी सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। निर्वाचित सदस्यों को उनके समर्थकों ने अबीर गुलाल लगाकर उन्हें जीत की बधाई दी।

एसपी के नेतृत्व में कोइलवर व चांदी इलाके के सोन नदी में सघन निरीक्षण

कोइलवर। सोन नदी में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी रोक लगाने को लेकर भोजपुर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में 29 सितंबर की रात भोजपुर पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित के नेतृत्व में पुलिस एवं खनन विभाग की संयुक्त टीम ने सोन नदी के विभिन्न घाटों का सघन निरीक्षण किया। जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक भोजपुर अवधेश दीक्षित ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-2 रंजीत कुमार सिंह जिला खनन पदाधिकारी कुमार गौरव तथा कोइलवर और चांदी थानाध्यक्ष के साथ नाव के माध्यम से कोइलवर एवं चांदी थाना क्षेत्र के विभिन्न घाटों का जायजा लिया। इस दौरान टीम ने नदी क्षेत्र में अवैध खनन एवं उससे जुड़ी गतिविधियों की स्थिति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने अवैध खनन गतिविधियों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया कि अवैध खनन, परिवहन और भंडारण करने वालों के खिलाफ लगातार कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। प्रशासन की इस कार्रवाई से सोन नदी क्षेत्र में अवैध बालू खनन से जुड़े कारोबारियों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है।

एसबी कॉलेज की प्रभारी प्राचार्य बनीं प्रो. पूनम कुमारी

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा ने एसबी कॉलेज की नई प्रभारी प्राचार्य के रूप में हिन्दी विभाग की प्रो. पूनम कुमारी को नियुक्त किया है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार वर्तमान प्रभारी प्राचार्य प्रो. मीना कुमारी के 30 सितंबर 2026 को सेवानिवृत्त होने के बाद प्रो. पूनम कुमारी एक अक्टूबर 2026 से अगले आदेश तक कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य के रूप में कार्य करेंगी। यह नियुक्ति कुलपति के आदेशानुसार की गई है। अधिसूचना में प्रभारी प्राचार्य को महाविद्यालय के प्रशासनिक एवं शैक्षणिक कार्यों के संचालन की जिम्मेदारी दी गई है। साथ ही उन्हें कॉलेज के सभी प्रकार के बैंक खातों का संचालन कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से करने के लिए अधिकृत किया गया है। प्रो. पूनम कुमारी के प्रभारी प्राचार्य बनने से कॉलेज के नियमित प्रशासनिक कार्यों के संचालन की जिम्मेदारी अब उनके हाथों में होगी। उनके समक्ष कॉलेज की शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ प्रशासनिक व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होगी। नवनियुक्त प्रभारी प्राचार्य प्रो. पूनम कुमारी को कॉलेज के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने बधाई दी। इस अवसर पर डॉ. नीतू देवी, डॉ. अरविंद सिंह, डॉ. आदित्य कुमार आनन्द, डॉ. मिथिलेश गिरी, डॉ. प्रियंका भारती, डॉ. धनंजय प्रसाद, डॉ. राधिका रमन, डॉ. अनंत कुमार, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. मो. महफूज अशरफ, डॉ. पंकज कुमार, रमेश राय, कृष्ण भास्कर कुमार एवं अनील कुमार ने उन्हें गुलदस्ता भेंट कर शुभकामनाएं दीं। शिक्षकों ने उम्मीद जताई कि प्रो. पूनम कुमारी के नेतृत्व में कॉलेज की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों को गति मिलेगी और महाविद्यालय के कार्यों का सुचारू संचालन जारी रहेगा।

एसबी कॉलेज की प्रभारी प्राचार्य प्रो. मीना कुमारी सेवानिवृत्त, सम्मान के साथ दी गई विदाई

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा की अंगीभूत इकाई सहजानंद ब्रह्मर्षि कॉलेज (एसबी कॉलेज), आरा की प्रभारी प्राचार्य प्रो. मीना कुमारी बुधवार, 30 सितंबर 2026 को सेवानिवृत्त हो गईं। उनके सम्मान में महाविद्यालय के दिनकर सभागार में विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कॉलेज परिवार की ओर से उन्हें सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी गई। समारोह में वक्ताओं ने प्रभारी प्राचार्य के रूप में प्रो. मीना कुमारी के शैक्षणिक एवं प्रशासनिक योगदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण, प्रशासनिक व्यवस्था और संस्थागत विकास को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किया। महाविद्यालय की ग्रेडिंग में सुधार के लिए किए गए उनके प्रयासों की भी सराहना की गई। ह्यबीह्व ग्रेड प्राप्त इस ऐतिहासिक महाविद्यालय के विकास में उनके योगदान को शिक्षक एवं छात्र समुदाय ने महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों ने उनके साथ कार्य करने के अनुभव साझा किए। वक्ताओं ने उनके सरल व्यवहार, कार्य के प्रति प्रतिबद्धता और सहयोगात्मक रवैये को भी याद किया। समारोह के दौरान माहौल भावुक हो गया। उपस्थित लोगों ने प्रो. मीना कुमारी के स्वस्थ, सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में डॉ. अरविंद सिंह, डॉ. गौरव कुमार सुंदरम, डॉ. अस्मिता ठाकुर, डॉ. राधिका रमन, डॉ. गुंजन कुमार, डॉ. अशोक तिवारी, डॉ. धनंजय, डॉ. आदित्य कुमार आनंद, डॉ. मिथिलेश गिरी, धनंजय राय, डॉ. महफूज अशरफ, डॉ. अनंत कुमार, डॉ. नमिता कुमारी, डॉ. पंकज कुमार, डॉ. दिव्या कुमारी, डॉ. एसडी सिंह, डॉ. रेखा सोनी, डॉ. गौरव मिश्रा, डॉ. पूजा कुमारी, डॉ. राकेश कुमार, अनील कुमार, विमलेंद्र विमल सहित महाविद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित रहे।

कचरा मुक्त नगर के संकल्प के साथ निकला स्वच्छता अभियान, छात्र-छात्राओं ने दिया स्वच्छता का संदेश

प्रात : किरण संवाददाता

जगदीशपुर। जगदीशपुर कचरा मुक्त एवं स्वच्छ नगर बनाने के उद्देश्य से बुधवार को जगदीशपुर नगर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान की शुरूआत प्रखंड परिसर से हुई, जहां से विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, सामाजिक कार्यकताओं एवं स्थानीय लोगों ने नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए। वीर कुंवर सिंह किला परिसर होते हुए हाई स्कूल तक जागरूकता मार्च निकाला। अभियान के दौरान छात्र-छात्राएं हाथों में स्वच्छता से संबंधित तख्तियां लेकर लोगों को साफ-सफाई के प्रति जागरूक करते नजर आए। किला परिसर पहुंचने के बाद सभी ने मैदान में सफाई अभियान चलाया और नगर को कचरा मुक्त रखने का संकल्प लिया। इस दौरान लोगों से सार्वजनिक स्थानों पर कचरा नहीं फेंकने तथा अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखने की अपील की गई। समाजसेवी जगदीप यादव ने कहा कि स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने का अभियान पिछले छह वर्षों से लगातार चलाया जा रहा है और आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छ नगर से न केवल वातावरण सुंदर रहता है, बल्कि गंदगी से फैलने वाली कई बीमारियों से भी बचाव होता है। उन्होंने लोगों से स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित नहीं रखने, बल्कि इसे अपनी दैनिक आदत बनाने की अपील की। इस दौरान शिक्षक मुनीलाल शर्मा, डॉ वीरेंद्र कुमार सिंह, दीपु कुमार सोनी, शिक्षक सनी कुमार, शिक्षक सौरव कुमार, शिक्षक शमशिर वारिस खान, शिक्षक गोपाल यादव, शिक्षक सलीम अंसारी, रोशन, मुराद,मुन्ना, गोल्डन, ईबरार वारसी, इस्माइल अन्य मौजूद रहे।

गुंडी में अवैध क्लिनिक को 24 घंटे में सील करने का आदेश

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा/भोजपुर। बड़हरा प्रखंड के गुंडी गांव में कथित रूप से अवैध तरीके से संचालित क्लिनिक को सील करने का आदेश जारी किया गया है। असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, भोजपुर ने बड़हरा के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को 24 घंटे के अंदर कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। जारी आदेश के अनुसार, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, बड़हरा की ओर से प्राप्त संयुक्त जांच प्रतिवेदन और औषधि निरीक्षक, भोजपुर-2 की रिपोर्ट में संदीप सिंह उर्फ रिंकू सिंह द्वारा गुंडी में क्लिनिक संचालित किए जाने का उल्लेख है। आदेश में इसे अवैध क्लिनिक बताया गया है। सीएस ने निर्देश दिया है कि प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, बड़हरा डॉ. दयानंद कुमार राय, चिकित्सा पदाधिकारी, कुष्ठ नियंत्रण इकाई, भोजपुर और औषधि निरीक्षक, भोजपुर-2 अशोक कुमार के साथ समन्वय स्थापित कर क्लिनिक को सील करें और कार्रवाई की रिपोर्ट कार्यालय को उपलब्ध कराएं। आदेश की प्रतिलिपि बड़हरा थानाध्यक्ष, भोजपुर एसपी, डीडीसी और डीएम को भी आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजी गई है। आदेश में यह भी उल्लेख है कि संबंधित मामला प्रथम अपीलीय प्राधिकार सह प्रमंडलीय आयुक्त, पटना प्रमंडल के समक्ष सुनवाई के लिए लंबित है।

विधायक ने बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधिकारियों के साथ गंगा तटीय क्षेत्रो का किए निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा विधायक बाढ़ नियंत्रण विभाग एवं विभिन्न विभागो के अधिकारियों के साथ दूबे छपरा,हाजीपुर, बखोरापुर, नेकनाम टोला,केशोपुर मुक्तिधाम आदि गाँवो का दौरा कर बाढ़ के बाद की स्थिति का जायजा लिया एवं साथ ही गंगा नदी के जलस्तर की स्थिति का भी अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। क्षेत्र के लोगो द्वारा गंगा नदी मे फिर से जलस्तर बढने की बात कही गई। विधायक ने स्वयं गंगा घाट पर पहुंच कर जलस्तर को देखे। बाढ़ नियंत्रण अधिकारियों द्वारा बताया गया कि गंगा नदी मे जलस्तर बढने के बाद इलाहाबाद मे घट रही है,जिससे बाढ का खतरा नही है। बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने नेकनाम टोला बाँध को दुरूस्त करने एवं लगातार निरीक्षण करने का निर्देश उपस्थित अधिकारियों को दी। वही बड़हरा स्वास्थ्य पदाधिकारी डाँ. अरविन्द को ब्लीचिंग पावडर का छिड़काव के साथ मेडिकल कैम्प लगाने की व्यवस्था करने को कहा। बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि बाढ़ बाद पानी के ठहराव से महामारी की आशंका को देखते हुए प्रशासन को ब्लीचिंग पावडर का छिड़काव एवं मेडिकल टीम तैनात रहने को कहा गया है।

पिपरपांती में बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधिकारियों ने किया निरीक्षण, स्थिति सुरक्षित

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा। गंगा नदी के जलस्तर में उतार-चढ़ाव के बीच बाढ़ नियंत्रण एवं तटीय सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मंगलवार को पिपरपांती क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। भोजपुर के सहायक जिला चिकित्सा पदाधिकारी (एडीएमओ) तथा बाढ़ नियंत्रण विभाग, आरा के कार्यपालक अभियंता के साथ सहायक अभियंता और कनीय अभियंता ने क्षेत्र का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने तटवर्ती क्षेत्र और सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया। अधिकारियों ने स्थानीय परिस्थितियों की जानकारी लेने के साथ बाढ़ के बाद उत्पन्न संभावित समस्याओं को लेकर भी आवश्यक जानकारी जुटाई। निरीक्षण के बाद पिपरपांती की स्थिति सुरक्षित बताई गई। अधिकारियों ने क्षेत्र में जलस्तर और तटीय स्थिति पर लगातार निगरानी बनाए रखने की आवश्यकता जताई। साथ ही किसी भी तरह की आपात स्थिति उत्पन्न होने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधिकारियों की टीम द्वारा क्षेत्र का निरीक्षण किए जाने से स्थानीय लोगों को भी राहत मिली।

संक्षिप्त खबरें

व्यवहार न्यायालय द्वारा तीन अभियुक्तों को सजा सुनाई गई

औरंगाबाद -- व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद में प्रधान जिला जज राजीव रंजन कुमार के कोर्ट ने मुफ्फसिल थाना कांड संख्या -339/11, सत्रवाद संख्या -244/23 में सजा के बिन्दु पर सुनवाई करते हुए तीनों अभियुक्तों को सजा सुनाई है लोक अभियोजक अजय कुमार ने बताया कि अभियुक्तों को 22/09/26 को दोषी ठहराया गया था और बंधपत्र विखंडित कर जेल भेज दिया गया था आज सजा के बिन्दु पर बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने कहा कि पहला अपराध और पारिवारिक दायित्व के कारण कम से कम सजा सुनाई जाए,लोक अभियोजक ने आरोप सिद्धि के आधार पर सजा की मांग की, दोनों पक्षों को सुनने के पश्चात न्यायधीश ने मुख्य अभियुक्त मारछु यादव परसी फेसर को भादंवि धारा 307 में तीन साल की सजा और बीस हजार रुपए जुमार्ना लगाया है भादंवि धारा -324 में एक साल की सजा और दस हजार रुपए जुमार्ना लगाया है और धारा -341 में एक माह की सजा और पांच सौ

रुपए जुमार्ना लगाया है, अन्य अभियुक्त प्रमोद यादव और सुरेश यादव को भादंवि धारा -324 में एक साल की सजा और दस हजार रुपए जुमार्ना लगाया है और धारा -341 में एक माह की सजा और पांच सौ रुपए जुमार्ना लगाया है सभी सजाएं साथ साथ चलेगी, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि अभियोजन की ओर से 06 गवाही हुई थी प्राथमिकी सूचक कामता प्रसाद सिंह बासेखाप ढिबरा फेसर ने 28/11/11 को अभियुक्तों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी जिसमें कहा था कि 26/11/11 को शाम 07 बजे मेरा ट्रैक्टर ड्राइवर सत्यनारायण यादव चतरा ने फोन पर बताया कि मेरा ट्रैक्टर रोक रखा है जब सुचक उक्त स्थल परिजनों के साथ पहुंचे तो अभियुक्तों ने मेरे भाई और बेटे को मारपीट कर बुरी तरह से घायल कर दिया, आसपास के गांव के लोग जुटने पर सभी अभियुक्तगण भाग गये, घायलों को सदर अस्पताल औरंगाबाद और मगध मेडिकल कॉलेज गया में इलाज कराया।

सदर अंचल कार्यालय पर भूमिहीन जनता का लगा जमावड़ा, पंचायत स्तर पर शिविर लगाकर पर्चा देने की मांग: मनोज यादव

अरवल। अरवल सदर अंचल अधिकारी कार्यालय पर मंगलवार को भूमिहीन जनता का जमावड़ा लगा रहा। जिला सांसद प्रतिनिधि, रेल आंदोलन के सूत्रधार सह अरवल विकास मंच के अध्यक्ष मनोज सिंह यादव ने कहा कि नीतीश कुमार की 21 वर्ष की सरकार गरीबों को पर्चा नहीं दे सकी, जिसका उदाहरण अंचल कार्यालय पर गरीबों का हुजूम है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा 3 डिसमिल जमीन देने की घोषणा के बाद अंचल कार्यालय में अपार भीड़ लगी हुई है। भीड़ को देखते हुए अंचल अधिकारी को ज्ञापन देकर पंचायत वाइज भूमिहीनों को पर्चा के लिए शिविर लगाने की मांग की गई है। मनोज सिंह यादव ने कहा कि अगर सचमुच बिहार सरकार गरीब भूमिहीन को वासगीत पर्चा देना चाहती है तो पंचायत वाइज शिविर लगाकर पूरे जिले में भूमिहीन परिवार को तीन डिसमिल का वासगीत पर्चा देने का काम करे।

बारुण में प्रखंड स्तरीय मेरे सपनों का भारत पेंटिंग व भाषण प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

औरंगाबाद। प्रखंड संसाधन केंद्र, बारुण में शिक्षा विभाग के तत्वावधान में ह्लमेरे सपनों का भारतह्व विषय पर प्रखंड स्तरीय पेंटिंग एवं भाषण प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रभारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी नीरज कुमार द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।इस अवसर पर कुश कुमार (लेखापाल), लाल बहादुर , समावेशी शिक्षा के प्रखंड शासन सेवी, श्री पीयूष कुमार (ब्लॉक आईटी समन्वयक) तथा श्री सुधीर यादव सहित कई विभागीय कर्मी एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं मुख्य रूप से मौजूद रहे प्रतियोगिता में प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों से आए छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।

चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी तूलिका और रंगों के माध्यम से विकसित व समृद्ध भारत की सुंदर परिकल्पना को कैनवास पर उकेरा। वहीं भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने ओजस्वी विचारों के जरिए देश के विकास और अपने सपनों के भारत का विजन प्रस्तुत किया।

प्रतियोगिता के निष्पक्ष मूल्यांकन हेतु गठित निर्णायक मंडल में चित्रकला के लिए श्री अनिल कुमार (केशव उच्च विद्यालय, बारुण), शशि अग्रवाल (राजकृत सिरिस हाई स्कूल) व रूही परवीन (उत्क्रमित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जगदीशपुर) शामिल थे।

पितृपक्ष मेला महासंगम-2026 का होगा आयोजन

मेला की व्यवस्थाओं को लेकर जिला 20-सूत्री कार्यालय में समीक्षा बैठक हुई आयोजित

प्रात: किरण संवाददाता

गया जी। विकास भवन स्थित जिला 20-सूत्री कार्यालय में जिला 20-सूत्री उपाध्यक्ष द्वारिका प्रसाद एवं प्रेम प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में पितृपक्ष मेला महासंगम-2026 की व्यवस्थाओं को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई है ।इस बैठक में जिला 20-सूत्री सदस्य अवध बिहारी कुमार, डॉ. शंकर कुमार चौधरी, धनंजय शर्मा, शहजाद शाह एवं अरविंद वर्मा शामिल हुए हैं ।इस बैठक में मेला क्षेत्र की यातायात व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं, साफ-सफाई, स्वच्छ पेयजल, बिजली एवं प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग, आवासन तथा टेंट सिटी में श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई है ।इस बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने जिला प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं की सराहना की है। सदस्यों ने कहा कि जिलाधिकारी शशांक शुभंकर, वरीय पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार एवं सभी कोषांगों के सदस्य तथा संबंधित अधिकारी लगातार मेला क्षेत्र का भ्रमण एवं निरीक्षण कर रहे हैं। नियमित समीक्षा बैठकों के माध्यम से व्यवस्थाओं की निगरानी की जा रही है तथा निरीक्षण के दौरान सामने आने वाली कमियों को तत्काल दूर किया जा रहा है ।जिला 20-सूत्री उपाध्यक्ष एवं सदस्य भी लगातार मेला क्षेत्र का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं तथा श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन के साथ समन्वय बनाए हुए हैं ।सभी सदस्यों ने पितृपक्ष मेला महासंगम-2026 में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन के प्रयासों की सराहना की।

खादी ग्रामोद्योग के प्रमंडल महामंत्री का ओबरा खादी ग्रामोद्योग में किया गया भव्य स्वागत

■ मंत्री ने कर्मियों को पौधा रोपण के प्रति सजग रहने को किया आहवान

प्रात : किरण संवाददाता

ओबरा (औरंगाबाद)।मुख्यालय के खादी ग्रामोद्योग परिसर मे मगध प्रमंडल खादी ग्रामोद्योग के महामंत्री सुनील कुमार को कर्मियों के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। व्यवस्थापक बीरेंद्र कुमार एवम सहायक सुरेश प्रसाद ने महामंत्री सुनील कुमार को गुलदस्ता देकर सम्मानित किया ।इस मौके पर खादी ग्रामोद्योग परिसर मे पौधा रोपण कार्यक्रम आयोजित की गई।जिसका शुभारंभ खादी ग्रामोद्योग के महामंत्री सुनील कुमार ने पौधा लगाकर शुभारम्भ किया ।इस मौके पर कहा कि,मानव जीवन के लिए पौधा रोपण जरूरी है।सभी लोग पौधा लगाए और एक दूसरे को पौधा लगाने को जागरूक करे।उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा चलाए जा रहे संकल्प यात्रा का काफी रूपरेखा के बारे मे बताया और उनके बताए गए निदेर्शों को पालन करने को आहवान किया। साथ ही स्वच्छता के प्रति सजग रहने को आहवान किया। कहा कि,समाज का बदलाव स्वच्छता से होगा। कहा कि,आने वाले महात्मा गांधी जयंती के मौके पर स्वच्छता अभियान चलाए और लोगो को जागरूक करे। कहा कि,भक्तिमय माहौल मे मां देवी की आराधना करे पूजा हो यज्ञ यह महापुरुषों की जयंती सभी भारतीय संस्कृति का प्राण है। और उसे बचाने के हमारी सभ्यता संस्कृति को बचाना होगा ।साथ ही खादी ग्रामोद्योग के प्रबंधक बीरेंद्र कुमार की विशेष आश्वस्त किया कि, खादी ग्रामोद्योग दुकानें को बेहतर सजाए और गांधी जयंती धूम धाम से मनाए ।उन्होंने सभी उपस्थित लोगों से कहा कि,खादी कपड़े का स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।जिसके प्रति सजग रहे और खादी कपड़े का उपयोग करे ।इस मौके पर सुरेंद्र सिंह कपिल प्रसाद कुंवर सिंह सच्चिदानंद कुमार कुलदीप प्रसाद समेत अन्य लोग उपस्थित रहे ।

पितृपक्ष भारतीय सनातन परंपरा में पूर्वजों के प्रति श्रद्धा कृतज्ञता और सम्मान व्यक्त करने का महत्वपूर्ण अवसर है

■ मेरे लिए यह अत्यंत सौभाग्य और भावुक क्षण है कि मुझे अपने माता-पिता सहित पूर्वजों का तर्पण करने का अवसर प्राप्त हुआ है: राजेन्द्र प्रसाद अधिवक्ता

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी ।पितृपक्ष के अवसर पर फल्गु देव घाट पर श्रद्धा और आस्था के साथ अपने माता-पिता सहित पूर्वजों का तर्पण किया गया है। इस अवसर पर विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उपस्थित ब्राह्मणों द्वारा तर्पण की धार्मिक प्रक्रिया संपन्न कराई गई है। तर्पण के दौरान अपने पूर्वजों को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए उनकी आत्मा की शांति एवं मोक्ष की कामना की है। तर्पण करते हुए भाजपा के प्रदेश कार्य समिति सदस्य राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता ने कहा कि पितृपक्ष भारतीय सनातन परंपरा में पूर्वजों के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और सम्मान व्यक्त करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि आज मेरे लिए यह अत्यंत सौभाग्य और भावुक क्षण है कि मुझे अपने माता-पिता सहित पूर्वजों का तर्पण करने का अवसर प्राप्त हुआ है। हमारे जीवन में माता-पिता और पूर्वजों का योगदान सदैव स्मरणीय रहता है। उनके संस्कार, आशीर्वाद और मार्गदर्शन से ही परिवार एवं समाज को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है ।पितृपक्ष के दौरान तर्पण एवं पिंडदान के माध्यम से हम अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा अर्पित करते हैं और उनके प्रति अपनी जिम्मेदारी एवं कृतज्ञता का भाव प्रकट करते हैं। उन्होंने अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति तथा परिवार के सभी सदस्यों पर उनका आशीर्वाद सदैव बना रहने की प्रार्थना की ।तर्पण ब्राह्मणों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से अनुष्ठान संपन्न कराया गया है।

शैक्षिक नवाचार को नई दिशा: डॉ. धनंजय धीरज को अक आधारित डिजिटल शिक्षा प्रदर्शन उपकरण का मिला पेटेंट

प्रात: किरण संवाददाता

गया। गया कॉलेज, गया के शिक्षा शास्त्र विभाग में शैक्षिक नवाचार के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज हुई है। विभागाध्यक्ष डॉ. धनंजय धीरज द्वारा विकसित अक आधारित डिजिटल शिक्षा प्रदर्शन उपकरण को भारत सरकार द्वारा भारतीय बौद्धिक संपदा अधिकार अधिनियम के तहत पेटेंट प्रदान किया गया है। यह उपलब्धि शिक्षा के क्षेत्र में तकनीक, नवाचार और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों के समन्वय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इस उपलब्धि पर मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के कुलपति प्रो. दिलीप कुमार केशरी, कुलसचिव डॉक्टर बी.के. मंगलम, गया कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सतीश सिंह चंद्र, बर्सर प्रो. मार्कंडेय पांडे, पूर्व कुलपति मगध विश्वविद्यालय प्रो. कुसुम कुमारी सहित विभिन्न शिक्षाविदों एवं समाजसेवी संगठनों ने डॉ. धनंजय धीरज को बधाई दी है।

डॉ. धीरज के अनुसार यह उपकरण शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक सरल, प्रभावी और सहभागितापूर्ण बनाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। इसके माध्यम से जटिल विषय-वस्तु और अवधारणाओं को विद्यार्थियों के सामने अधिक स्पष्ट एवं सहज तरीके से प्रस्तुत किया जा सकता है। उपकरण की विशेषता यह है कि यह पारंपरिक शिक्षक केंद्रित कक्षा व्यवस्था को विद्यार्थी केंद्रित एवं द्विपक्षीय संवादात्मक शिक्षण व्यवस्था में बदलने में सहायता करता है ।यह नवाचार शिक्षक और विद्यार्थी के बीच संवाद को बढ़ाने के साथ-साथ विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी, प्रतिक्रिया और स्वमूल्यांकन को भी प्रोत्साहित करता है। स्मार्ट-क्लासरूम तकनीक के साथ इसके संभावित एकीकरण से रियल-टाइम फीडबैक, ऑटोमेटेड एनालिटिक्स और विद्यार्थियों की आवश्यकता के अनुरूप पर्सनलाइज्ड लर्निंग जैसी आधुनिक सुविधाओं को भी जोड़ा जा सकता है। शिक्षाशास्त्र विभाग सहित गया कॉलेज गया के विभिन्न विभागों के शिक्षकों एवं छात्रों के बीच खुशी की लहर है ।

चतुर्थी तिथि को पिंड तर्पण करने से सुख समृद्धि की होती है प्राप्ति

औरंगाबाद ।बारुण प्रखंड के ग्राम सिरीश अवस्थित मोक्षदायिनी पुनपुन नदी के तट पर पितृ पक्ष मेला के निमित्त आज चतुर्थी तिथि को गया जी पिण्ड तर्पण के पूर्व प्रथम पिण्ड तर्पण का कार्यक्रम योग्य आचार्यों के सान्निध्य में श्रद्धालु भक्तों के द्वारा क्रियान्वित किया गया। तीर्थ पुरोहित के रूप में उपस्थित आचार्य सुरेश पाठक ने बताया कि चतुर्थी तिथि को श्रद्धालुओं द्वारा प्रथम पिंड तर्पण का कार्य संपादित करने से सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है। यह भी बताया कि प्रथम पिंड देने की प्रक्रिया पुनपुन घाट पर सदियों से चल रही है ।यहां प्रथम पिंड देने के बाद ही गया जी तीर्थ के लिए श्रद्धालु भक्त प्रस्थान करते हैं और वहां जाकर श्राद्ध का कार्य पूर्ण करते हैं ।श्रद्धालु भक्तों के सेवा में भोपतपुर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि कमलेश कुमार सिंह अपने दर्जनों स्वयंसेवकों के साथ पिंडदानियों की सेवा में लगे हुए हैं ताकि उन्हें कोई असुविधा न हो ।पिंड स्थल घाट पर प्रतिदिन हजारों पिंडदानी उतर रहे हैं

राज्य स्तरीय प्री-आरडी कैंप-2027 में मगध विश्वविद्यालय की टीम ने लिया भाग

प्रात: किरण संवाददाता

गया, राज्य स्तरीय प्री-आरडी कैंप-2027 में भाग लेने के लिए मगध विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की टीम पटना पहुंची है। मगध विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. पिंटू कुमार के दिशा-निर्देश में टीम का नेतृत्व डॉ. राजेश कुमार मिश्र, कार्यक्रम पदाधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना, गया कॉलेज, गया ने किया है ।इस राज्य स्तरीय प्री-आरडी कैंप में मगध विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों से कुल 14 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। गया कॉलेज, गया की ओर से रिया कुमारी, श्रुति कुमारी, नंदनी कुमारी, प्रगति, आर्यन कुमार एवं प्रियांशु मिश्र ने प्रतिभाग किया है ।इस कार्यक्रम का आयोजन ए.एन. कॉलेज, पटना, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के परिसर में किया गया, जिसमें बिहार के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने भाग लिया। कैंप के दौरान स्वयंसेवकों की ड्रिल प्रैक्टिस, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रतिभा एवं प्रदर्शन का परीक्षण किया गया है ।इस अवसर पर पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार अबू बकर, ए.एन. कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रत्ना अमृत, राष्ट्रीय सेवा योजना बिहार एवं झारखंड के निदेशक विनय कुमार सिंह, यूथ ऑफिसर दीपक मंडल एवं प्रियव्रत मंडल सहित अन्य पदाधिकारी एवं अतिथिगण उपस्थित रहे हैं।

डॉ. राजेश कुमार मिश्र ने कहा कि प्री-आरडी कैंप स्वयंसेवकों के लिए अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रसेवा की भावना को विकसित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय स्तर की गतिविधियों के लिए तैयार किया जाता है ।गया कॉलेज के स्वयंसेवकों ने ड्रिल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए महाविद्यालय एवं मगध विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया है।

खेल सामग्री पाकर खिले छात्र छात्राओं के चेहरे

प्रात : किरण संवाददाता

गया। इनर व्हील क्लब ऑफ गया सिटी की योर से इमिलिया चक स्थित सरकारी स्कूल मे छात्र छात्राओं के बीच विभिन्न प्रकार के खेल कूद और स्पोर्ट्स सामग्री जैसे लोडो, स्किपिंग रूप, बॉल, बल्ला, बिस्किट, चाकलेट इत्यादि का वितरण किया गया है। इस पहल का उद्देश्य बच्चों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना और उनके शारीरिक और मानसिक विकास को बढ़ावा देना है।

क्लब की सदस्यों ने बच्चों से संवाद करते हुए खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला।

क्लब की अध्यक्ष स्मिता भदानी ने कहा कि पढ़ाई के साथ साथ खेल भी बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं क्लब की चार्टर अद्यक्ष सिखा रानी ने कहा कि खेल बच्चों में अनुशासन, आत्म विश्वास, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता विकसित करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

खेल सामग्री पाकर बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। बच्चों ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि उपलब्ध कराई गई सामग्री से उन्हें नियमित रूप से खेल कूद में भाग लेने और अपनी प्रतिभा को निखारने का मौका मिलेगा।

इनर व्हील क्लब ऑफ गया सिटी की इस पहल की विद्यालय परिवार और शिक्षकों ने बहुत सराहना की और कहा कि इस प्रकार के सामाजिक प्रयास बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। क्लब की सचिव कंचन कुमार जी ने कहा कि क्लब भविष्य में भी शिक्षा, स्वास्थ्य और बाल कल्याण से जुड़े कई कार्य करता रहेगा। इस अवसर पर क्लब की सदस्या राखी कुमारी, शीतल प्रसाद, रंजना भदानी इत्यादि मौजूद रही है

2अक्टूबर को जीविका के 20साल पूरे होने पर जदयू गयाजी के द्वारा नीतीश संवाद

■ नीतीश कुमार ने अपने 20 वर्षो के कार्यकाल में महिलाओं को सम्मान और अधिकार प्रदान किया- अजय कुशवाहा

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी ।जद यू कार्यालय गयाजी में महिला प्रकोष्ठ की बैठक में जिला अध्यक्ष ई अजय कुशवाहा के निर्देश पर हुई हैं इस बैठक की अध्यक्षता पूर्व जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ पूनम कुशवाहा के द्वारा की गई बैठक में निर्णय लिया गया कि महिला सशक्तिकरण के लिए जो कार्य बिहार में युगपुरुष नीतीश कुमार ने किया, स्वतंत्र भारत के इतिहास में उतना कार्य ओर कहीं भी नहीं हुआ आज निर्विवाद सत्य है कि महिलाएं जद यू का सबसे मजबूत आधार है और नीतीश कुमार आधी आवादी के सबसे बड़े हितैषी हैं।ई अजय कुशवाहा ने कहा नीतीश कुमार ने अपने 20 वर्षो के कार्यकाल में महिलाओं को सम्मान और अधिकार प्रदान किया चाहे साइकिल योजना, पोशाक योजना, कन्या उत्थान योजना, पंचायती राज, शिक्षक नियुक्ति, सरकारी नौकरी, महिला रोजगार सहित महिलाओं के उत्थान में युगपुरुष नीतीश कुमार आधी आवादी को आत्मनिर्भर बनाने हेतु अनेकों ऐतिहासिक कार्य महिलाओं के उत्थान हेतु किये

जीविका के 20साल बेमिसाल पर 2अक्टूबर को हरिदास सेमिनरी उच्च विद्यालय गया जी में 11बजे से जीविका दीदीयों का भव्य कार्यकर्म आयोजित जद यू गयाजी की तरफ से की गई है जिसमें प्रदेश से कई नेत्री शामिल होगी सभी जीविका दीदीयों युग पुरुष नीतीश कुमार के प्रति आभार व्यक्त करेंगे हजारों जीविका दीदीयों ने इस कार्यकर्म में भाग लेंगी,इस बैठक मे उपस्थित रहे राजू बर्नवाल,मती देव रानी देवी,शोभा चौधरी, सोनम दास, कुमारी रिंकू देवी, मितंबरन लोहड़े, पिंकी देवी, गीता देवी, संजू देवी , प्रभात कुमार राउत, दिनेश कुमार सिन्हा, कैलाश पासवान सुनीता देवी,रेशमा खातून,पप्पू दांगी,विनोद यादव,अरुण राव,सियाराम मिश्रा मो अलेक्जेंडर खान ,मधुसूदन राय आदि उपस्थित रहे हैं

राष्ट्रीय लोक मोर्चा देगा युवाओं को उनकी राजनीतिक जिम्मेदारी - भागीदारी - हिस्सेदारी : डॉ. चन्दन यादव

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी ।राष्ट्रीय लोक मोर्चा, बिहार (युवा) के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. चन्दन यादव ने पार्टी के नेता और राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय उपेन्द्र कुशवाहा से मुलाकात कर संगठन को मजबूत और सशक्त करने की दिशा में सशक्त संकल्प -युवा विकल्प, राष्ट्रीय लोक मोर्चा, बिहार युवा संवाद कार्यक्रम पर चर्चा किया गया है।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा,बिहार (युवा) सत्य और अहिंसा की शक्ति को देश और दुनियां के सामने ला कर अपने देश को आजादी दिलाने वाले अपने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं ह्लजय जवान, जय किसान का नारा दे कर अपने देश के जवानों और किसानों एकजुट कर देश को मजबूती की राह पर अग्रसर करने वाले देश के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जयंती से बिहार के सभी जिलों में युवा संवाद स्थापित कर संगठन की मजबूती के साथ युवाओं को सक्रीय राजनीति के लिए आमंत्रित करेगा एवं इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं में बढ़ रहे सूखे नशे की रोकथाम के लिए जनजागरूकता किया जायेगा ।

इस कार्यक्रम का प्रथम चरण में 02 अक्तूबर 2026 से संवाद सह जागरूकता अभियान शुरू करेगा जिसमें कैमूर, रोहतास, बक्सर, भोजपुर, नालंदा, शेखपुरा, लखीसराय, बेगुसराय, खगड़िया, मुंगेर, जमुई, बांका एवं भागलपुर 09 अक्तूबर 2026 तक चलेगा ।इस कार्यक्रम का दूसरा चरण 23 अक्टूबर 2026 से शुरू होगा जिसमें पूर्णिया प्रमंडल, कोसी प्रमंडल, दरभंगा प्रमंडल एवं मगध प्रमंडल के विभिन्न जिलों में 31 अक्टूबर 2026 तक एवं तीसरा चरण 18 नवम्बर 2026 से तिरहुत एवं सारण प्रमंडल के विभिन्न जिलों में आयोजित किया जाएगा ।

और इसके साथ ही आगामी 06 दिसंबर 2026 को भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पी डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के महापरिनिर्वाण दिवस पर पटना जिला में बैठक कर को आगे की रूपरेखा के लिए तैयार किया जायेगा।

जनता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर एसडीएम से मिले रविंद्र कनौजिया

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। समाजसेवी रविंद्र कनौजिया ने अरवल की जनता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर अरवल अनुमंडल कार्यालय में एसडीएम संजीव कुमार से मुलाकात की और लिखित आवेदन देकर कई विषयों पर ध्यान आकृष्ट कराया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची में अत्यंत गरीबों का नाम दर्ज नहीं है, जबकि कई अपात्र लोगों का नाम जोड़ दिया गया है। इस पर उन्होंने नाराजगी जताई। साथ ही उन्होंने कहा कि गरीबों को मिलने वाला पांच किलो राशन मात्र चार किलो ही पहुंच रहा है। रविंद्र कनौजिया ने अरवल शहर ब्लॉक एरिया में जाम की समस्या से भी एसडीएम को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि किसानों को यूरिया और डीएपी खाद के लिए काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है, समय पर खाद नहीं मिल रहा है। उन्होंने बाजारों में बिक रहे नकली और मिलावटी खाद्य पदार्थों पर रोक लगाने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि मिलावटी खाद्य सामग्री से ग्राहकों एवं आम जनता के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है।

कुर्था में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के नए परिसर का हुआ शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

कुर्था, स्थानीय बाजार स्थित यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की शाखा के नए परिसर का शुभारंभ बुधवार को किया गया नए परिसर का उद्घाटन यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्र प्रमुख मनीष श्रीवास्तव ने फीता काटकर किया इस अवसर पर सहायक महाप्रबंधक निलेश कुमार मोहन,शाखा प्रबंधक रितेश कुमार सहित बैंक के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में खाताधारक मौजूद रहे कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र प्रमुख मनीष श्रीवास्तव ने बेहतर ग्राहकों को पौधा एवं बुके देकर सम्मानित किया इस मौके पर क्षेत्र प्रमुख मनीष श्रीवास्तव ने कहा कि कुर्था में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की शाखा वर्ष 1972 से ग्राहकों को बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध करा रही है।

ग्राहकों की बढ़ती संख्या एवं उनकी सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए नए परिसर का शुभारंभ किया गया है नए परिसर में ग्राहकों को पहले की अपेक्षा और बेहतर एवं सुविधाजनक बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी उन्होंने कहा कि बैंक का उद्देश्य ग्राहकों को सरल सुगम और बेहतर बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराना है नए परिसर के शुभारंभ से कुर्था एवं आसपास के क्षेत्र के खाताधारकों को काफी सुविधा मिलेगी।

महिलाओं के पहल पर दधपी गांव में होगा कुंआ का उद्धार

प्रात : किरण संवाददाता

गोह,(औरंगाबाद)(सं.)। गोह प्रखंड के दधपी गांव इन दिनों चर्चा में बना हुआ है। महिलाओं के अथक प्रयास से सरकारी जमीन पर अवस्थित सरकारी कुंआ का उद्धार होने वाला है। दाउदनगर एसडीओ अमित राजन के आदेश पर कुंआ का जीर्णोद्धार होगा। बताया जाता है कि वार्ड संख्या 13 में आम गैरमजरूआ जमीन में अवस्थित कुंआ सरकारी उपेक्षा का शिकार है। जिसके कारण कुंआ के पास के किशोरी सिंह कुंआ का कब्जा करने के उद्देश्य से बांस बल्ला से ढककर मकान बनाना शुरू कर दिये थे। तो पास के कुछ लड़कियों एवं महिलाओं ने कुंआ बचाने का बीड़ा उठाया। माई भारत के वोलेंटियर नीरू कुमारी के नेतृत्व में कुछ महिलाओं ने एसडीओ, बीडीओ सीओ सहित अन्य अधिकारियों को कुंआ को अतिक्रमण मुक्त कराकर जीर्णोद्धार करने की मांग किया। एसडीओ के आदेश पर गोह बीडीओ ने स्थल जांच किया। पिछले दिनों ग्राम पंचायत मुख्यालय के आयोजित ग्राम सभा मे 80 हजार रुपये की लागत से कुंआ का जीर्णोद्धार करने का योजना को मंजूर किया गया। वोलेंटियर ने बताया कि यह काम आसान नहीं था। काफी संघर्ष करना पड़ा। उनके साथ पड़ोस के कई लड़कियों एवं महिलाओं ने साथ दिया। यह कुंआ काफी पुराना है। पहले यह जलस्त्रोत का एक मात्र माध्यम था। साथ ही यह आस्था का भी केंद्र है। जब भी कोई धार्मिक अनुष्ठान होता था तो उसी कुंआ के पानी का लोग इस्तेमाल करते थे। इस मिशन में अनिता कुमारी, सुप्रिया कुमारी, चांदनी कुमारी,रिंकू देवी, देवन्ती देवी,मीना देवी सहित कई महिलाओं ने भरपूर सहयोग कर रहे हैं। इस संदर्भ में बीडीओ परवेज आलम ने कहा कि गांव के महिलाओं का प्रयास अनुकरणीय है। आवंटन प्राप्त होते ही जल्द कुंआ का जीर्णोद्धार किया जाएगा।

बाढ़ राहत में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, चंपारण तटबंध टूटने की होगी जांच : मंत्री

- प्रभावित परिवारों को तीन से पांच दिनों तक भोजन या सूखा राशन उपलब्ध कराने का निर्देश, क्षतिग्रस्त घरों का होगा सर्वे

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। बगहा अनुमंडल सभागार में बुधवार को बिहार सरकार के मत्स्य, डेयरी एवं पशु संसाधन मंत्री नंद किशोर राम की अध्यक्षता में बाढ़ राहत कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक हुई। बैठक में बाढ़ प्रभावित इलाकों में चल रहे राहत कार्यों, सामुदायिक किचेन, राहत शिविर, भोजन, पेयजल, दवा वितरण तथा प्रभावित परिवारों को सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बाढ़ प्रभावित लोगों की जरूरत के अनुसार अगले तीन से पांच दिनों तक सामुदायिक किचेन के माध्यम से भोजन अथवा सूखा राशन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों तक भोजन, पेयजल, दवा और अन्य आवश्यक सुविधाएं समय पर पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। चंपारण तटबंध टूटने की होगी जांच बैठक के बाद मंत्री ने चंपारण तटबंध टूटने के मामले पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि तटबंध टूटने के कारणों की जांच कराई जाएगी। तटबंध रात में किस परिस्थिति में टूटा और उससे जुड़ी परिस्थितियां क्या थीं, इसकी भी जांच होगी। जांच में जो भी जिम्मेदार पाए जाएंगे, उनके खिलाफ सरकार स्तर से कार्रवाई की जाएगी। पप्पू यादव के आरोपों पर भी बोले मंत्री पूर्णिया सांसद पप्पू यादव के बगहा दौरे और सरकार पर लगाए गए आरोपों से संबंधित सवाल पर मंत्री ने कहा कि देश में लोकतंत्र है और सभी को अपनी बात रखने की स्वतंत्रता है। उन्होंने कहा कि सांसद कोसी क्षेत्र में मौजूद नहीं थे और उन्हें क्षेत्र की वास्तविक स्थिति को देखने की जरूरत है।

आवास योजना की सूची पर ग्रामीणों ने उठाए सवाल, 1400 दावेदारों में महज 572 नाम

प्रात : किरण संवाददाता

सुगौली, पू.चः प्रखंड के सुकुल पाकड़ पंचायत में इंदिरा आवास/प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची को लेकर ग्रामीणों ने सवाल उठाते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी से निष्पक्ष जांच की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत सरकार भवन में आयोजित आमसभा के दौरान आवास योजना के संभावित लाभुकों की सूची को माइकिंग कर जानकारी दी गई। इस दौरान सामने आया कि योजना के लिए दावेदारी करने वाले 1400 से अधिक ग्रामीणों की तुलना में वर्तमान सूची में मात्र 487 लोगों के नाम शामिल हैं। ग्रामीण राजकुमार, ओमप्रकाश साह, अरविंद कुमार साह, चंदेश्वर साह, सोना देवी, नितेश कुमार, अमरलाल कुमार, पनवा देवी, राजू साह और कुलदीप साह सहित अन्य लोगों ने आरोप लगाया कि सूची में कुछ ऐसे लोगों के नाम भी शामिल हैं, जिनके पास पक्का मकान और पर्याप्त जमीन है। वहीं, कई गरीब, भूमिहीन एवं वास्तविक जरूरतमंद परिवार सूची से बाहर हैं। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि पात्र लाभुकों के नाम मनमाने तरीके से सूची से हटाए गए हैं। ग्रामीणों ने बीडीओ को दिए आवेदन में वर्तमान सूची में शामिल सभी 487 नामों का निष्पक्ष एवं स्थल जांच के माध्यम से सत्यापन कराने की मांग की है। साथ ही सूची से बाहर रह गए पात्र परिवारों की भी दोबारा जांच कराने का आग्रह किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि जांच के दौरान यदि कोई लाभुक अपात्र पाया जाता है या नियमों की अनदेखी एवं अनियमितता सामने आती है तो संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। वहीं, पात्र रह जाने वाले जरूरतमंद परिवारों को योजना का लाभ दिलाने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए। वहीं बीडीओ नूतन किरण ने बताया कि आवेदन के आधार पर संबंधित अधिकारियों से जांच करवाया जाएगा और साथ ही गलत नाम अंकित लोगों को डिलीट किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

बाढ़ का पानी उतरने के बाद महामारी की आशंका, पूर्व मुखिया ने स्वास्थ्य विभाग से की पहल की मांग

बगहा। गंडक नदी में आई भीषण बाढ़ के बाद अब बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जलजनित बीमारियों और महामारी का खतरा बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। बाढ़ का पानी कई इलाकों से उतरने लगा है, लेकिन कुछ स्थानों पर अब भी पानी जमा हुआ है। ऐसे में पूर्व मुखिया राजलाल महतो ने जनप्रतिनिधियों और स्वास्थ्य विभाग से प्रभावित क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाने की मांग की है। पूर्व मुखिया राजलाल महतो ने कहा कि रहुआ टोला, चकदहवा, कांही टोला, झंडू टोला सहित जिन क्षेत्रों में बाढ़ का पानी पहुंचा था, वहां पानी उतरने के बाद गंदगी, जलजमाव और दूषित पानी के कारण लोगों के बीच बीमारी फैलने की आशंका बनी हुई है। कई जगहों पर अभी भी बाढ़ का पानी जमा है। उन्होंने कहा कि बाढ़ के बाद प्रभावित गांवों में दवा का छिड़काव, ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव, साफ पेयजल की व्यवस्था और स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए जाने की जरूरत है। साथ ही लोगों को जलजनित बीमारियों से बचाव को लेकर जागरूक करने की भी मांग की गई। राजलाल महतो ने जनप्रतिनिधियों और स्वास्थ्य विभाग से अपील की कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का तत्काल सर्वे कराकर आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि बाढ़ के बाद किसी प्रकार की महामारी की स्थिति उत्पन्न न हो।

भेडीहरवा नहर के पास पुलिस की छापेमारी, शराब की बड़ी खेप जब्त

मैनाटांड़। इंडो-नेपाल सीमा के समीप पुलिस ने शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 180 लीटर नेपाली शराब बरामद की। हालांकि, पुलिस टीम के पहुंचने की भनक लगते ही तस्कर मौके से फरार हो गया। बरामद शराब को जब्त कर पुलिस थाना ले आई है। मैनाटांड़ थानाध्यक्ष जय भगवान कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि नेपाल सीमा से शराब की खेप लाकर भेडीहरवा नहर के समीप छिपाई गई है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए नहर के पास छापेमारी की। पुलिस को देखते ही मौके पर मौजूद तस्कर फरार हो गया। तलाशी के दौरान पुलिस ने मौके से 180 लीटर नेपाली शराब बरामद की। फरार तस्कर की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर छापेमारी के साथ जांच में जुटी है। पुलिस की इस कार्रवाई से सीमावर्ती क्षेत्र में शराब तस्करों में हड़कंप है।

14वें दिन रेस्क्यू: मंगुराहा के जसौली जंगल से बाघिन ट्रेंकुलाइज कर पकड़ी गई, बक्सा भेजी गई

बगहा। पश्चिम चंपारण के वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) के मंगुराहा वन क्षेत्र के जसौली जंगल में बाघिन को पकड़ने के लिए चलाया जा रहा रेस्क्यू अभियान मंगलवार को 14वें दिन सफल हुआ। कंपार्टमेंट संख्या-70 के समीप विशेष रेस्क्यू टीम ने शाम करीब छह बजे बाघिन को ट्रेंकुलाइज कर सुरक्षित पकड़ लिया। इसके बाद मौके पर ही विशेषज्ञों और पशु चिकित्सकों की निगरानी में बाघिन की स्वास्थ्य जांच की गई। स्वास्थ्य परीक्षण पूरा होने के बाद रात करीब 10:15 बजे बाघिन को विशेष एंबुलेंस से गोरखपुर एयरपोर्ट के लिए रवाना किया गया। मंगुराहा वन क्षेत्र कार्यालय से गोरखपुर की दूरी करीब 160 किलोमीटर बताई गई है। वीटीआर के वन संरक्षक-सह-क्षेत्र निदेशक गौरव ओझा, पशु चिकित्सक और विशेषज्ञों की टीम भी बाघिन के साथ रवाना हुई। गोरखपुर से बाघिन को हवाई मार्ग से पश्चिम बंगाल ले जाया गया, जहां उसे बक्सा टाइगर रिजर्व में बसाने की तैयारी है। अधिकारियों के अनुसार, स्वास्थ्य जांच और अन्य प्रक्रिया पूरी होने के बाद दो अक्टूबर को बक्सा में बाघिन को बसाने की तैयारी की जा रही है। बाघिन को पकड़ने के लिए चलाए जा रहे अभियान में पिछले चार दिनों से लगातार बारिश के कारण बाधा उत्पन्न हो रही थी। मौसम साफ होने के बाद रेस्क्यू टीम ने अभियान तेज किया। सोमवार रात टीम की ओर से रखे गए मवेशी का बाघिन ने शिकार किया। इसके बाद घटनास्थल से मिले पगमार्क के आधार पर बाघिन की गतिविधियों को ट्रेस कर ट्रेनकुलाईज किया गया।

जिला प्रशासन और बाल संरक्षण इकाई के प्रयास से 700 ग्राम के नवजात को मिला नया जीवन

मोतिहारी बिहार सरकार की बाल कल्याण प्राथमिकताओं और जिला प्रशासन, पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) की त्वरित तत्परता से एक नवजात मासूम को मौत के मुंह से बाहर निकाल लिया गया है। परिजनों द्वारा परित्यक्त किए गए महज 700 ग्राम के नवजात शिशु को जिला बाल संरक्षण इकाई और सदर अस्पताल के डॉक्टरों की टीम ने नया जीवन दिया है। क्या है पूरा मामला? हाल ही में एक अत्यंत गंभीर स्थिति में 700 ग्राम का एक नवजात शिशु लावारिस हालत में पाया गया था। सूचना मिलते ही मोतिहारी जिला बाल संरक्षण इकाई (सहायक निदेशक बाल संरक्षण) ने मामले का तत्काल संज्ञान लिया। बाल अधिकारों और सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए बच्चे को तुरंत बाल कल्याण समिति (उहउ) के समक्ष प्रस्तुत किया गया और उहउ के निर्देश पर अविलंब सदर अस्पताल, मोतिहारी में भर्ती कराया गया। चुनौतीपूर्ण था इलाज, डॉक्टरों ने जताई थी कम उम्मीद अत्यंत कम वजन (700 ग्राम) और गंभीर शारीरिक स्थिति को देखते हुए शुरूआत में चिकित्सकों ने बच्चे के बचने की संभावना बहुत कम जताई थी। लेकिन जिला प्रशासन के सतत अनुश्रवण और सदर अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टरों व मेडिकल स्टाफ की दिन-रात की मेहनत रंग लाई। 1800 ग्राम हुआ वजन, बच्चा पूरी तरह सुरक्षित सही देख-रेख, बेहतर चिकित्सा सुविधा और पोषण पुनर्वास (पी२३ड्ड१३ड्डल्ल) के बाद मासूम की सेहत में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। जिस बच्चे का वजन महज 700 ग्राम था, वह अब स्वस्थ होकर 1800 ग्राम का हो चुका है। बच्चा लगभग पूरी तरह रिकवर कर चुका है और फिलहाल चिकित्सकों की देख-रेख में सुरक्षित है। बिहार सरकार और जिला प्रशासन की संवेदनशीलता की मिसाल यह सफलता बिहार सरकार की ह्यबाल संरक्षण योजनाओंह्ण और मोतिहारी जिला प्रशासन की जन-संवेदनशीलता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। सहायक निदेशक बाल संरक्षण ने बताया कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप जिले में हर अनाथ, असहाय और संकटग्रस्त बच्चे की सुरक्षा और स्वास्थ्य देखभाल के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। स्वास्थ्य में पूर्ण सुधार होते ही बच्चे के आगे के पुनर्वास के लिए नियमानुसार प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

बाढ़ के बाद आबादी में बढ़ा सर्पदंश का खतरा, कोबरा के डसने से दो वर्षीय मासूम की मौत

बगहा। बाढ़ के बाद ग्रामीण इलाकों में जलजमाव के बीच अब जहरीले सांपों के आबादी वाले क्षेत्रों में पहुंचने का खतरा बढ़ गया है। ठकराहा थाना क्षेत्र की जगीराहा पंचायत के भेड़िहारी टोला में मंगलवार देर शाम घर की सीढ़ी के पास छिपे कोबरा के डसने से दो वर्षीय मासूम की मौत हो गई। मृतक गुड्डू यादव का पुत्र बताया गया है। घटना के बाद परिजनों में चीख-पुकार मच गई और गांव में मातम पसरा है। परिजनों के अनुसार, मंगलवार शाम बच्चा घर के अंदर सीढ़ियों के पास खेल रहा था। इसी दौरान सीढ़ी में छिपे कोबरा ने उसे डस लिया। सर्पदंश के बाद बच्चा रोने लगा, लेकिन परिजनों को तत्काल सांप के काटने की जानकारी नहीं हुई। उन्हें लगा कि खेलते समय बच्चे को चोट लगी होगी। बताया गया कि रात करीब आठ बजे के बाद अचानक बच्चे की तबीयत बिगड़ने लगी और वह बेहोश हो गया। इसके बाद परिजन उसे तत्काल स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने जांच के बाद बच्चे को मृत घोषित कर दिया। इसके बावजूद परिजन बच्चे को बचाने की उम्मीद में उसे सदर अस्पताल पडरौना लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मासूम की मौत की घटना ने बाढ़ प्रभावित इलाकों में रहने वाले लोगों की चिंता और बढ़ा दी है। ग्रामीणों से घरों और आसपास के हिस्सों में सावधानी बरतने तथा सांप दिखाई देने पर उसे पकड़ने या मारने के बजाय वन विभाग अथवा संबंधित विशेषज्ञ टीम को सूचना देने की अपील की जा रही है।

सैलाब के सितम से वन्यजीव भी बेहाल, बाढ़ में फंसे दो हिरणों का रेस्क्यू

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। गंडक नदी के बढ़ते जलस्तर और बाढ़ के कारण इंसानों के साथ-साथ वन्यजीवों की मुश्किलें भी बढ़ गई हैं। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) के कई इलाकों में बाढ़ का पानी फैलने के बाद जंगली जानवर सुरक्षित ठिकाने की तलाश में रिहायशी इलाकों की ओर भटक रहे हैं। इसी दौरान बगहा-1 प्रखंड के जमुनिया और ठकराहा प्रखंड के मोतीपुर नवका टोला क्षेत्र में बाढ़ के पानी में फंसे दो हिरणों का वन विभाग की टीम ने सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया। बताया गया कि दोनों स्थानों पर ग्रामीणों ने बाढ़ के पानी में हिरणों को भटकते और बहते हुए देखा। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन कर्मियों की टीम मौके पर पहुंची और सावधानीपूर्वक दोनों हिरणों को सुरक्षित बाहर निकाला। रेस्क्यू के बाद वन विभाग की टीम ने दोनों हिरणों की स्थिति की जांच की। इसके बाद उन्हें सुरक्षित रूप से वीटीआर के जंगल में छोड़ दिया गया। बगहा रेंजर श्रीमान मालाकार ने बताया कि बाढ़ और जलभराव के कारण वन्यजीव अपने प्राकृतिक क्षेत्र से भटककर रिहायशी इलाकों की ओर पहुंच रहे हैं। सूचना मिलने के बाद वन विभाग की प्रशिक्षित रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंचकर वन्यजीवों को सुरक्षित बचाने और उन्हें उनके प्राकृतिक आवास में वापस छोड़ने का काम कर रही है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि बाढ़ के दौरान यदि किसी इलाके में जंगली जानवर दिखाई दे तो उसके साथ किसी तरह की आक्रामकता न दिखाएं और न ही उसे पकड़ने का प्रयास करें।

नेपाल में बारिश-बाढ़ और भूस्खलन से 27 लोगों की मौत, 4 लापता

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। नेपाल में 24 से 27 सितंबर के बीच हुई लगातार भारी बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन समेत 542 आपदा घटनाएं दर्ज की गईं। नेपाल के राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (ठ३अफ्फ्टअ) के अनुसार इन घटनाओं में 27 लोगों की मौत, चार लोग लापता और आठ लोग घायल हुए हैं। सबसे अधिक नुकसान भूस्खलन से हुआ। इस दौरान 304 भूस्खलन की घटनाएं दर्ज हुईं, जिनमें 20 लोगों की मौत हुई और चार लोग लापता हैं। वहीं 87 बाढ़ की घटनाओं में चार लोगों की मौत हुई, जबकि भारी बारिश से जुड़ी 151 घटनाओं में तीन लोगों की जान गई। भारी बारिश से 227 मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुए, जबकि 142 मकानों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। बाढ़ और भूस्खलन से 31 पुल भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। आपदा से 1,082 परिवार प्रभावित हुए और 114 मवेशियों की मौत हुई। ठ३अफ्फ्टअ के मुताबिक 186 वर्षा माप केंद्रों पर 100 मिलीमीटर से अधिक बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक 544.2 मिलीमीटर बारिश नवलपरासी पूर्व के देढगांव में दर्ज हुई। इसके बाद कास्की के पंचासे में 500.2 मिलीमीटर और तनहूं के अत्रौलीटार में 472 मिलीमीटर बारिश हुई। बाढ़ और भूस्खलन की आशंका वाले इलाकों से करीब 2,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। नेपाल पुलिस, सशस्त्र पुलिस बल और नेपाली सेना को राहत एवं बचाव कार्य में लगाया गया है। करीब 9.8 लाख लोगों को बाढ़ की चेतावनी वाले एसएमएस भेजे गए।

दिव्यांग बच्चों की जांच के लिए शिविर आयोजित, 140 बच्चों की हुई जांच

प्रात : किरण संवाददाता

सुगौली, पू.चः बिहार शिक्षा परियोजना, पूर्वी चंपारण के तत्वावधान में 30 सितंबर को प्रखंड बीआरसी सभागार में दिव्यांग बच्चों की जांच के लिए विशेष शिविर आयोजित किया गया। शिविर में विभिन्न प्रकार की दिव्यांगता से संबंधित बच्चों की जांच कर दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं सहायक उपकरण के लिए चिह्नित किया गया। शिविर में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. उपेंद्र कुमार, नेत्र विशेषज्ञ डॉ. फैजुल हक, श्रवण रोग विशेषज्ञ डॉ. तृप्ति एवं फिजिशियन डॉ. शुभम कुमार ने बच्चों की जांच की। शिविर में कुल 140 दिव्यांग बच्चों ने अपनी जांच कराई। इनमें 88 बच्चों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाया गया, जबकि 44 बच्चों को सहायक उपकरण के लिए चिह्नित किया गया। वहीं, नौ बच्चों को बेहतर उपचार के लिए सदर अस्पताल रेफर किया गया। बिहार शिक्षा परियोजना, पूर्वी चंपारण से आए साधनसेवी समावेशी शिक्षा आलोक कुमार मिश्रा, ऑडियोलॉजिस्ट आशीष गुप्ता एवं पीएंडओ नरेंद्र कुमार ने भी बच्चों की जांच में सहयोग किया। इनके द्वारा तीन दिव्यांग बच्चों को सहायक उपकरण के लिए चिह्नित किया गया। इस अवसर पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी रंजीत कुमार ने दिव्यांगता प्रमाण पत्र के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अभिभावकों को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी समस्या की स्थिति में अभिभावक बेहिचक संपर्क करें, उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रयास किया जाएगा। शिविर में पहुंचे सभी बच्चों एवं उनके अभिभावकों के लिए नाश्ते की व्यवस्था की गई। शिविर को सफल बनाने में समावेशी शिक्षा के साधनसेवी प्रमोद कुमार विद्यार्थी, प्रभात कुमार एवं संतोष कुमार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जिलाधिकारी ने खुद जिला स्कूल में, बच्चों से इंटरेक्ट किया और लगभग एक घंटा तक सामान्य अध्यापक की भूमिका में बच्चों क्लास में पढ़ाया

प्रात : किरण संवाददाता

मुख्यमंत्री बिहार सरकार द्वारा जुलाई 26 में संपूर्ण राज्य में एक साथ 551 सरस्वती विद्या निकेतन (आदर्श विद्यालय) का लोकार्पण किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों को आधुनिक और उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। पूर्वी चंपारण जिला में इस अवसर पर कुल 33 विद्यालयों को आदर्श विद्यालय के रूप में चिन्हित कर स्थापित किया गया। इन विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम, ई लाइब्रेरी, विज्ञान व कंप्यूटर की आधुनिक प्रयोगशालाओं और खेलकूद की बेहतरीन व्यवस्था कराई गई है। यहां अनुभवी और विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु शिक्षा प्रदान किया जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत सरस्वती विद्या निकेतन (आदर्श विद्यालय) में शिक्षा के स्तर को और अधिक सुदृढ बनाने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने तथा विद्यालय के प्रशासनिक एवं शैक्षणिक माहौल को बेहतर करने के उद्देश्य से जिला एवं अनुमंडल स्तरीय पदाधिकारीगण को विद्यालय से संबद्ध किया गया है। खुद जिलाधिकारी ने जिला स्कूल मोतिहारी को गोंद लिया है। मंगल सेमिनरी को अपर समाहर्ता श्री मुकेश कुमार सिंहा और एमजेके बालिका इंटर कॉलेज को डॉ प्रदीप कुमार उप विकास आयुक्त ने गोद लिया है। जिलाधिकारी, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता लोक शिकायत सहित सभी 33 सरस्वती विद्या निकेतन (मॉडल स्कूल) को गोंद लेने वाले पदाधिकारी गण द्वारा विद्यालय का भ्रमण किया गया। जिलाधिकारी ने खुद जिला स्कूल मोतिहारी का भ्रमण किया, वहां बच्चों से इंटरेक्ट किया और लगभग एक घंटा तक सामान्य अध्यापक की भूमिका में बच्चों क्लास में पढ़ाया। इस दौरान बच्चों को मोटिवेट किया गया। विद्यालय के अन्य व्यवस्थाओं को भी देखा गया एवं जरूरी निर्देश दिए गए। विकास आयुक्त ने एमजी के बालिका इंटर विद्यालय का भ्रमण कर वहां की व्यवस्थाओं को दिखा एवं बच्चों के साथ इंटरेक्ट करते हुए विद्यालय में पठन-पाठन सहित अन्य गतिविधियों का जायजा लिया वहां पर छात्राओं ने विद्यालय कैंपस में एक कैंटीन खुलवाने की मांग की जिसको उप विकास आयुक्त में स्वीकार करते हुए अग्रेत्तर कार्रवाई करने की बात कही। आज दिनांक 30.09.2026 को जिला के सभी 33 सरस्वती विद्या निकेतन में पदाधिकारीगण के द्वारा विद्यालयों की आदर्श स्थिति का जायजा लिया गया। इस दौरान क्लासरूम, साइंस लैब, लाइब्रेरी की व्यवस्था, खेलकूद एवं अन्य गतिविधियों की संचालन, स्मार्ट क्लास की व्यवस्था, इको लैब, विद्यार्थी कल्याण, डिजिटल शिक्षा का विस्तार, कल्चरल एक्टिविटी का मुआयना किया गया एवं विद्यार्थियों से इंटरेक्ट किया गया। पदाधिकारी गण के द्वारा अभिभावक शिक्षक संगोष्ठी में भाग लिया गया एवं अभिभावकों से भी मॉडल स्कूल में पढ़ाई और व्यवस्थापन संबंधी फीडबैक प्राप्त किया गया।

नारायणी की बाढ़ से भरतपुर का स्कूल गाद में डूबा, कक्षाएं बंद

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। नेपाल के चितवन जिले में लगातार चार दिनों की भारी बारिश और नारायणी नदी में आई बाढ़ से भरतपुर महानगरपालिका-1 स्थित एक सरकारी विद्यालय में भारी मात्रा में कीचड़ और गाद भर गई। बाढ़ का पानी 24 से 27 सितंबर के बीच स्कूल की कक्षाओं में घुस गया, जिसके बाद विद्यालय में पढ़ाई बंद हो गई। बाढ़ का पानी उतरने के बाद कक्षाओं के फर्श पर मोटी गाद जम गई है, जिसे हटाना भी मुश्किल हो रहा है। आसपास के घरों में भी बाढ़ का पानी और कीचड़ पहुंचने के कारण मजदूर उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। ऐसे में शिक्षक और विद्यालय कर्मचारी खुद सफाई में जुटे हैं। कुछ छात्र भी स्कूल परिसर से गाद हटाने में सहयोग कर रहे हैं। विद्यालय की ओर से वार्ड कार्यालय, भरतपुर महानगरपालिका, शिक्षा विभाग और नेपाली सेना से सफाई व राहत के लिए सहयोग मांगा गया है। विद्यालय प्रशासन का कहना है कि अभी तक ठोस रूप से सफाई दल उपलब्ध नहीं कराया गया है। महानगरपालिका की दमकल टीम ने स्कूल के ऊपरी रास्ते पर पानी का छिड़काव किया, लेकिन कक्षाओं में जमा गाद अब भी बनी हुई है। विद्यालय में करीब 120 विद्यार्थी पढ़ते हैं। लगातार बाढ़ से स्कूल भवन को पहले भी नुकसान हुआ है। तीसरी कक्षा का एक कमरा पहले की बाढ़ में कमजोर हो चुका है और उसे बच्चों की पढ़ाई के लिए असुरक्षित माना जा रहा है। दशैं की छुट्टियां नजदीक होने के बीच अभिभावकों को बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होने की चिंता है।

स्वच्छता कर्मियों के स्वास्थ्य की हुई जांच सुरक्षा उपायों की दी गई जानकारी

प्रात : किरण संवाददाता

मैनाटांड़। पंचायतों की साफ-सफाई व्यवस्था को संभालने वाले स्वच्छता कर्मियों की सेहत का बुधवार को स्वास्थ्य शिविर में जायजा लिया गया। मैनाटांड प्रखंड क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों में कार्यरत कर्मियों की चिकित्सकों ने सामान्य स्वास्थ्य जांच की और स्वस्थ रहने के जरूरी उपाय बताए। शिविर में स्वास्थ्य जांच के लिए पहुंचे स्वच्छता कर्मियों को चिकित्सकों ने नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने की सलाह दी। साथ ही व्यक्तिगत स्वच्छता और कार्यस्थल की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। सफाई कार्य के दौरान सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल करने और संक्रमण से बचाव के लिए जरूरी सावधानियां बरतने की भी जानकारी दी गई। स्वच्छता कर्मियों ने शिविर में स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया। स्वास्थ्य कर्मियों ने कहा कि सफाई कार्य से जुड़े लोगों के लिए समय-समय पर स्वास्थ्य जांच और जागरूकता कार्यक्रम जरूरी हैं, ताकि वे सुरक्षित तरीके से अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें।

सांसद पप्पू यादव उर्फ राजीव रंजन का तुरहापट्टी में भव्य स्वागत

मंगलवार को देर शाम बाढ़ पीड़ितों से मिलने के बाद लौट रहे पूर्णिया सांसद राजीव रंजन उर्फ पप्पू यादव का बेतिया-लौरिया मुख्य मार्ग स्थित तुरहापट्टी चिरान चौक पर लोगों ने जोरदार स्वागत किया। शोभा भवन परिसर में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में कांग्रेस के पूर्व विधायक मदन मोहन तिवारी ने अपने समर्थकों के साथ फूलों का माला पहनाकर सांसद पप्पू यादव का भव्य स्वागत किया गया। बड़ी संख्या में कॉंग्रेस कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोगों समेत बच्चों ने उनका स्वागत व अभिनंदन कर उनके साथ सेल्फी लिया। सांसद पप्पू यादव ने मिडियाकमीर्यों से कहा कि पश्चिम चंपारण के लोगों से हमारा गहरा रिश्ता है। महर्षि बाल्मिकी जी की तपोभूमि बाल्मीकि नगर बगहा के क्षेत्र में उन्होंने बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर पीड़ितों परिजनों से मिलकर समस्याएं सुनी तथा यथा संभव आर्थिक मदद भी किया है। उन्होंने बताया कि अभी भी कई गांवों में लोग पानी से घिरे हैं, खाने-पीने से लेकर दवाओं समेत कई समस्यों से घिरे हैं। उन्होंने सरकार से बाढ़ पीड़ितों को तत्काल राहत और उचित मुआवजा देने की मांग की। पूर्व विधायक मदन मोहन तिवारी ने कहा कि पप्पू यादव हमेशा गरीबों और आपदा पीड़ितों की मदद के लिए आगे रहते हैं। वहां से सांसद ने अपने काफीले के साथ योगापट्टी, नौतन, बैरिया आदि जगहों पर बाढ़ पीड़ितों से मिलने के रवाना हो गए। इस मौके पर कांग्रेस कार्यकर्ता हरगुण त्रिपाठी, गोपाल तिवारी, धमानंद पाण्डेय, बिहारी यादव, पवन सिंह, राकेश यादव, राजन मिश्रा, विवेक पांडेय समेत सैकड़ों ग्रामीण व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गंडक का रौद्र रूप हुआ शांत, लगातार गिर रहा जलस्तर

बगहा। गंडक नदी के बढ़े जलस्तर से मची अफरातफरी के बाद अब नदी का रौद्र रूप धीरे-धीरे शांत पड़ने लगा है। वाल्मीकिनगर गंडक बराज से पानी के डिस्चार्ज में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। जलस्तर घटने के साथ ही बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भी लोगों को राहत मिलने लगी है और जनजीवन के सामान्य होने की उम्मीद बढ़ी है। गंडक बराज वाल्मीकिनगर के 30 सितंबर को दोपहर 2 बजे के आंकड़े के अनुसार बराज से डाउनस्ट्रीम में 1,24,000 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज दर्ज किया गया था। वहीं दोपहर 3 बजे यह घटकर 1,21,500 क्यूसेक रह गया। यानी महज एक घंटे में डिस्चार्ज में 2,500 क्यूसेक की कमी दर्ज की गई। दोपहर 2 बजे बराज का अपस्ट्रीम जलस्तर 354.50 फीट था, जो शाम 3 बजे घटकर 354.40 फीट हो गया। इसी तरह डाउनस्ट्रीम जलस्तर भी 351.60 फीट से घटकर 351.50 फीट दर्ज किया गया। नेपाल के देवघाट में दोपहर 1:35 बजे और 2:25 बजे जलस्तर 4.99 मीटर दर्ज किया गया। वहां संबंधित डिस्चार्ज 1,52,539 क्यूसेक बताया गया है और ट्रेंड घटने की ओर है। गंडक के जलस्तर और डिस्चार्ज में लगातार कमी से बगहा सहित नदी किनारे के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को राहत मिलने की उम्मीद जगी है। जिन इलाकों में पिछले दिनों पानी ने जनजीवन को प्रभावित किया था, वहां जलस्तर घटने के साथ लोगों के अपने घरों और रोजमर्रा के कामकाज की ओर लौटने की स्थिति बन रही है। हालांकि निचले इलाकों में जमा पानी पूरी तरह निकलने में अभी समय लग सकता है।

आजादी के बाद आज तक दोन क्षेत्र के लोगों ने आजादी नहीं देखी, हर कीमत पर दिलाऊंगा आजादी : पप्पू यादव

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। बाढ़ प्रभावित पश्चिम चंपारण के दौरे पर पहुंचे पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से अब तक दोन क्षेत्र के लोगों ने वास्तविक आजादी नहीं देखी है। उन्होंने दावा किया कि वह हर कीमत पर दोन क्षेत्र के लोगों को आजादी दिलाने के लिए संघर्ष करेंगे। सांसद ने कहा कि वह बुधवार से दोन क्षेत्र का दौरा करेंगे और वहां की जमीनी स्थिति का जायजा लेंगे। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र लंबे समय से सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य बुनियादी सुविधाओं की समस्याओं से जूझ रहा है। बिहार का सबसे गरीब और पिछड़ा इलाका है सीमांचल पप्पू यादव ने कहा कि सीमांचल बिहार के सबसे गरीब और पिछड़े इलाकों में शामिल है। उन्होंने चंपारण को भी बाढ़ और विकास की

समस्याओं से प्रभावित क्षेत्र बताते हुए कहा कि यहां हर साल बाढ़ लोगों के लिए अभिशाप बनकर आती है। उन्होंने कहा कि बाढ़ से प्रभावित लोगों को स्थायी राहत देने के लिए सरकार को दीर्घकालिक योजना बनानी चाहिए। बांध टूटने पर अभियंताओं की भूमिका की जांच की मांग सांसद ने बाढ़ के दौरान तटबंधों के टूटने के मुद्दे पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि अगर कोई बांध या तटबंध टूटता है तो उसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और इसमें अभियंताओं की भूमिका की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बाढ़ से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए तटबंधों की निगरानी और रखरखाव पर गंभीरता से काम किया जाना जरूरी है। असम मे करोडो की मदद, बिहार को एक रुपया नहीं मिला तो, पैसा कहाँ गया? पप्पू यादव ने असम मे बाढ़ रहा के लिए केंद्र सरकार और अंबानी परिवार की ओर से 27 करोड़ दी गई सहायता का जिक्र करते हुए कहा की असम मे 14 लाख लोग प्रभावित हुए थे, वहीं बिहार मे उन्होंने दाबा करते हुए बताया बिहार मे 50लाख लोग प्रभावित हुए लेकिन एक रुपया केंद्र या अन्य लोगों से नहीं मिला, मिला तो गया कहाँ ??

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
पटना, गुरूवार, 01 अक्टूबर 2026

संक्षिप्त खबरें

दारौंदा में स्थानांतरण पर छह पंचायत सचिवों को मिला अनुभव प्रमाण पत्र

सीवान/दारौंदा प्रखंड कार्यालय में पंचायत सचिवों के स्थानांतरण के अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी शिम्पी कुमारी ने छह पंचायत सचिवों को अनुभव प्रमाण पत्र प्रदान किया। प्रमाण पत्र पाने वालों में विकास कुमार, श्रीराम प्रसाद यादव, मो. दिलशाद आरिफ, रंजन कुमार सुमन, पप्पू कुमार एवं मुकेश कुमार शामिल हैं। इस दौरान बीडीओ ने सभी के कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों के लिए प्रमाण पत्र प्रदान किया। मौके पर प्रधान सहायक ओमप्रकाश गोंड, नाजिर बिस्मिल्लाह अंसारी, उच्च वर्गीय सहायक नेशात आलम, पंचायत सचिव प्रफुल्ल कुमार एवं जितेंद्र कुमार आवास प्रवेक्षक रवि सिंह, कार्यपालक सहायक अवशेष कुमार सिंह धीरेंद्र कुमार मिश्रा , भोला कुमार यादव मौजूद रहे।

जलालपुर में चेन छीनने का विरोध करने पर युवक से मारपीट

सीवान/दारौंदा थाना क्षेत्र के जलालपुर गांव में सोने की चेन छीनने का विरोध करने पर एक युवक के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। घटना में घायल डिब्बी गांव निवासी चंद्रशेखर कुमार यादव ने दारौंदा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।प्राथमिकी के अनुसार, 27 सितंबर की रात करीब आठ बजे चंद्रशेखर अपने घर के सामने सड़क पर खाना खाने जा रहे थे। इसी दौरान पुल के पास पहले से मौजूद दो युवकों ने कथित रूप से गाली-गलौज करते हुए उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान सोने की चेन छीन लेने का भी आरोप लगाया गया है। चंद्रशेखर ने चेन की कीमत करीब पांच लाख रुपये बताई है।प्राथमिकी में कहा गया है कि चेन लेकर भाग रहे आरोपित का पीछा करने पर उसके भाई ने भी चंद्रशेखर के साथ मारपीट की। मारपीट के दौरान नाक में चोट लगने से वह गिरकर बेहोश हो गए। शोर सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर उन्हें बचाया। घटना में नाक से काफी खून निकलने की बात भी प्राथमिकी में कही गई है।इस मामले में दारौंदा थाने में कांड संख्या409/26 के तहत 29 सितंबर 2026 को प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दारौंदा पोषण माह पर आंगन मिलन समारोह आयोजित

सीवान/दारौंदा। प्रखंड क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 55, पिपरा काली स्थान में पोषण माह 2026 के तहत आंगन मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी शिम्पी कुमारी, सीडीपीओ मंजू कुमारी, महिला पर्यवेक्षिका (एलएस), आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका, पोषक क्षेत्र के लाभार्थी एवं आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चे शामिल हुए।इस दौरान पोषण के महत्व पर चर्चा करते हुए बच्चों एवं लाभार्थियों को संतुलित आहार, स्वच्छता तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया गया। अधिकारियों ने बच्चों के समुचित विकास के लिए नियमित पोषण एवं देखभाल पर जोर दिया। कार्यक्रम में सेविका-सहायिका ने भी पोषण संबंधी जानकारी साझा की।

आईटीसी मिशन सुनहरा कल के तहत कटारिया गांव में मियावाकी पद्धति से पौधारोपण

मुंगेर। आईटीसी मिशन सुनहरा कल के तहत प्रवाह संस्था द्वारा सदर प्रखंड के कटारिया गांव में मियावाकी पद्धति से पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। किसान पिंटू यादव के खेत में यह पौधारोपण किया गया, जिसका उद्देश्य पर्यावरण को सुरक्षित रखना और किसान को अतिरिक्त आमदनी का साधन उपलब्ध कराना है। प्रवाह संस्था के पीओ अजय कुमार ने मौके पर पौधारोपण से होने वाले लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वन देवी की पूजा-अर्चना के बाद पौधारोपण कार्य शुरू किया गया, जो अगले दो-तीन दिनों में पूरे खेत में पूरा कर लिया जाएगा। इस अवसर पर पीओ आशीष पंकज, सुपरवाइजर शंभू कुमार, आलमगीर, वीर कुमार, अरुण कुमार, राहुल एवं सुनील मौजूद थे।

नहर में डूबने से युवक की मौत

औरंगाबाद -- तरारी पंचायत के अंबेडकर नगर निवासी 40 वर्षीय सुखल लाठौर की नहर में डूबने से हुई दुखद मृत्यु की खबर अत्यंत पीड़ादायक एवं हृदयविदारक है। इस असमय निधन से पूरे परिवार पर दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा है।परिवार की दयनीय आर्थिक स्थिति को देखते हुए जनउपयोगी पहल के तहत आवश्यक राहत सामग्री उपलब्ध कराई गई। साथ ही, शोकाकुल परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया गया और इस कठिन समय में हरसंभव सहयोग के साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया गया।माननीय स्थनीय विधायक प्रकाश चंद्रा की ओर से पीड़ित परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की गई।जनसेवा केवल शब्दों तक सीमित नहीं हो बल्कि दुःख और जरूरत की घड़ी में जनता के साथ मजबूती से खड़े रहना ही सच्ची जनसेवा है।

महाराजगंज पहुंचे वाराणसी डीआरएम आशीष जैन गुड्स शेड से एलएचएस तक लिया जायजा

अधिकारियों को समय पर काम पूरा करने का निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

बिहार के सीवान से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां रेल परिचालन को सुरक्षित, सुचारु और बेहतर बनाने के उद्देश्य से वाराणसी मंडल के मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन बुधवार को महाराजगंज पहुंचे। उक्त के महाराजगंज पहुंचने को लेकर रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों में पहले से ही सक्रियता देखने को मिली। जैसे ही उक्त की विशेष ट्रेन महाराजगंज स्टेशन पहुंची, रेलवे के पदाधिकारियों और कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया।

पूरी खबर आपको विस्तार से बता दें कि उक्त आशीष जैन करीब 10 बजे विशेष ट्रेन से महाराजगंज स्टेशन पहुंचे। यहां उनका करीब 1 घंटा का ठहराव रहा। इस दौरान उन्होंने महाराजगंज स्टेशन और आसपास रेल परिसर में चल रहे विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों का जायजा लिया। संबंधित अधिकारियों से कार्यों की प्रगति के बारे में जानकारी ली गई और जहां काम चल रहा था, वहां उसकी वर्तमान स्थिति को भी देखा गया।इस निरीक्षण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा महाराजगंज में निर्माणाधीन गुड्स शेड का जायजा। उक्त ने गुड्स शेड के निर्माण कार्य और वहां भविष्य में होने वाली गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए जरूरी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उक्त ने साफ तौर पर निर्देश दिया कि निमार्णाधीन गुड्स शेड में उपयुक्त एंट्री और एग्जिट प्वाइंट की व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि आने-जाने वाले वाहनों और माल की आवाजाही को व्यवस्थित तरीके से संचालित किया जा सके।इसके साथ ही गुड्स शेड में मर्चेंट रूम और लेबर शेड की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। यानी रेलवे से जुड़े व्यापारी, कर्मचारी और श्रमिकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया।इतना ही नहीं, उक्त ने गुड्स शेड में पेयजल और प्रकाश व्यवस्था को भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। अधिकारियों को कहा गया कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद यहां मूलभूत सुविधाओं की कमी नहीं होनी चाहिए और संबंधित व्यवस्थाओं को योजना के अनुरूप पूरा किया जाए।

अब बात करते हैं निरीक्षण के एक और महत्वपूर्ण हिस्से की।

डब्ल्यूपीयू में छात्राओं को कचरा पृथक्करण और अपशिष्ट प्रबंधन की दी गई जानकारी

■ स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत भुना और मोहनपुर के छात्र-छात्राओं ने जाना गीला, सूखा और हानिकारक कचरे के उचित निस्तारण का तरीका

प्रात: किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)।स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 के तहत टेटिया बंबर प्रखंड की भुना पंचायत स्थित ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें यूएचएस उत्क्रमित हाई स्कूल,भुना एवं मोहनपुर के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को कचरा पृथक्करण (सेग्रीगेशन) और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यालय की ओर से छात्र-छात्राओं को अपशिष्ट प्रबंधन इकाई को विकसित कराकर उसके माध्यम से कचरे के उचित प्रबंधन की प्रक्रिया समझाई गई।विद्यार्थियों को बताया गया कि घरों और विद्यालयों से निकलने वाले कचरे को एक ही स्थान पर डालने के बजाय शुरूआत से ही अलग-अलग रखना जरूरी है।इससे कचरे के प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण में सुविधा होती है तथा पर्यावरण को स्वच्छ रखने में मदद मिलती है।

माइक के माध्यम से बच्चों को गीले, सूखे और हानिकारक कचरे की पहचान एवं उन्हें अलग-अलग रखने के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि भोजन के अवशेष, सब्जियों के छिलके आदि गीले कचरे में आते हैं, जबकि कागज, प्लास्टिक, कांच और अन्य पुनर्चक्रण योग्य सामग्री सूखे कचरे में शामिल होती है। वहीं, हानिकारक कचरे को अन्य कचरे से अलग रखना चाहिए। अधिकारियों ने बच्चों से अपील की कि वे विद्यालय में प्राप्त जानकारी को अपने परिवार और आसपास के लोगों तक पहुंचाएं। घरों में भी कचरे को अलग-अलग रखने की आदत अपनाने से स्वच्छता अभियान को प्रभावी बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में टेटिया बंबर की प्रखंड विकास पदाधिकारी निशा रॉय, लोहिया स्वच्छता अभियान की प्रखंड समन्वयक प्रतिमा कुमारी, कार्यपालक सहायक अमित कुमार तथा भुना पंचायत के स्वच्छता पर्यवेक्षक पप्पू कुमार सहित विद्यालय के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

जिला पदाधिकारी ने प्लस टू किसान वैदिक उच्च विद्यालय लौना तारापुर का किया निरीक्षण

प्रात: किरण संवाददाता

मुंगेर । बिहार सरकार के सात निश्चय -3 के तहत उन्नत शिक्षा-उज्ज्वल भविष्य के उद्देश्य से जिले के आदर्श विद्यालयों को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित करने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर द्वारा +2 किसान वैदिक उच्च विद्यालय, लौना, तारापुर का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विद्यालय में संचालित पठन-पाठन, शिक्षण व्यवस्था, आधारभूत सुविधाओं सहित विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने विद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ संवाद कर उनकी पढ़ाई, शिक्षण व्यवस्था एवं विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों से विभिन्न विषयों से संबंधित सवाल भी पूछे और उनके उत्तर सुने। जिलाधिकारी ने स्वयं विद्यार्थियों के साथ कक्षा में बैठकर शिक्षकों द्वारा पढ़ाने की प्रक्रिया एवं शिक्षण के तरीके का अवलोकन किया तथा शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। विद्यार्थियों ने संवाद के दौरान बताया कि पूर्व में विद्यालय में कई प्रकार की कमियां थीं तथा शिक्षकों की भी कमी थी। मुख्यमंत्री द्वारा विद्यालय को सरस्वती विद्या निकेतन आदर्श विद्यालय के रूप में विकसित किए जाने के बाद पठन-पाठन की व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है तथा शिक्षकों की कमी भी दूर हुई है। विद्यार्थियों ने कहा कि जिलाधिकारी द्वारा विद्यालय को गोद लेकर इसके विकास पर विशेष ध्यान दिया जाना उनके लिए गर्व की बात है।इस अवसर पर अभिभावकों के साथ भी संगोष्ठी एवं संवाद आयोजित किया गया।

सरकारी नीतियों और दोहरे चरित्र पर साहित्यकारों ने जताया क्षोभ

प्रात: किरण संवाददाता

सीवानःजनवादी लेखक संघ, सीवान के तत्वावधान में ‘हिंदी पखवाड़ा’ के अवसर पर स्थानीय कन्हैयालाल केन्द्रीय जिला पुस्तकालय के सभागार में एक भव्य विचार गोष्ठी एवं कवि सम्मेलन सह मुशायरा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनवादी लेखक संघ के जिला अध्यक्ष व वरिष्ठ उस्ताद शायर कमर सीवानी ने की। इस विशेष अवसर पर जेड. ए. इस्लामिया कॉलेज के हिन्दी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष और हिंदी साहित्य के मर्मज्ञ विद्वान प्रो. (डॉ.) हारुन शैलेन्द्र को संघ की ओर से सम्मान-पत्र, शाल और पुष्प माला देकर सम्मानित किया गया।

संगोष्ठी में विषय प्रवेश कराते हुए युगल किशोर दूबे ने कहा कि हिंदी पूरे देश की भाषा है, जिसे किसी एक सांचे में नहीं बांधा जा सकता। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान इसने जनजागरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। प्रो. महमूद हसन अंसारी ने हिंदी-उर्दू के अंतसंबंधों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दोनों सगी बहनें हैं; भले ही इनकी लिपि अलग है, किन्तु विचार के स्तर पर दोनों एक हैं।

वहीं, डॉ. के. एहतेशाम ने हिंदी की वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हिंदी को केवल साहित्यकारों के भरोसे छोड़ दिया गया है। प्रशासनिक एवं तकनीकी क्षेत्रों में इसकी काफी उपेक्षा हुई है, जबकि फिल्मों और कलाकारों ने इसे जन-जन तक पहुंचाने का सफल प्रयास किया है। प्रो. उपेन्द्र नाथ यादव ने शिक्षा व्यवस्था पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि आज देश में 94 हजार सरकारी विद्यालय बंद कर दिए गए हैं, जबकि अंग्रेजी माध्यम के प्राइवेट स्कूलों की बाढ़ आ गई है। शासकों का यह दोहरा चरित्र हिंदी के विकास के लिए बेहद घातक है।कार्यक्रम के दूसरे सत्र में आयोजित कवि सम्मेलन सह मुशायरा में रचनाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। युवा शायर गुलाम हैदर वारसी की रचनाओं को खूब दाद मिली। डॉ. टी. के. शुकला की पंक्ति ‘हिंदी हमारी अरमान बन गयी ह’ की सराहना हुई, वहीं प्रसिद्ध कवयित्री विजय लक्ष्मी विनोदिनी ने उच्च स्तरीय कविता का सस्वर पाठ किया।अध्यक्षता कर रहे कमर सीवानी ने अपने शेर ‘वो कौन शख्स है जो दस्ते जुल्मते गम में, मोसररतो का समंदर तलाश करता है’ से समां बांध दिया। अरशद अली (अधिवक्ता) ने राष्ट्रपिता को याद करते हुए पढ़ा– वतन की शान थे तहजीब की अमानत थे, हमारे गांधी जी इंसानियत की अजमत थे। डॉ. असगर अली ने अपनी रचना ‘हम हिन्दी बोलने में शमार्ते क्यों हैं’ से आत्ममंथन की प्रेरणा दी, जबकि लाइची हरिराही के कलाम ‘हे कलम आज चुप क्यों बैठी है’ ।

आईसीआईसीआई प्रू ने 15 लाख रुपये के औसत मौत के दावे में उद्योग का किया नेतृत्व

दुगार्पुर। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2026 में परिवारों को औसतन 15 लाख रुपये के व्यक्तिगत मृत्यु दावे का भुगतान किया, सार्वजनिक रूप से उपलब्ध उद्योग प्रकटीकरण के आधार पर सालाना 10 हजार से अधिक व्यक्तिगत मृत्यु दावे प्राप्त करने वाले जीवन बीमाकताओं के बीच अपनी स्थिति को शीर्ष पर बनाए रखा।

कंपनी का औसत व्यक्तिगत मृत्यु दावा मूल्य वित्त वर्ष 2021 में लगभग 10 लाख रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 में 15 लाख रुपये हो गया है। यह आंकड़ा पिछले चार वित्तीय वर्षों में 14-15 लाख रुपये के दायरे में बना हुआ है, जो पॉलिसीधारकों के परिवारों को प्रदान की जा रही वित्तीय सुरक्षा के पैमाने को उजागर करता है। वित्त वर्ष 2026 में कंपनी ने 5,149 करोड़ रुपये के मृत्यु दावों का निपटान किया और 99.3% का दावा निपटान अनुपात दर्ज किया। सारंग गोखले, मुख्य-अंडरराइटिंग और खुदरा दावे ने कहा, जीवन बीमा परिवारों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक सरल वादे पर बनाया गया है जब उन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता होती है।

स्वच्छता कर्मियों का कराया गया हेल्थ चेकअप

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)।स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 के तहत टेटिया पंचायत में स्वच्छता कार्य से जुड़े सभी कर्मियों का स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में स्वच्छता कर्मियों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक सुझाव दिए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वच्छता कार्य में लगे कर्मियों के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी करना और उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। इस दौरान कर्मियों को स्वच्छता कार्य के दौरान व्यक्तिगत सुरक्षा और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने की जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि नियमित स्वास्थ्य जांच से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की समय पर पहचान कर आवश्यक उपचार कराया जा सकता है। स्वच्छता कर्मियों ने भी स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम में भाग लेकर अपनी जांच कराई। अधिकारियों ने कहा कि स्वच्छता कर्मी गांव एवं पंचायत को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके स्वास्थ्य की देखभाल भी उतनी ही जरूरी है, ताकि वे सुरक्षित एवं स्वस्थ रहकर अपने कार्यों का बेहतर ढंग से निर्वहन कर सकें। कार्यक्रम में लोहिया स्वच्छता अभियान की प्रखंड समन्वयक प्रतिमा कुमारी, कार्यपालक सहायक अमित कुमार एवं पंचायत स्वच्छता पर्यवेक्षक पप्पू कुमार मौजूद रहे।अधिकारियों ने कर्मियों को स्वच्छता के साथ अपने स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखने के लिए प्रेरित किया।

सेवा ही संकल्प के तहत प्रखंड परिसर में चला विशेष स्वच्छता अभियान

प्रातः किरण संवाददाता

सीवान/दरौंदा प्रखंड कार्यालय परिसर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के उद्देश्य से बुधवार को ‘सेवा ही संकल्प’ के तहत विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। बीडीओ सिम्पी कुमारी के नेतृत्व में आयोजित अभियान में प्रखंड की सभी पंचायतों के स्वच्छता पर्यवेक्षकों और विभिन्न वार्डों में कार्यरत स्वच्छता कर्मियों ने भाग लिया।

अभियान के दौरान प्रखंड कार्यालय के सामने एनएच-531 के किनारे जमा कचरे को हटाया गया। इसके अलावा हनुमान मंदिर परिसर, मनरेगा भवन के समीप सहित प्रखंड परिसर के विभिन्न स्थानों की साफ-सफाई की गई। स्वच्छता कर्मियों ने एकत्रित कचरे को निर्धारित स्थान पर पहुंचाया।

इस अवसर पर बीडीओ सिम्पी कुमारी ने स्वच्छता कर्मियों को सार्वजनिक स्थलों की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान को केवल विशेष अवसरों तक सीमित न रखकर नियमित गतिविधि के रूप में जारी रखा जाना चाहिए।

अभियान में प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि उमेश सिंह, मुखिया रामकृष्ण सिंह उर्फ काका, नायमुल हक सिद्दीकी, जितेंद्र सिंह, अरुण सिंह, चंद्रदेव राय, मंटू तिवारी, प्रखंड मान्यवक बीसी राकेश राम, स्वच्छता पर्यवेक्षक सोनू सिंह, सुशील सिंह, नंदकिशोर प्रसाद, भीम कुमार, राजकिशोर राय, संतोष यादव, अनूप राय और सुजीत राम सहित विभिन्न पंचायतों के स्वच्छता कर्मी मौजूद रहे।

तारापुर के चानकेन लकडाज़ोर झगड़हवा भूसी लेधरा कढ़िया जलाशय में सिंचाई के लिए नहीं है पानी

प्रात: किरण संवाददाता

तारापुर (मुंगेर/30 सितंबर)। सिंचाई की दृष्टिकोण से तारापुर विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जिले भर में पानी का सबसे बड़ा खजाना बदुआ जलाशय के अलावे चानकेन लकराजोर झगड़हवा भूसी लेधरा कढिया इत्यादि छोटे-छोटे जलाशय में सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं है । गौरतलब है कि विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले तारापुर संग्रामपुर असरगंज टेटिया बंबर एवं हवेली खड़गपुर के किसानों ने काफी लंबे समय के बाद इस वर्ष लगभग 30 हजार हेक्टेयर से अधिक कृषि योग्य भूमि में धान खेती को किया है । बता दें कि वर्ष 2022 से ही छोटे-छोटे सभी जलाशय का पेट पानी बिना खाली पड़ा है । इधर किसान सह पूर्व प्रमुख विजय कापरी पूर्व मुखिया विजय यादव कर्मवीर भारती इत्यादि बताते हैं कि कुछ ही महीनों बाद आने वाले समय में रब्बी फसल की बुआई के बाद सिंचाई की समस्या क्षेत्र में गंभीर हो जाती है। किसानों ने बड़े ही आशा और उम्मीद के साथ कम समय में उन्नत प्रजाति की फैसले और साग सब्जियां की खेती तो करते हैं लेकिन सिंचाई के लिए पानी नहीं मिलने के कारण किसानों के बीच एक बड़ा चिंता का विषय बनता है जहां पूंजी का डूबने की चिंताएं भी बनी रहती है।

सदर प्रखंड में विकसित ग्राम पंचायत योजना को लेकर प्रशिक्षण का आयोजन

■ 02 अक्टूबर से ग्राम सभा शुरू, 15 जनवरी तक तैयार होगा 5 वर्ष का परस्पेक्टिव प्लान

मुंगेर। सदर प्रखंड कार्यालय में बुधवार को प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी प्रमोद मिस्त्री के अध्यक्षता में सभी ग्राम पंचायतों के मुखिया एवं पंचायत समिति सदस्य की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी पांच वर्षों के लिए विकसित ग्राम पंचायत योजना के तहत प्रशिक्षण दिया गया। बताया गया कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रत्येक पंचायत का 5 वर्षीय परस्पेक्टिव प्लान तैयार किया जाना है, जिससे ग्राम पंचायतों का सुनियोजित और सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। प्रशिक्षण के दौरान जीविका से संबंधित विषयों सहित अन्य 9 प्रमुख बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। विभागीय निर्देश के अनुसार इस योजना के लिए 02 अक्टूबर से ग्राम सभा की शुरूआत होगी और 15 जनवरी तक पूरी प्रक्रिया को पूरा कर लेना है। बैठक में मुखिया जितेंद्र रजक, पूर्व मुखिया रविंद्र मंडल, पूर्व मुखिया दीपक कुमार मुन्ना, पूर्व मुखिया महफूज आलम उर्फ. खुर्शीद आलम, पूर्व मुखिया बम बम चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं कार्यालय के कर्मी उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले भर में आंगन मिलन कार्यक्रम, केंद्र संख्या 136 पर पहुंचीं डीपीओ

प्रात: किरण संवाददाता

मुंगेर। सेवा संकल्प अभियान के तहत 9वें राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर जिले में तीन दिवसीय विशेष अभियान के तहत आंगन मिलन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

इसी कड़ी में बुधवार को जिला प्रोग्राम पदाधिकारी रश्मि सिन्हा सदर प्रखंड अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र संख्या-136 पर पहुंचीं। उन्होंने वहां बच्चों का अन्नप्राशन कराया और आंगनबाड़ी सेविका को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान डीपीओ ने उपस्थित अभिभावकों को पोषण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने लोगों को मोटे अनाज (मिलेट्स) को अपने भोजन में शामिल करने के लिए प्रेरित किया और कहा -सही पोषण-देश रोशन, स्वस्थ बच्चा-देश अच्छा मौके पर जिला समन्वयक मुक्त, महिला पर्यवेक्षिका अलका सिन्हा, आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका सहित कई लोग मौजूद रहे।

पोषण से जुड़ी जरूरी बातें :

विशेषज्ञों के अनुसार 6 माह से 2 वर्ष तक के बच्चों में कुपोषण का खतरा सबसे अधिक होता है। इस दौरान स्तनपान के साथ अन्नप्राशन और संतुलित आहार बेहद जरूरी है। मोटे अनाज जैसे मडुआ, ज्वार, बाजरा और सावां में आयरन, कैल्शियम और फाइबर भरपूर होता है, जो बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के साथ-साथ एनीमिया को दूर करने में मदद करता है। गर्भवती महिलाओं और किशोरियों के लिए भी यह लाभकारी है।

500 से अधिक भूमिहीनों ने जमीन के लिए दिया आवेदन, अंचल में बढ़ी भीड़

■ सदर अंचल कार्यालय में लग रही कतार, जमीन तलाश में जुटे राजस्व कर्मचारी

प्रात: किरण संवाददाता

मुंगेर। सदर अंचल में इन दिनों जमीन की आस में भूमिहीनों की भीड़ उमड़ रही है। आवास एवं अन्य जरूरतों के लिए भूमि उपलब्ध कराने की मांग को लेकर अब तक 500 से अधिक लोगों ने अंचल कार्यालय में आवेदन दिया है। आवेदन जमा करने का सिलसिला अभी भी जारी है। अंचल अधिकारी अंजलि ने बताया कि भूमिहीन परिवारों को भूमि उपलब्ध कराने के लिए राजस्व कर्मचारियों को जमीन की खोज का निर्देश दिया गया है। सभी राजस्व कर्मचारी अपने-अपने क्षेत्र में सरकारी एवं उपलब्ध भूमि की जानकारी जुटा रहे हैं। भूमि चिह्नित होने के बाद आवेदन के आधार पर आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर आयोजित हो रहा आंगन का मिलन कार्यक्रम

■ बच्चों और लाभुकों का स्वागत कर पोषण माह की गतिविधियों की दी जा रही जानकारी, जनप्रतिनिधि व ग्रामीण भी हो रहे शामिल

प्रात: किरण संवाददाता।

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। बाल विकास परियोजना कार्यालय, टेटिया बंबर के अंतर्गत संचालित सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर ‘आंगन का मिलन’ कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। तीन दिवसीय यह कार्यक्रम लगातार 1 अक्टूबर तक सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान बच्चों एवं लाभुकों का स्वागत करने के साथ पोषण माह के तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। कार्यक्रम के तहत आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका द्वारा बच्चों के माता-पिता एवं अभिभावकों को केंद्र पर आमंत्रित कर उनका अभिनंदन किया जा रहा है। इस दौरान लाभुक माताओं द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र से मिलने वाली सुविधाओं और सेवाओं को लेकर अपने अनुभव भी साझा किए जा रहे हैं। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्र की गतिविधियों, पोषण, बच्चों के स्वास्थ्य एवं देखभाल से संबंधित जानकारी भी दी जा रही है। ‘आंगन का मिलन’ कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, लाभुक, गणमान्य अभिभावक, ग्रामीण तथा महिला सदस्य बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका एवं आशा कार्यकताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके कार्यों के लिए सम्मान भी किया जा रहा है।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों पर जीविका समूहों के साथ जनसंपर्क भी किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक लाभुक और ग्रामीण इसमें शामिल हो सकें। बाल विकास परियोजना पदाधिकारी अमन कुमार, महिला पर्यवेक्षिका सरला कुमारी एवं प्रखंड समन्वयक दीपशिखा कुमारी के मार्गदर्शन में सभी केंद्रों पर कार्यक्रम आयोजित कराया जा रहा है। अधिकारियों ने कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया है।

लड़ैयाटॉड़ में दुर्गा पूजा को लेकर थाने में शांति समिति की बैठक, शांतिपूर्ण आयोजन पर जोर

प्रात: किरण संवाददाता

धरहरा (मुंगेर):दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर लड़ैयाटॉड थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अंचल निरीक्षक शिव अमित प्रकाश कौशिक ने कि,थानाध्यक्ष विभांशु शेखर भास्कर, धरहरा अंचल अधिकारी वीरेंद्र कुमार।

बैठक में थाना क्षेत्र के बंगलवा, घटवारी, सराधी, लड़ैयाटॉड सहित दर्जनों गांवों के जनप्रतिनिधि, पूजा समिति के सदस्य एवं गणमान्य लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए।थानाध्यक्ष ने कहा कि दुर्गा पूजा आस्था और शक्ति का प्रतीक है। इसे शांति और भाईचारे के साथ मनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने पूजा समितियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि -1. पूजा पंडालों में सीसीटीवी और अग्निशमन की व्यवस्था अनिवार्य रखें। 2. डीजे पर माननीय न्यायालय के गाइडलाइन का पालन करें, अश्लील गानों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। 3. विसर्जन जुलूस के लिए पूर्व से लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। 4. अफवाहों पर ध्यान न दें, किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। बैठक में उपस्थित लोगों ने भी अपने-अपने सुझाव रखे और पुलिस प्रशासन को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। थानाध्यक्ष ने कहा कि असामाजिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी और हुड़दंग करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मौके पर थाना के सभी पदाधिकारी व कर्मी मौजूद रहे।

दानापुर एवं सासाराम से चर्लपल्ली के लिए पूजा स्पेशल का परिचालन शुरू

प्रातः किरण संवाददाता

हाजीपुर ।आगामी दुर्गा पूजा, दीपावली एवं छठ पर्व के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए तथा यात्रियों की सुगम व आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य दानापुर एवं सासाराम से चर्लपल्ली के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है जिनका विवरण निम्नानुसार है -

1.गाड़ी संख्या 07049/07050 चर्लपल्ली-दानापुर-चर्लपल्ली स्पेशल (डीडीयू-प्रयागराज छिवकी-जबलपुर-नागपुर-बल्लारशाह-काजीपेट के रास्ते) - गाड़ी सं. 07049 चर्लपल्ली- दानापुर स्पेशल चर्लपल्ली से 04.10.2026 से 29.11.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक रविवार को चर्लपल्ली से 09.30 बजे खुलकर अगले दिन 16.10 बजे डीडीयू, 17.18 बजे बक्सर, 18.10 बजे आरा रुकते हुए 19.45 बजे दानापुर पहुंचेगी ।वापसी में, गाड़ी सं. 07050 दानापुर-चर्लपल्ली स्पेशल 05.10.2026 से 30.11.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक सोमवार को दानापुर से 21.15 बजे खुलकर 21.45 बजे आरा, 22.28 बजे बक्सर दूसरे दिन 01.25 बजे डीडीयू सहित विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए तीसरे दिन 07.30 बजे चर्लपल्ली पहुंचेगी ।

2.गाड़ी संख्या 07091/07092 हैदराबाद-दानापुर-हैदराबाद स्पेशल (डीडीयू-प्रयागराज छिवकी-जबलपुर-नागपुर-बल्लारशाह-काजीपेट के रास्ते)- गाड़ी संख्या 07091 हैदराबाद-दानापुर स्पेशल हैदराबाद से 03.10.2026 से 28.11.2026 तक प्रत्येक शनिवार को हैदराबाद से 12.00 बजे खुलकर अगले दिन 21.10 बजे डीडीयू, 22.23 बजे बक्सर, 23.10 बजे आरा रुकते हुए तीसरे दिन 00.30 बजे दानापुर पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 07092 दानापुर-हैदराबाद स्पेशल 05.10.2026 से 30.11.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक सोमवार को दानापुर से 03.00 बजे खुलकर 03.30 बजे आरा, 04.16 बजे बक्सर, 06.20 बजे डीडीयू सहित विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए अगले दिन 12.00 बजे चर्लपल्ली पहुंचेगी ।

3.गाड़ी संख्या 07041/07042 चर्लपल्ली-सासाराम-चर्लपल्ली स्पेशल (डीडीयू-प्रयागराज छिवकी-जबलपुर-नागपुर-बल्लारशाह-काजीपेट के रास्ते) - गाड़ी सं. 07041 चर्लपल्ली- सासाराम स्पेशल चर्लपल्ली से 08.10.2026 से 26.11.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक गुरूवार को चर्लपल्ली से 08.00 बजे खुलकर अगले दिन 14.50 बजे डीडीयू एवं 15.30 बजे भभुआ रोड रुकते हुए 16.30 बजे सासाराम पहुंचेगी ।वापसी में, गाड़ी सं. 07042 सासाराम-चर्लपल्ली स्पेशल 09.10.2026 से 27.11.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार को सासाराम से 19.00 बजे खुलकर 19.30 बजे भभुआ रोड एवं 21.10 बजे डीडीयू सहित विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए तीसरे दिन 03.30 बजे चर्लपल्ली पहुंचेगी ।

इसके साथ ही पटना और चर्लपल्ली के मध्य चलायी जा रही 03253/03254 का परिचालन विस्तार किया गया है जिनका विवरण निम्नानुसार है -

4.गाड़ी संख्या 03253/03254/03255 पटना-चर्लपल्ली-पटना स्पेशल - गया-कोडरमा- गोमो-रांची-बिलासपुर-रायपुर-नागपुर-काजीपेट के रास्ते पटना और चर्लपल्ली के मध्य चलायी जा रही स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार किया गया है । गाड़ी सं. 03253 पटना-चर्लपल्ली स्पेशल पटना से 05.10.2026 से 30.11.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक सोमवार एवं बुधवार को परिचालित की जाएगी । इसी तरह गाड़ी सं. 03254 चर्लपल्ली-पटना स्पेशल चर्लपल्ली से 07.10.2026 से 02.12.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक बुधवार को तथा गाड़ी सं. 03255 चर्लपल्ली-पटना स्पेशल चर्लपल्ली से 02.10.2026 से 27.11.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक शुक्रवार को परिचालित की जाएगी ।

समस्तीपुर मंडल के लहेरियासराय स्टेशन पर नमो भारत एवं जोगबनी-दानापुर इंटरसिटी का ठहराव

हाजीपुरः यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर गाड़ी सं. 94803/94804 जयनगर-पटना -जयनगर नमो भारत रैपिड रेल एवं गाड़ी संख्या 13211/13212 जोगबनी-दानापुर-जोगबनी इंटरसिटी एक्सप्रेस का समस्तीपुर मंडल के लहेरियासराय स्टेशन पर दिनांक 02 मिनट का ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है । दिनांक 02.10.2026 से गाड़ी संख्या 94803 जयनगर-पटना नमो भारत रैपिड रेल 06.28 बजे लहेरियासराय पहुंचेगी तथा यहां से 06.30 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी ।जबकि गाड़ी संख्या 94804 पटना-जयनगर नमो भारत रैपिड रेल 21.38 बजे लहेरियासराय पहुंचेगी तथा यहां से 21.40 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगीइसी तरह दिनांक 05.10.2026 से गाड़ी संख्या 13211 जोगबनी-दानापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस 10.01 बजे लहेरियासराय पहुंचेगी तथा यहां से 10.03 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी ।जबकि गाड़ी संख्या 13212 दानापुर-जोगबनी इंटरसिटी एक्सप्रेस 10.43 बजे लहेरियासराय पहुंचेगी तथा यहां से 10.45 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी

पूर्व मध्य रेल द्वारा मात्र 182 दिनों में 100 मीलियन टन का किया गया माल लदान

हाजीपुरः पूर्व मध्य रेल ने माल लदान के क्षेत्र में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में 01 अप्रैल से 29 सितम्बर, 2026 तक मात्र 182 दिनों में 100.41 मिलियन टन माल लदान किया गया।यह उपलब्धि पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि की तुलना में किये गये लदान से 5.17 मिलियन टन अधिक है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 01 अप्रैल से 29 सितम्बर, 2025 तक 95.24 मिलियन टन माल लदान किया गया था। वहीं, पिछले वित्तीय वर्ष में 100 मिलियन टन का आंकड़ा 10 अक्टूबर, 2025 को अर्थात 193 दिनों में हासिल किया गया था।इस प्रकार, पूर्व मध्य रेल ने इस वर्ष 100 मिलियन टन का आंकड़ा 11 दिन पहले ही पार कर लिया है। माल लदान में हुई यह वृद्धि पूर्व मध्य रेल द्वारा बेहतर परिचालन प्रबंधन, मालगाड़ियों की सुचारू आवाजाही तथा ग्राहकों को उपलब्ध कराई जा रही बेहतर माल परिवहन सुविधाओं को दशार्ती है।

पूर्व मध्य रेल द्वारा माल लदान में निरंतर वृद्धि के लिए लोडिंग क्षमता के बेहतर उपयोग, मालगाड़ियों की औसत गति में सुधार, परिचालन दक्षता बढ़ाने तथा रेल परिवहन को अधिक सुविधाजनक एवं प्रतिस्पर्धी बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।पूर्व मध्य रेल की यह उपलब्धि भारतीय रेल के माल परिवहन को सुदृढ़ करने तथा देश की अर्थव्यवस्था के विकास में रेल की महत्वपूर्ण भूमिका को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

श्रुति ने बढ़ाया बिहार का मान प्राकृतिक कृषि पर दिया बल

प्रातः किरण संवाददाता

पटना- बजाज फाउंडेशन एवं विश्व युवक केंद्र द्वारा आयोजित 10वें धेय कार्यक्रम में प्रेम यूथ फाउंडेशन की बेटी श्रुति को प्राकृतिक कृषि में उत्कृष्ट योगदान हेतु सम्मान पत्र प्रदान किया गया।

यह कार्यक्रम राजस्थान में आयोजित हुआ, जहाँ देशभर के युवा कृषि उद्यमियों को आमंत्रित किया गया था। श्रुति ने प्राकृतिक कृषि, जैविक खेती और शिक्षा के क्षेत्र में अपने प्रयासों से सबका ध्यान खींचा।

बजाज फाउंडेशन के हरि भाई मोरी ने कहा कि बिहार की बेटियाँ अब खेती में भी नया प्रयोग कर रही हैं, जो ह्ललैब टू लैंडह्व का सबसे अच्छा उदाहरण है।

प्रेम यूथ फाउंडेशन के निदेशक देवानंद ने कहा कि श्रुति हम सबके लिए प्रेरणा है। पटना की मिट्टी से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है ।वही फाउंडेशन के प्रोग्राम ऑफिसर नीतीश ने बताया कि अंधाधुंध रसायनिक खाद एवं किट नाशक के प्रयोग से भारत माता कराह रही है ।मिट्टी में नाइट्रेड की मात्रा काफी बढ़ गया है जिससे कैंसर, असमय बाल सफेद होना, दम्मा , चर्म रोग तेजी से फैल रहा है वही प्रकृतिक कृषि से उत्पादित फल एवं सब्जी पौष्टिक एवं अधिक दिनों तक टिकाऊ होता है ।उन्होंने प्रकृतिक कृषि अपनाने का आह्वान किया है ।

बिक्रम में निमार्णाधीन भवन के बंद कमरे से बिजली के तार व उपकरण की चोरी

बिक्रम ।प्रखंड के मोरियावां स्थित कुसुमराज ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट के निमार्णाधीन भवन के बंद कमरे से बीते रात अज्ञात चोरों ने खिड़की तोड़कर बिजली के तार, पँखा फिटिंग का सामान समेत कई उपकरण चोरी कर ली। संस्थान द्वारा स्थानीय थाना में दिए गए लिखित आवेदन में बताया गया है कि संस्थान के एक निमार्णाधीन शैक्षणिक भवन के निचले तले के एक कमरे में रखे गए बिजली उपकरण वाले कमरे को बुधवार के दोपहर जब खोला गया देखा कि बिजली के तार, फिटिंग का सामान समेत कई उपकरण चोरी हो चुकी थी। चोरी हुए सामान की कीमत करीब ढाई लाख रुपये बताई गई है।

बीएमएसआईसीएल ने 30 करोड़ रुपए का चेक मुख्यमंत्री राहत कोष के लिये मुख्यमंत्री को सौंपा

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार में आई बाढ़ के मद्देनजर प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए बिहार मेडिकल सर्विसेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन लिमिटेड ने 30 करोड़ रुपए का चेक मुख्यमंत्री राहत कोष के लिये मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को लोक सेवक आवास स्थित ह्यसंकल्पह्व सभागार में सौंपा। मुख्यमंत्री ने इस सहयोग के लिये बिहार मेडिकल सर्विसेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन लिमिटेड का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह राशि राज्य में आपदा एवं कठिन परिस्थितियों के समय जरूरतमंद लोगों की मदद में काम आएगी। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री निशांत, स्वास्थ्य विभाग के सचिव कुमार रवि, बिहार चिकित्सा सेवा एवं आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सुब्रत कुमार सेन उपस्थित थे।

बाढ़ पीड़ितों को 9 अक्तूबर को मिलेगी राहत राशि, मुख्य सचिव ने की राहत कार्यों की समीक्षा

■ बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत शिविर, सामुदायिक रसोई और तटबंधों की निगरानी बढ़ाने के दिए निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत ने बुधवार को राज्य के विभिन्न हिस्सों में आई बाढ़ और उन इलाकों में प्रभावित आबादी के लिए शुरू किए गए राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित परिवारों में नौ अक्तूबर को ग्रैटूटस रिलीफ (जीआर) की राशि मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी के हाथों डीबीटी के माध्यम से अंतरित की जाएगी। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी करने और पात्र लाभुकों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सहायता राशि उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव श्री संतोष कुमार मल्ल की उपस्थिति में आयोजित इस वीडियो कांफ्रेंसिंग बैठक से पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सारण, वैशाली, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, सुपौल एवं सहरसा के जिला पदाधिकारी मुख्य रूप से जुड़े रहे। इस दौरान कई जिलों में बाढ़ की वर्तमान स्थिति, प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य, तटबंधों की स्थिति, बाढ़ राहत शिविरों का संचालन, सामुदायिक रसोई, नावों के परिचालन और राहत सामग्री के वितरण आदि बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा हुई। मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पूरी संवेदनशीलता एवं तत्परता से कार्य करते हुए प्रभावित परिवारों तक आवश्यक सहायता पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने विशेष रूप से तटबंधों की निरंतर निगरानी करने और संवेदनशील स्थलों पर आवश्यक सतर्कता बरतने का निर्देश दिया, ताकि किसी भी संभावित स्थिति से समय रहते प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। बैठक में बाढ़ राहत शिविरों में उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की भी समीक्षा की गई। राज्य में वर्तमान में 06 राहत शिविर का संचालन किया जा रहा है, जहां 3550 बाढ़ शरणार्थियों के लिए आवासन, भोजन, चिकित्सा आदि की व्यवस्था की गई है।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि राहत शिविरों में रह रहे लोगों को भोजन, पेयजल, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं नियमित रूप से उपलब्ध कराई जाएं। सामुदायिक रसोई का संचालन सुचारू रूप से सुनिश्चित करने और जरूरतमंद लोगों को समय पर गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने को कहा गया।

मुख्यमंत्री हीमोफीलिया योजना की स्वीकृति पर मरीज समुदाय ने जताया स्वास्थ्य मंत्री निशांत का आभार

प्रातः किरण संवाददाता

पटनाः बिहार मंत्रिपरिषद द्वारा ह्लमुख्यमंत्री हीमोफीलिया योजनाह्व को बुधवार को मंजूरी दिए जाने तथा आधुनिक दवा ेंप्रे९४ें के क्रय हेतु लिए प्रथम वर्ष में 26,33,63,490/- (छब्बीस करोड़ तैंतीस लाख तिरसठ हजार चार सौ नब्बे रुपये) की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान किए जाने पर राज्यभर के हीमोफीलिया मरीजों में खुशी की लहर है।

मरीज प्रतिनिधि अभिषेक ने इस ऐतिहासिक फैसले का स्वागत करते हुए माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री निशांत कुमार जी के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की है।स्वास्थ्य मंत्री के विजन और नेतृत्व की सराहना करते हुए मरीज प्रतिनिधि अभिषेक ने कहा, ह्लमाननीय स्वास्थ्य मंत्री जी का यह कदम उनकी असाधारण संवेदनशीलता, असीम मानवीय करुणा और दूरदर्शी नेतृत्व का सबसे बड़ा प्रमाण है। उन्होंने जिस गहराई से हीमोफीलिया मरीजों की असहनीय पीड़ा को समझा और इस विश्वस्तरीय आधुनिक चिकित्सा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी, वह उनके जन-कल्याणकारी विजन को स्पष्ट रूप से दशार्ता है। मंत्री जी के इस युगांतरकारी निर्णय ने एक पूरी पीड़ित पीढ़ी को दर्द और संभावित दिव्यांगता से मुक्ति का मार्ग दिखाया है; इस नवजीवन के लिए संपूर्ण मरीज समुदाय उनका सदैव ऋणी रहेगा।इसके साथ ही, मरीजों ने इस योजना को तत्परता से प्रशासनिक रूप देने के लिए स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारियों एवं कर्मियों के प्रति भी मरीज समुदाय की ओर से विशेष आभार प्रकट किया।मरीज प्रतिनिधियों ने पूर्ण विश्वास जताया है कि माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री निशांत जी के सशक्त मार्गदर्शन में इस योजना का प्रभावी और पारदर्शी क्रियान्वयन होगा, जिससे राज्य के सभी पात्र मरीजों तक यह आधुनिक उपचार निर्बाध रूप से पहुंच सकेगा।

इंडिया ब्लॉक की बैठक : ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग के साथ बड़े आंदोलन का ऐलान

■ विपक्षी दलों ने किया दावा जब तक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते, वे पीछे हटने वाले नहीं हैं

प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली ।राजधानी दिल्ली में बुधवार को आयोजित इंडिया ब्लॉक की बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), ईवीएम और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे पर चर्चा हुई। इस बैठक के बाद विपक्षी दलों के नेताओं ने दावा किया है कि जब तक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते, वे पीछे हटने वाले नहीं हैं। इंडिया ब्लॉक की बैठक के बाद कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि चुनाव आयोग केंद्र सरकार और भाजपा के लिए काम कर रहा है। सीपीआई (एमएल) के जनरल सेक्रेटरी दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि इस समय पूरे देश में ज्ञानेश कुमार सबसे ज्यादा चर्चा का विषय हैं। ज्ञानेश कुमार को हटाना या उनका तुरंत इस्तीफा देना ही इस समय की मांग है। जाहिर है जिस रास्ते से ज्ञानेश कुमार वहां पहुंचे, वह 2023 का कानून है। और इसीलिए हम सुप्रीम कोर्ट में उस 2023 के एक्ट को भी चुनौती देंगे। उन्होंने कहा कि हमें इसे जन आंदोलन बनाना है। 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक हम इस पर अभियान चलाएंगे। 6 अक्टूबर को सभी विपक्षी सांसद चुनाव आयोग के पास जाएंगे। राष्ट्रपति से भी मिलेंगे, और देश में कई बड़ी रैली होगी। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ केस चलना चाहिए, फिलहाल, इस्तीफे से इसकी शुरूआत होनी चाहिए। सीपीआई (एम) के महासचिव एमए बेबी ने कहा कि हमने तय किया है कि राजनीतिक दलों के अलावा, हमें सामाजिक आंदोलनों, सिविल सोसाइटी, बुद्धिजीवियों और गैर-सरकारी संगठनों से भी संपर्क करना चाहिए। कांग्रेस सांसद जोस के. मणि ने फॉर्म-6 को लेकर कहा कि इसमें हेर-फेर की गई है और यह जानबूझकर किया गया है।

इंडी गठबंधन पर शिवराज का निशाना, बोले- ये राहुल गांधी को फिर से लॉन्च करने की तैयारी

प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस और विपक्षी इंडी गठबंधन पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक के बाद एक चुनाव में हार के बाद देश को उम्मीद थी कि कांग्रेस अपनी गलतियों को स्वीकार करेगी, जनता से माफी मांगेगी और आत्मचिंतन करेगी, लेकिन कांग्रेस ने तय कर लिया है कि वह अपनी गलतियों से नहीं सुधरेगी।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस नेताओं मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी को अपनी गलतियों की जिम्मेदारी स्वीकार कर जनता से माफी मांगनी चाहिए, लेकिन इसके बजाय वे कथित तौर पर भ्रम फैला रहे हैं, झूठे दावे कर रहे हैं और मनगढ़ंत आरोप लगा रहे हैं।

उन्होंने कांग्रेस के 2 से 8 अक्टूबर तक प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर भी निशाना साधा। शिवराज ने कहा कि कांग्रेस इसे लोकतंत्र बचाने का मार्च बता रही है, लेकिन यह वास्तव में सेव डेमोक्रेसी मार्च नहीं, बल्कि सेव डायनेस्टी मार्च है। उन्होंने कहा कि देश की जनता ने तय कर लिया है कि अब वंशवादी राजनीति नहीं चलेगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी ने पहले पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत के लिए ममता बनर्जी को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव नजदीक आते ही कांग्रेस अपनी राजनीतिक विफलताओं पर आत्मचिंतन करने के बजाय संस्थाओं पर सवाल उठाने और संवैधानिक निकायों का राजनीतिकरण करने लगती है।

सेवानिवृति पर मध्य विद्यालय परड़ीयावां की शिक्षिका मीना कुमारी को दी गई विदाई

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रम।उत्क्रमित मध्य विद्यालय परड़ीयावां के प्रांगण में बुधवार को विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें विद्यालय की शिक्षिका मीना कुमारी की सेवानिवृत्ति पर उन्हें विदाई दी गई। मौके पर आयोजित समारोह की अध्यक्षता सेवानिवृत्त शिक्षक अजय कुमार संचालन शिक्षिका निवेदिता रानी व धन्यवाद ज्ञापन उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य मो. अली अतहर ने किया ` वहीं उद्घाटन मुख्य अतिथि सह बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ के वरीय उपाध्यक्ष मिथिलेश शर्मा, बिक्रम बीईओ रविकांत शर्मा, संघ के बिक्रम प्रखंड अध्यक्ष अजय कुमार, सेवानिवृत शिक्षक दयानन्द शर्मा, अजय कुमार व विद्यालय के प्रधानाध्यापक नीरज कुमार कमल समेत अन्यों ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्जवलित कर किए` तत्पश्चात प्राचार्य नीरज कुमार कमल ने स्वागत भाषण के माध्यम से अतिथियों का सत्कार किया इस दौरान विद्यालय प्रशासन ने अतिथियों को अंग वस्त्र व पुष्पगुच्छ देकर आगत अतिथियों का अभिनन्दन किया` मौके पर वक्ताओं ने सेवानिवृत हुई मीना कुमारी के सुखद व स्वस्थ्य जीवन का कामना करते हुए का आगे भी स्कूल को मार्गदर्शन करते रहने की अपील की ।शिक्षकों ने कहा कि शिक्षिका मीना कुमारी की कमी हमेशा खलेगी। शिक्षकों व छात्रों के साथ इनका व्यवहार आत्मीय रहता था। सेवानिवृत्त शिक्षक दयानन्द शर्मा, संघ के बिक्रम प्रखंड अध्यक्ष अजय कुमार, सचिव अश्विनी कुमार, शिक्षक नीतीश कुमार, राजीव तिवारी गोपाल विद्यार्थी, शशांक शेखर मिश्रा व भोगेन्द्र पाठक आदि ने भी समारोह को संबोधित करते हुए शिक्षिका मीना कुमारी के सुखद व स्वस्थ्य जीवन की कामना की ।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216,
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@ pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496